MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 02 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-89

ट्रंप कार्ड आज

ईरान में घुसेगी सेना या होगा युद्धविराम

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
ईरान के साथ चल रहे संघर्ष को एक महीने से अधिक समय हो चुका है और अब अमेरिका किसी भी कीमत पर युद्धविराम चाहता है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ युद्धविराम की संभावनाओं पर बातचीत करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

ट्रंप के अनुसार, उन्होंने वेंस को स्पष्ट संदेश देने को कहा है कि अमेरिका युद्धविराम के लिए तैयार है, बशर्ते उसकी कुछ प्रमुख शर्तें स्वीकार की जाएं। इन शर्तों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलना भी शामिल है।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आता है, तो उसके बुनियादी ढांचे पर दबाव और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह दबाव तब तक जारी रहेगा, जब तक ईरान समझौते के लिए तैयार नहीं हो जाता।

वेंस ने हाल ही में ईरान से जुड़े मुद्दे पर मध्यस्थों के साथ कई दौर की बातचीत की है। ट्रंप ने इससे पहले दावा किया था कि ईरान ने स्वयं युद्धविराम की मांग की है, हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा नहीं खोला जाता, तब तक किसी भी समझौते पर विचार नहीं किया जाएगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने अमेरिका से युद्धविराम की मांग की है।

▶10 पर

बाजार की नजरें टिकी

इंडेक्स अभी ग्रीन, रंग बदलते देर नहीं

शेयर बाजार के लिए अप्रैल महीने की शुरुआत धमाकेदार रही है, लेकिन मार्च महीने ने निवेशकों को जो जख्म दिया है, उसे भरने में लंबा वक्त लग सकता है। वैश्विक बाजारों से अच्छे संकेतों की वजह से बुधवार को भारतीय बाजारों में तेजी दर्ज की गई। सेंसेक्स 73,000 अंक से ऊपर बंद होने में कामयाब रहा, जबकि निफ्टी 22,679 पर बंद हुआ।

अब सबकी निगाहें गुरुवार पर टिकी हैं। दुनियाभर के शेयर बाजारों के लिए गुरुवार का दिन अहम रहने वाला है, क्योंकि गुरुवार की सुबह करीब साढ़े 6.30 बजे (भारतीय समयानुसार) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश को संबोधित करने वाले हैं। ट्रंप के बयान से ही बाजार की दिशा तय होगी।

फिलहाल ग्लोबल संकेतों को देखें तो अमेरिकी मार्केट (डाउ फ्यूचर्स) में 0.50 फीसदी की तेजी देखी जा रही है। इसके अलावा जापान, चीन, ताइवान और दक्षिण कोरिया के बाजार से भी मजबूती के संकेत मिल रहे हैं।

बुधवार को भारतीय बाजार में जोरदार तेजी से निवेशकों की संपत्ति में करीब 11 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर कोई निगेटिव खबर नहीं आई तो फिर गुरुवार को भी बाजार में मजबूती जारी रह सकती है।

टेक्निकल तौर पर निफ्टी के लिए 22,500 और 22,200 मजबूत सपोर्ट का काम कर सकते हैं। जब तक बाजार इससे ऊपर है, रिकवरी की उम्मीद बनी रहेगी।

▶10 पर

एक दिन में 100 करोड़ वसूल

बंपर कलेक्शन

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
तेलंगाना के प्रमुख शहरी क्षेत्रों के तीन नगर निगमों में संपत्ति कर संग्रह में भारी उछाल देखा गया है। सख्त प्रवर्तन अभियान और चल रही वन-टाइम सेटलमेंट योजना के चलते राजस्व संग्रह एक ही दिन में 100 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। यह उपलब्धि नगर निकायों के लिए एक बड़ी वित्तीय सफलता मानी जा रही है।

पिछले सप्ताह तक दैनिक कर संग्रह मात्र 3 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच रहता था। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में इसमें जबरदस्त तेजी आई है। आंकड़ों के अनुसार, रविवार को 20 करोड़ रुपये, सोमवार को 50 करोड़ रुपये और मंगलवार को 100 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली हुई। इसके साथ ही कुल संचयी संग्रह लगभग 2,500 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है।

बकायादारों पर सख्त कार्रवाई और व्यावसायिक संपत्तियों की सीलिंग

राजस्व अधिकारियों ने इस वृद्धि का श्रेय बहुआयामी कार्रवाई को दिया है। अधिक मूल्य वाली व्यावसायिक संपत्तियों को सील करने, नोटिस जारी करने और जमीनी स्तर पर प्रयासों को तेज करने से यह संभव हो पाया है। जीएचएमसी के एक वरिष्ठ राजस्व अधिकारी ने बताया, व्यावसायिक भवनों को सील करने, घर-घर जाकर अभियान चलाने और लक्षित एसएमएस अलर्ट जैसे उपायों ने करदाताओं को भुगतान के लिए प्रेरित किया है। आने वाले दिनों में यह संग्रह 120 करोड़ रुपये प्रतिदिन तक पहुँचने का अनुमान है।

अर्ली बर्ड योजना: एडवांस टैक्स भरने पर मिलेगी 5% की छूट

इसी बीच, जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने नागरिकों से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अग्रिम संपत्ति कर भुगतान कर अर्ली बर्ड योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने घोषणा की, जो करदाता अप्रैल महीने में अपना पूरा संपत्ति कर जमा करेंगे, उन्हें 5% की छूट दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह छूट केवल 2026-27 के अग्रिम भुगतान पर लागू है, न कि पिछले वर्षों के बकाया पर।

उन्होंने संपत्ति मालिकों से जल्द भुगतान करने और इस लाभ का लाभ उठाने की अपील की है।

ORR टोल प्लाजा पर क्यूआर कोड

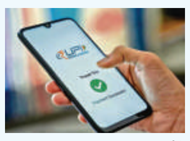

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
हैदराबाद के आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर टोल संग्रह केंद्रों पर डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करने और नकद लेनदेन पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से, बुधवार से 19 इंटरचेंज टोल प्लाजा पर क्यूआर कोड आधारित भुगतान प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह कदम वाहन चालकों के लिए यात्रा को अधिक सुगम और कैशलेस बनाने की दिशा में उठाया गया है। केंद्र सरकार के आदेशानुसार, 1 अप्रैल से सभी उपयोगकर्ताओं के लिए टोल प्लाजा बूथों पर बिना नकद भुगतान किए फोनपे, पेटीएम और गूगल पे जैसे ऐप का उपयोग

▶10 पर

ईरान ने बहरीन में अमेजन डाटा सेंटर उड़ाया

बहरीन, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
पश्चिम एशिया में जारी तनाव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। ईरान ने बहरीन की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी बटेलको के मुख्यालय पर ड्रोन और मिसाइल से हमला कर दिया है। पहली नजर में यह हमला किसी टेलीकॉम कंपनी पर लग सकता है, लेकिन इसकी इनसाइड स्टोरी बेहद चौंकाने वाली है। दरअसल, इसी बिल्डिंग से दुनिया की सबसे बड़ी क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) का पूरा सिस्टम ऑपरेट हो रहा था।

यह इतिहास में पहली बार है जब ईरान ने सीधे तौर पर किसी अमेरिकी टेक कंपनी के फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सेंटर को निशाना बनाया है। इस हमले के बाद बहरीन और उसके आस-पास के देशों में अफरा-तफरी का माहौल है। अमेजन के सर्वर डाउन होने की वजह से कई बड़े कॉर्पोरेट नेटवर्क, स्थानीय बैंकिंग सिस्टम और एयरलाइन रिजर्वेशन सिस्टम अचानक ठप पड़ गए हैं।बहरीन के गृह मंत्रालय ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया है कि देश की सिविल डिफेंस टीमें मौके पर आग बुझाने के काम में जुटी हुई हैं। हालांकि, सुरक्षा कारणों को देखते हुए सरकार ने अभी तक कंपनी के नाम, इसमें हुए नुकसान या किसी के हताहत होने का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया है।

साइबर युद्ध का नया दौर शुरू

हाल ही में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने खुलेआम चेतावनी दी थी कि वे अमेरिका और इस्राइल से जारी जंग के बीच अब अमेरिकी टेक कंपनियों को निशाना बनाएंगे। ईरान ने कहा था कि वह इस क्षेत्र में काम कर रही उन सभी कंपनियों को निशाना बना सकता है जिनके तार अमेरिका से जुड़े हैं। ईरान ने बाकायदा माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और एपल जैसी दिग्गज कंपनियों का नाम लेकर उन्हें आगाह किया था।

▶10 पर

मिडिल ईस्ट संकट पर सीसीएस की दूसरी बैठक में पीएम मोदी बोले-

जनता पर न हो जंग का असर

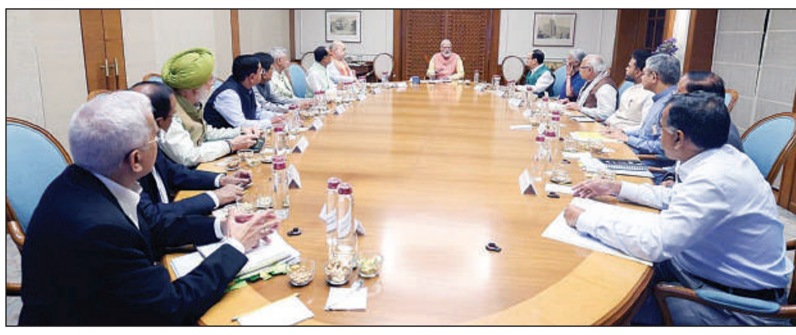

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की अध्यक्षता की। इस मुद्दे पर यह सीसीएस की दूसरी विशेष बैठक थी। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जंग का असर जनता पर न पड़े।

ईंधन और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित, घरेलू एलपीजी कीमतों में नहीं होगा बदलाव

पीआईबी के मुताबिक कैबिनेट सचिव ने बैठक में बताया कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों, खासकर एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। एलपीजी के लिए अलग-अलग देशों से आयात बढ़ाया जा रहा है और एलएनजी भी विविध स्रोतों से मंगाई जा रही है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। साथ ही, कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई जारी है।

पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शनों का विस्तार करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। गर्मियों के चरम महीनों के दौरान बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई उपाय किए गए हैं। गैस आधारित पावर प्लांट्स को गैस पूलिंग तंत्र से छूट देकर राहत दी गई है और थर्मल पावर स्टेशनों तक अधिक कोयला पहुंचाने के लिए रैक की संख्या बढ़ाई गई है, ताकि गर्मियों में बिजली की कमी न हो।

इसके अलावा बैठक में कृषि, खाद, विमानन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में संभावित चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। सरकार ने बताया कि खाद की आपूर्ति बनाए रखने के लिए यूरिया उत्पादन जारी है और डीएपी/एनपीके की सप्लाई के लिए विदेशों से तालमेल किया जा रहा है।

राज्यों को जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए निगरानी और कार्रवाई तेज करने को कहा गया है।

बैठक में बताया गया कि खाद्य वस्तुओं की कीमतें पिछले एक महीने से स्थिर बनी हुई हैं। सरकार ने कीमतों की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम बनाए हैं और राज्यों के साथ लगातार संपर्क में है। सब्जियों और फलों की कीमतों पर भी नजर रखी जा रही है।

इसके साथ ही यह भी चर्चा हुई कि सरकार ऊर्जा, उर्वरक और अन्य सप्लाई चेन के स्रोतों को वैश्विक स्तर पर विविध बनाने के प्रयास कर रही है। साथ ही, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयास और कूटनीतिक बातचीत जारी है।

प्रधानमंत्री ने आम जनता के लिए जरूरी चीजों की उपलब्धता की समीक्षा की और कहा कि खरीफ और रबी सीजन में खाद की सप्लाई सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि लोगों तक सही और भरोसेमंद जानकारी पहुंचे, ताकि अफवाहों को रोका जा सके।

बैठक में प्रधानमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि मौजूदा वैश्विक हालात के बीच आम नागरिकों और प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं को कम करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34^0
न्यूनतम : 23^0

ना यूरेनियम मिला, ना बदली सत्ता

ईरान के विध्वंसक पलटवार से अमेरिका-इजरायल अचंभित

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।
ईरान और अमेरिका-इजरायल जंग के बीच बीते 24 घंटे में जो संकेत सामने आए हैं, उसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं कि कुछ ही घंटों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्धविराम का ऐलान कर सकते हैं। यह भी माना जा रहा है कि ट्रंप 6 अप्रैल की अपनी तय डेडलाइन से पहले ही ईरान के खिलाफ हमलों को रोक सकते हैं।

इसके साथ यह सवाल गहरा हो गया है कि क्या ट्रंप ने इस जंग को लेकर यू-टर्न लेने का मन बना लिया है। जिस तरह से हालात बदले हैं, उससे यह भी माना जा रहा है कि ईरान के पलटवार ने अमेरिका को दबाव में ला दिया है। ट्रंप के हालिया बयान इस दिशा में इशारा करते हैं। उन्होंने कहा है कि यह युद्ध ज्यादा से ज्यादा 2 या 3 हफ्तों में खत्म हो जाएगा।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उन्होंने यह भी कह दिया कि होर्मुज स्ट्रेट खुले या ना खुले, अमेरिका ईरान से निकल जाएगा। इसके साथ ही सस्पेंस भी बना हुआ है। ट्रंप भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह 6.30 बजे देश को संबोधित करने वाले हैं। दुनिया की नजर उनके संबोधन पर टिकी है। व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने जानकारी दी है। उसके अनुसार ट्रंप बुधवार रात 9 बजे (अमेरिकी समय) देश को संबोधित करेंगे। माना जा रहा है कि इसमें वह बड़ा एलान कर सकते हैं।

33 दिन की इस जंग का आकलन करें, तो अमेरिका और इजरायल अपने घोषित लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाए हैं। इस युद्ध के दो बड़े मकसद थे। ईरान के 440 किलो यूरेनियम को हासिल करना और सत्ता परिवर्तन लाना। दोनों ही मोर्चों पर ट्रंप और नेतन्याहू नाकाम रहे। इसके उलट, ईरान ने हर हमले का जवाब दिया। आईआरजीसी ने मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर तगड़े हमले किए। इतना ही नहीं, होर्मुज स्ट्रेट को नियंत्रित कर वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित कर दिया। नतीजा यह हुआ कि ट्रंप की तमाम धमकियों के बावजूद ईरान अपने रुख से नहीं हटा।

इस बीच, ट्रंप ने इस्फहान में हथियारों के ठिकानों पर 907 किलो के बंकर बस्टर बम गिराए। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह हमला जंग से निकलने से पहले ताकत दिखाने की रणनीति थी। क्योंकि इससे पहले ट्रंप ने 6 अप्रैल तक का अल्टीमेटम दिया था कि यदि होर्मुज नहीं खुला तो ईरान के पावर प्लांट्स को निशाना बनाया जाएगा।

हालांकि, अब उनके सुर बदलते नजर आ रहे हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो का बयान भी इसी ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा, हम मंजिल देख सकते हैं।

▶10 पर

कंपनी सीईओ बनकर 1.20 करोड़ की ठगी जालसाज गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने केरल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने एक निजी कंपनी के सीईओ (सीईओ) का रूप धारण करके कंपनी के अकाउंटेंट से 1.20 करोड़ रुपये की ठगी की थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान केरल के कोझिकोड निवासी हर्षद के रूप में हुई है। हर्षद ने अपने दो सहयोगियों, मीथाली पुथियोटिल अनाज़ और वज़ायी वलप्पिल हिबा फातिमा के साथ मिलकर इस साजिश को अंजाम दिया। ठगों ने एक मोबाइल नंबर के व्हाट्सएप प्रोफाइल पर कंपनी के असली सीईओ की फोटो लगा दी।

▶10 पर

अमेरिका और ईरान शांति पथ पर, ट्रंप को तीन हफ्ते में युद्ध खत्म होने की उम्मीद

वाशिंगटन, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी-इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से चल रहे युद्ध की लपटों से तेल और गैस को लेकर मचे हाहाकार के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे से राहत की कुछ उम्मीद जगी है। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका की ईरान से युद्ध रोकने पर सीधी बात हो रही है। हालांकि ईरान ने ट्रंप के इस दावे से इनकार किया है। मगर कहा है कि मध्यस्थों के जरिये संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका, ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को दो या तीन सप्ताह में खत्म कर लेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान बातचीत कर रहे हैं और यह मुमकिन है कि दोनों देश उससे पहले ही किसी समझौते पर पहुंच जाएं। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए किसी औपचारिक समझौते की जरूरत नहीं है। ईरान ने इस बात से इनकार किया है कि कोई सीधी बातचीत हो रही है। लेकिन इस बात की पुष्टि की है कि देश ने मध्यस्थों के जरिए अमेरिका के साथ संदेशों का आदान-प्रदान किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि गैस की बढ़ी कीमतें कब कम होंगी ट्रंप ने कहा, मुझे बस ईरान युद्ध से बाहर निकलना है और हम बहुत जल्द ऐसा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के बाद अगर दूसरे देशों को स्ट्रेट आफ होर्मुज के रास्ते मिडिल ईस्ट से तेल या नेचुरल गैस आयात करने की जरूरत पड़ती है, तो उन्हें अपनी सुरक्षा खुद करनी होगी। होर्मुज में किसी के साथ कुछ भी होता है तो अमेरिका का उससे कोई लेना-देना नहीं होगा। रही बात चीन और फ्रांस जैसे दूसरे देशों की तो वह अपनी सुरक्षा करने में सक्षम हैं।

इस समय तेल टैंकरों ने होर्मुज से गुजरना लगभग बंद कर दिया है। पहले ट्रंप ने वहां से गुजरने वाले जहाजों को अमेरिकी सेना की सुरक्षा देने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन हाल में उन्होंने रुख बदल लिया है। अब वह कह रहे हैं कि इस जलमार्ग को फिर से खोलने की जिम्मेदारी उन देशों की होनी चाहिए जो मिडिल ईस्ट के तेल पर निर्भर हैं। यह महत्वपूर्ण है कि अमेरिका फारस की खाड़ी क्षेत्र से ज्यादा पेट्रोलियम आयात नहीं करता है और अपनी जरूरत से अधिक तेल खुद ही पैदा करता है, लेकिन होर्मुज में रुकावटों की वजह से दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। ऐसे देशों में अमेरिका भी शामिल है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत करने से पहले अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा, जाओ, अपना तेल खुद हासिल करो।

न्यूज ब्रीफ

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का आरोप - अमेरिका और इजरायल शांति की इच्छा नहीं रखते

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का आरोप है कि अमेरिका-इजरायल शांति की इच्छा नहीं रखते हैं।

उन्होंने रशियन इंटरनेशनल अफेयर्स काउंसिल की एक बैठक में दावा किया कि अमेरिका और इजरायल, ईरान और उसके पड़ोसी देशों के बीच सामान्य रिश्ते (नार्मलाइजेशन) नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका और इजरायल, ईरान और अरब देशों के बीच संबंध सामान्य होने से रोक रहे हैं, और 2010 में रूस की पहल पर किए गए सामूहिक खाड़ी सुरक्षा प्रस्ताव को कमजोर कर रहे हैं। लावरोव ने कहा कि क्षेत्र में चल रहे रेजीम चेंज (तख्तापलट) के पीछे असली मकसद तेल और गैस संसाधनों पर कब्जा हासिल करने की बेताब कोशिश है। लावरोव ने चेतावनी दी कि अगर हालात ऐसे ही बने रहे, तो यह संकट पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले सकता है और एक बड़े संघर्ष में तब्दील हो सकता है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ये भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उन्होंने कहा, ट्रंप कहते हैं कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानूनों की कोई परवाह नहीं है। बर्बर तरीके से शहर उजाड़े जा रहे हैं। अस्पतालों पर हमले हो रहे हैं। ऐसे हालात में हम और हमारे सहयोगियों के अलावा किसी को भी अंतरराष्ट्रीय कानूनों की परवाह नहीं है। इससे पहले रूसी विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गल्फ देशों के अपने समकक्षों के साथ एक वीडियो कान्फ्रेंस कर बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की और संघर्ष विराम को रूरी बताया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सहयोगी देशों को दो-टूक, तेल चाहिए तो हमसे लो वरना होर्मुज में खुद लड़ो

वाशिंगटन। ईरान जंग में बैकफुट पर जाने से गुस्साए डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों को सख्त

संदेश दिया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें अपनी सुरक्षा और जरूरतों के लिए खुद जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने सहयोगी देशों को 2 सलाह दिए। पहली सलाह यह कि जो देश स्ट्रेट आफ होर्मुज की वजह से जेट फ्यूल की कमी झेल रहे हैं, वे अमेरिका से तेल खरीद सकते हैं, क्योंकि अमेरिका के पास पर्याप्त तेल मौजूद है। ट्रंप ने खास तौर पर ब्रिटेन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन अब उसे जेट फ्यूल की कमी का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी सलाह में कहा कि ये देश हिम्मत दिखाएं और जरूरत पड़े तो स्ट्रेट आफ होर्मुज पर जाकर खुद कंट्रोल हासिल करें। ट्रंप ने कहा , आपको खुद लडना सीखना होगा, अमेरिका हमेशा आपके साथ नहीं रहेगा। ट्रंप के बयान का मतलब यह है कि चाहे सुरक्षा का मामला हो या तेल की आपूर्ति, अब सहयोगी देशों को खुद आगे आना होगा। ट्रंप का इशारा साफ था कि जो देश पहले अमेरिका के साथ नहीं खड़े हुए, उनसे अब अमेरिका भी दूरी बना सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान को काफी हद तक कमजोर कर दिया गया है और जंग का सबसे मुश्किल हिस्सा पूरा हो चुका है।

लेबनान में क्या कर रहे 642 भारतीय सैनिक, इजरायली हमले से बढ़ा खतरा

बेरुत। लेबनान में बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन यूएनआईएफआईएल में तैनात सैनिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हाल ही में दक्षिणी लेबनान में दो अलग-अलग घटनाओं में तीन इंडोनेशियाई शांति सैनिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। इन घटनाओं के पीछे इजरायली हमलों का आरोप लगाया गया है, हालांकि इजरायल ने इन आरोपों से इंकार किया है। स्थिति इसलिए भी गंभीर हैं, क्योंकि क्षेत्र में हिजबुल्ला और इजरायल के बीच संघर्ष तेज हो गया है। इजरायली सेना हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बना रही है, जिससे पूरे दक्षिणी लेबनान में अस्थिरता बढ़ गई है। इसी बीच शांति सैनिक भी इस संघर्ष की चपेट में आ रहे हैं, जबकि उनका काम युद्ध रोकना और शांति बनाए रखना है। संयुक्त राष्ट्र मिशन के अनुसार, एक घटना में शांति सैनिकों की गाड़ी बानी हयान के पास एक विस्फोट में नष्ट हो गई, जिसमें दो सैनिकों की मौत हो गई और अन्य घायल हुए। दूसरी घटना अदचित अल-कुसैर क्षेत्र में हुई, जहां एक गोला यूएनआईएफआईएल ठिकाने के पास फटा और एक सैनिक की जान चली गई। इन घटनाओं की अलग-अलग जांच की जा रही है।

इजराइल में फिलिस्तीनी अपराधियों को 90 दिन में फांसी संसद में बिल पास... अपील करने का अधिकार खत्म

तेल अवीव, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

इजराइल की संसद (नैसेट) ने फिलिस्तीनी अपराधियों को सजा देने वाला बिल पास कर दिया है। इसके तहत वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनियों को इजराइली नागरिकों की हत्या करने या आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने पर सीधे मौत की सजा दी जा सकेगी। इसमें अपील का भी कोई अधिकार नहीं होगा। सजा सुनाए जाने के 90 दिनों के अंदर फांसी दी जाएगी। यह कानून राष्ट्रवादी या आतंकवादी इरादे से की गई हत्याओं पर लागू होगा। हालांकि, अदालत को विशेष कारणों के तहत उम्रकैद की सजा देने का भी अधिकार होगा।

यह बिल राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इत्तमार बेन ग्विर ने आगे बढ़ाया था। बिल पास होने के बाद बेन ग्विर और दूसरे सांसदों ने संसद में ही शैंपेन की बोतल खोलकर जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि आज इजराइल खेल के नियम बदल रहा है, जो यहूदियों की हत्या करेगा, वह सांस नहीं ले सकेगा। बेन ग्विर ने पहले धमकी दी थी कि अगर बिल पर वोट नहीं कराया गया तो उनकी पार्टी सरकार से समर्थन वापस ले लेगी।

फिलिस्तीनियों और इजराइली यहूदियों के लिए अलग कानून - इस बिल की मांग इजराइल के चरमपंथी दक्षिणपंथी गुट लंबे समय से करते आ रहे थे। वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों पर मिलिट्री कानून लागू होता है। इस बिल के जरिए मिलिट्री कोर्ट के नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब जज बिना सर्वसम्मति के भी मौत की सजा सुना सकेंगे। दूसरी ओर, इजराइली यहूदी बस्ती निवासी जो वेस्ट बैंक में रहते हैं, उनपर इजराइली सिविलियन कानून लागू होता है। इसका मतलब है कि उनका मुकदमा सामान्य इजराइली नागरिक अदालतों में चलता है। इसका नतीजा यह है कि एक ही इलाके में दो लोग एक ही तरह का अपराध करें, तो उन्हें अलग-अलग सजा दी जाएगी। इससे फिलिस्तीनियों के लिए मौत की सजा की आशंका बढ़ जाएगी।

इजराइली संगठनों ने बिल को भेदभाव वाला बताया - मानवाधिकार संगठनों ने इसे नस्लीय भेदभावपूर्ण और बदला लेने वाली नीति बताया है। इस बिल का विरोध करते हुए इजराइल के मानवाधिकार और नागरिक समाज संगठनों ने कहा कि यह कानून फिलिस्तीनियों के खिलाफ नस्लीय हिंसा को बढ़ावा देंगे। संगठनों ने इसे फिलिस्तीनियों को निशाना बनाने वाला और इजराइलियों को छूट देने वाला बताया। विपक्षी नेता यायर लापिद ने बिल की आलोचना करते हुए इसे हमास के सामने समर्पण बताया। उन्होंने कहा, हम हमास जैसे नहीं हैं, हम हमास के बिल्कुल उलट हैं।

बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर - बिल पास होने के तुरंत बाद इस बिल के खिलाफ इजराइल के सिविल राइट्स संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। साथ ही इसे असंवैधानिक बताते हुए खारिज करने की मांग की है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले इस बिल का विरोध किया था, लेकिन गाजा सीजफायर लागू होने के बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया और अंतिम वोट में इसका समर्थन किया।

इजराइल में अब तक सिर्फ दो बार ही मौत की सजा दी गई - इजराइल के पूरे इतिहास में केवल दो बार ही मौत की सजा दी गई। पहला मामला 1948 के अरब-इजराइली युद्ध के दौरान का है। इजराइली सेना के कैप्टन मेयर टोबियान्स्की को जासूसी के आरोप में एक सैन्य अदालत में दोषी ठहराया गया और उसी दिन फायरिंग स्क्वाड से गोली मारकर सजा दी गई। बाद में जांच में पता चला कि वे निर्दोष थे। 1950 के दशक में उन्हें मरणोपरांत बरी कर दिया गया और पूरे सैन्य सम्मान के साथ फिर से दफनाया गया। दूसरा मामला 1962 का है, जब होलोकास्ट के प्रमुख वास्तुकार एडोल्फ आइचमैन को फांसी दी गई। 1960 में आइचमैन को इजराइली खुफिया एजेंटों ने अर्जेंटीना से पकड़ा था। यरुशलम में लंबे सार्वजनिक मुकदमे के बाद उन्हें नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी पाया गया। इजराइल की सर्वोच्च अदालत ने अपील खारिज कर दी और 31 मई 1962 की रात को उन्हें यरुशलम की जेल में फांसी दी गई। इसके बाद इजराइल में मौत की सजा लगभग पूरी तरह से बंद रही।

जर्मनी, फ्रांस, इटली और ब्रिटेन ने बिल पर चिंता जताई - इस बिल को लेकर जर्मनी, फ्रांस, इटली और ब्रिटेन ने भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि यह कानून इजराइल के लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र पहले ही वेस्ट बैंक के सैन्य अदालतों की आलोचना कर चुका है। उन्होंने कहा कि यह फिलिस्तीनियों के लिए सही जांच प्रक्रिया और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकारों का उल्लंघन है। यह कानून 7 अक्टूबर 2023 के हमास हमले में शामिल आतंकियों पर लागू नहीं होगा, इसके लिए सरकार एक अलग ट्रिब्यूनल बनाने का प्रस्ताव कर रही है।

बांग्लादेश में संवैधानिक सुधारों पर सरकार और विपक्ष में विश्वास का संकट

ढाका, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में संवैधानिक सुधारों पर बहस तेज हो गई। इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच विश्वास का संकट खड़ा हो गया है। जातीय संसद में विपक्ष के नेता और बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने कहा है कि संवैधानिक सुधारों पर संसदीय चर्चा के दौरान कानून मंत्री ने उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया। उन्होंने यह बात मंगलवार देररात एक ब्रीफिंग के दौरान कही। यह ब्रीफिंग जुलाई राष्ट्रीय चार्टर कार्यान्वयन आदेश के तहत संविधान सुधार परिषद बुलाने के प्रस्ताव पर हुई बहस के बाद हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, बातचीत के दौरान सत्ताधारी दल ने एक समिति बनाने का प्रस्ताव रखा। हमने कहा कि हम यहां संकट को सुलझाने आए हैं, न कि कोई नया संकट खड़ा करने। इसलिए, हम समाधान चाहते हैं। लेकिन अब यह मामला कुछ हद तक पेचीदा हो गया है। इस प्रस्ताव के संबंध में, हमने कहा कि यह नोटिस सुधार परिषद को बुलाने और उसकी बैठक से संबंधित है। यदि इस मामले को लेकर सुधार से जुड़ी कोई समिति बनाई जाती है, तो हम उसे सकारात्मक रूप से स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। विपक्ष के नेता ने आगे कहा, हालांकि, शर्त यह है कि समिति में दोनों पक्षों का समान प्रतिनिधित्व होना चाहिए। यदि सदस्यों की नियुक्ति समानता के बजाय आनुपातिक अनुपात के आधार पर की जाती है, तो किसी सकारात्मक परिणाम की संभावना बहुत कम है। शफीकुर ने कहा, जब हमने प्रस्ताव पर लचीले ढंग से विचार किया, तो कानून मंत्री ने एक भाषण दिया और मेरे बयान को गलत तरीके से पेश करते हुए कहा कि हमने संवैधानिक संशोधन के उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। असल में, हमने संवैधानिक संशोधन के किसी भी प्रस्ताव पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। हमने साफ तौर पर कहा था कि यह मामला संवैधानिक सुधार से जुड़ा है। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि कोई गलतफहमी नहीं होगी। मेरा बयान स्पष्ट था, उसमें कोई अस्पष्टता नहीं थी। उन्होंने कहा, बाद में, जब हम इस मामले पर स्पष्टीकरण देना चाहते थे, तब तक संसदीय सत्र समाप्त हो चुका था। स्पीकर ने घोषणा कर दी कि चर्चा समाप्त हो गई है। जब मैंने कहा कि हमें एक बयान देना है और बोलने का अवसर मांगा, तो उन्होंने जवाब दिया कि हमें कल मौका दिया जाएगा। इस प्रकार, यह मामला फिलहाल के लिए टल गया है। अगर हमें कल फिर से बोलने का अवसर मिलता है, तो हम आपको सूचित करेंगे।

पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट ट्रम्प के नाम पर

फ्लोरिडा । अमेरिका के फ्लोरिडा में पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर राष्ट्रपति ट्रम्प के नाम पर रखने का फैसला लिया गया है। गवर्नर रान डेसैंटिस ने बिल साइन किया। मंजूरी मिलने पर यह बदलाव 1 जुलाई से लागू हो सकता है। फ्लोरिडा सरकार के फैसले के बाद अब इस नाम को लागू करने के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन को औपचारिक प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके बाद फ्लाइट चार्ट, नेविगेशन सिस्टम और एयरपोर्ट साइनेज में बदलाव किया जाएगा। ट्रम्प के फैमिली बिजनेस ने फरवरी में ही इस नए नाम के लिए ट्रेडमार्क आवेदन किया था। इससे साफ है कि नाम बदलने की तैयारी पहले से चल रही थी। अमेरिकी सांसद ब्रायन मस्ट ने एयरपोर्ट का तीन अक्षरों वाला कोड पीबीआई से बदलकर डीजेटी करने का प्रस्ताव भी रखा है, जो ट्रम्प के नाम के शुरुआती अक्षर हैं।

मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हो रही जंग के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पूरी दूनिया को चेताया

वाशिंगटन, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को अब लगभग एक महीना हो गया है। इस दौरान, कई देशों में महंगाई तेजी से बढ़ी है। ज्यादातर देशों में गैस और तेल की सप्लाई को लेकर भारी उथल-पुथल मची हुई है। इस संघर्ष की वजह से, छोटे देशों की तो बात ही छोड़िए, बड़े-बड़े देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी हिल गई हैं। इन सबके बीच, इंटरनेशनल मानेटरी फंड (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) ने अब एक बड़ी चेतावनी जारी की है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डाल रहा है। आने वाले समय में यह असर और भी गहरा हो सकता है। यह संघर्ष उन कई अर्थव्यवस्थाओं की स्थिरता को खतरे में डाल सकता है, जो अभी-अभी पिछले संकटों से उबरना शुरू ही हुई थीं।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अर्थशास्त्रियों टोबियास एड्रियन और जिहाद अजौर द्वारा जारी एक विस्तृत विश्लेषण में कहा है कि यह संघर्ष पहले ही वैश्विक आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित कर रहा है। ऊर्जा, खाद्य और वित्तीय बाजारों के माध्यम से इसका असर तेजी से फैल रहा है। इस संकट का सबसे बड़ा असर ऊर्जा

बाजार पर देखा जा रहा है। खास तौर पर, होर्मूज स्टेट को लेकर बनी अनिश्चितता ने वैश्विक सप्लाई चेन को खतरे में डाल दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि होर्मूज दुनिया की लगभग 25 से 30 प्रतिशत तेल सप्लाई और लगभग 20 प्रतिशत लिक्विफाइड नेचुरल गैस के लिए एक अहम रास्ता है। इसके बंद होने के खतरे से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, और ब्रेंट क्रूड 115 डालर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है। विकासशील और गरीब देशों पर सबसे ज्यादा मार पड़ेगी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का कहना है कि इस संकट का असर सभी देशों पर एक जैसा नहीं पड़ेगा। विकासशील और गरीब देश, जो ऊर्जा आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं, उन पर इसका सबसे बुरा असर पडने की आशंका है। खास तौर पर, एशिया और अफ्रीका के जिन देशों के पास वित्तीय संसाधन सीमित हैं, उन्हें ईंधन की बढ़ती कीमतों और सप्लाई में रुकावटों की वजह से गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके विपरीत, तेल और गैस का निर्यात करने वाले देशों को इस स्थिति से कुछ हद तक फायदा हो सकता है। ऊर्जा संकट के दुष्परिणाम अब खाद्य क्षेत्र में भी दिखाई देने लगे हैं; ईंधन की बढ़ती कीमतों और खाड़ी देशों से उर्वरकों की सप्लाई में रुकावटों की वजह से कृषि उत्पादन की लागत बढ़ रही है। इसका असर भविष्य में फसलों के उत्पादन पर पड़ सकता है और इससे खाद्य महंगाई बढ़ सकती है। बढ़ती खाद्य कीमतें भी एक बड़ा संकट अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति उन देशों के लिए विशेष रूप से गंभीर हो सकती है, जहां लोगों की आय का एक बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होता है। वास्तव में, कम आय वाले देशों में, परिवार अपने बजट का लगभग 36 प्रतिशत भोजन की चीजों पर खर्च करते हैं, जबकि विकसित देशों में यह आँकड़ा लगभग 9 प्रतिशत है। नतीजतन, भोजन की कीमतों में वृद्धि इन देशों में सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता पैदा कर सकती है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा कि यदि स्थिति बिगड़ती है, तो कई देशों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है।

बांग्लादेश के गृहमंत्री ने कहा-जुलाई 2025 का राष्ट्रीय चार्टर कार्यान्वयन आदेश अंतहीन छल

ढाका, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के गृहमंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने जुलाई 2025 राष्ट्रीय चार्टर (संवैधानिक सुधार) कार्यान्वयन आदेश, 2025 की कड़ी आलोचना करते हुए इसे छल का अंतहीन दस्तावेज और राष्ट्रीय धोखाधड़ी करार दिया। विपक्ष के नेता की शुरू की गई चर्चा का जवाब देते हुए गृहमंत्री ने मंगलवार देररात संसद में जोर देकर कहा कि इस आदेश की कोई कानूनी वैधता नहीं है। यह शुरू से ही अवैध है। उन्होंने अंतरिम सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि दस्तावेज पेश करने से पहले उसने विभिन्न राजनीतिक दलों के विरोध के नोट को शामिल नहीं किया। उन्होंने कहा, राजनीतिक दलों की असहमति वाली राय को बाहर रखना राष्ट्रीय धोखा के बराबर है। सलाहुद्दीन अहमद ने हालिया राष्ट्रपति के आदेश पर कानूनी आपत्तियां उठाते हुए तर्क दिया कि ऐसे निर्देश जारी करने का अधिकार 7 अप्रैल, 1973 के बाद समाप्त हो गया था। उन्होंने सवाल किया, 7 अप्रैल, 1973 के बाद, राष्ट्रपति के पास ऐसा आदेश जारी करने की शक्ति नहीं रही थी। तो फिर यह आदेश कैसे जारी किया गया उन्होंने कहा कि जो आदेश अपनी शुरुआत से ही अमान्य हो, वह कानूनी भाषा में शुरू से ही शून्य कहलाता है और इसलिए उसे न तो अध्यादेश माना जा सकता है और न ही कानून। गृहमंत्री ने जनमत संग्रह के मतपत्र की संरचना की आलोचना करते हुए कहा कि मतदाताओं को चार अलग-अलग सवालों का जवाब केवल हां या नहीं में देने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने तर्क दिया कि जनता पर किसी भी कानून को इस तरह से थोपा नहीं जाना चाहिए। अंतरिम प्रशासन की भूमिका का

जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक कार्यवाहक सरकार के पास मौलिक राष्ट्रीय मुद्दों पर निर्णय लेने का अधिकार क्षेत्र नहीं होता है। गृहमंत्री ने संवैधानिक सुधार परिषद के सदस्यों के शपथ ग्रहण के संबंध में चुनाव आयोग की भी आलोचना की, और कहा कि अस्तित्वहीन निकाय के सदस्यों को शपथ दिलाने के लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने संसद को शपथ पत्र भेजकर अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया, और इस तरह संविधान को बनाए रखने की अपनी ही संवैधानिक शपथ का भी उल्लंघन किया। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के रुख को स्पष्ट करते हुए सलाहुद्दीन अहमद ने कहा, पूरे देश में यह भ्रम फैलाने की जानबूझकर कोशिश की जा रही है कि बीएनपी सुधार नहीं चाहती या जुलाई राष्ट्रीय चार्टर का समर्थन नहीं करती। हालांकि, हम ऐतिहासिक रूप से हस्ताक्षरित जुलाई राष्ट्रीय चार्टर के हर अक्षर, शब्द और वाक्य का पूरी तरह से पालन करते हैं। हम राजनीतिक आम सहमति पर आधारित सुधार चाहते हैं, न कि किसी अवैध आदेश पर। उन्होंने यह भी दावा किया कि देश की जनता ने 51 प्रतिशत वोटों के साथ बीएनपी को अपना जनादेश दिया है। गृहमंत्री ने राज्य की संरचना में सुधार का प्रस्ताव पेश करते हुए कहा, मैं सदन के नेता (प्रधानमंत्री) की ओर से एक प्रस्ताव पेश कर रहा हूं, जिसमें संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों, साथ ही स्वतंत्र सदस्यों को शामिल करके एक विशेष संसदीय समिति के गठन का प्रस्ताव है। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि समिति व्यापक रूप से स्वीकार्य संवैधानिक संशोधन विधेयक का मसौदा तैयार करने के लिए संवाद और आम सहमति के माध्यम से कार्य करेगी, और इसे संसद के समक्ष अंगीकरण हेतु प्रस्तुत करेगी। इस मामले में विपक्ष ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। सरकार और विपक्ष के बीच विश्वास का संकट खड़ा हो गया है। विपक्ष के नेता और बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान ने कहा है कि संवैधानिक सुधारों पर संसदीय चर्चा के दौरान कानून मंत्री ने उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया।

मोदी ने असम में राजग की हैट्रिक का किया दावा, कांग्रेस पर बोला हमला

गोगामुख/डिब्रूगढ़, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को असम के गोगामुख में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार की हैट्रिक (लगातार तीसरी जीत) का दावा करते हुये कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

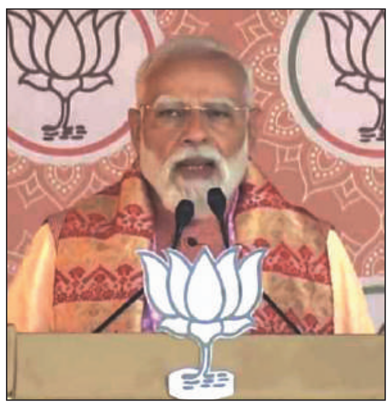

प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि कांग्रेस ने अपने लंबे शासनकाल में ब्रह्मपुत्र नदी के दोनों किनारों को जोड़ने के लिए केवल तीन पुल बनाए, जबकि भारतीय जनता पार्टी-राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (भाजपा-राजग) की डबल इंजन की सरकार ने पिछले 11 वर्षों में पांच नए पुलों का निर्माण कर लोगों की समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि बोगीबील पुल और भूपेन हजारिका सेतु जैसी परियोजना ने असम के लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है।

श्री मोदी ने कहा कि पहले सर्वानंद सोनोवाल और अब हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम की जनता ने पिछले 10 वर्षों में सेवा और सुशासन का नया दौर देखा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चुनाव विकसित असम से विकसित भारत बनाने का चुनाव है। श्री मोदी ने जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ को भाजपा-राजग की जीत का संकेत बताते हुए कहा कि इस बार राज्य में हैट्रिक तय है, जबकि कांग्रेस को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी हार का शतक बनाने की ओर बढ़ रही है।

असम चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद पहली जनसभा का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार सेवा करने का अवसर मिला है और अब असम में भी भाजपा सरकार तीसरी बार बनने जा रही है।

श्री मोदी ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा, आज असम की जनता के सामने मैं कांग्रेस की एक चाल का पर्दाफाश करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि 2014 के चुनाव से पहले कांग्रेस की केंद्र सरकार ने एक सांप्रदायिक हिंसा (कम्यूनल वायलेंस) कानून बनाने का प्रयास किया था।

इसका मकसद था अपने पक्के वोटबैंक का तुष्टिकरण करना। इस विधेयक में बहुसंख्यकों को दंगे के लिए जिम्मेदार माना गया था और धार्मिक अल्पसंख्यकों को पीड़ित मान लिया गया था। यह विधेयक अपने आप में सांप्रदायिक था, इसलिए भाजपा-राजग ने संसद में यह कानून नहीं बनने दिया।

श्री मोदी ने कहा कि अब 12 साल बाद कांग्रेस... यहां असम में भी उसी तरह का कानून बनाने की घोषणा कर रही है। उन्होंने कहा कि यह कोई मेरा आरोप नहीं है... बल्कि खुद कांग्रेस के नेता खुलेआम यह घोषणाएं कर रहे हैं। इससे यह एकदम साफ हो जाता है कि कांग्रेस अब सत्ता पाने के लिए कुछ भी कर सकती है।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुये कहा कि कांग्रेस असम में विदेशियों को बसाना चाहती है और यहां की मूल लोगों को अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा-राजग सरकार... किसानों, आदिवासियों और हमारे जंगल की जमीन को घुसपैठियों के कब्जे में नहीं रहने देगी। उन्होंने कहा कि अवैध कब्ज़े के खिलाफ भाजपा-राजग सरकार की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा, असमिया शान और पहचान बनी रहेगी... यह मोदी की गारंटी है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने डिब्रूगढ़ दौरे के दौरान एक चाय बागान का भी दौरा किया और वहां काम कर रही महिलाओं से बातचीत की। उन्होंने कहा कि असम की चाय यहां की आत्मा है, जिसने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने चाय बागान के श्रमिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके परिश्रम और समर्पण ने असम का गौरव बढ़ाया है।

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक विपक्ष के वाकआउट के बीच राज्यसभा से ध्वनिमत से पारित

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा ने विपक्षी सदस्यों के वाकआउट के बीच केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (समान्य प्रशासन) विधेयक 2026 को बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

विपक्ष के सदस्यों ने विधेयक में संशोधन के प्रस्ताव दिये थे लेकिन सदस्यों के सदन में मौजूद नहीं रहने के कारण इन्हें पेश नहीं किया गया। विपक्षी सदस्य विधेयक को प्रवर समिति में भेजने की मांग कर रहे थे जिसे नहीं माने जाने पर उन्होंने सदन से वाक आउट किया।

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक पर करीब आठ घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह विधेयक देश की सुरक्षा व्यवस्था को और सुरक्षित तथा सुदृढ बनाने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि यह अधिकारियों की सेवा शर्तों में उत्पन्न प्रशासनिक और कैडर प्रबंधन से जुड़ी हुई चुनौतियों के समाधान की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है।

इससे पहले विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने श्री राय के जवाब को आधा अधूरा बताते हुए कहा कि इसमें विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाये गये मुद्दों का जवाब नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को विस्तृत चर्चा के लिए प्रवर समिति में भेजा जाना चाहिए। उनकी मांग नहीं माने जाने पर विपक्षी सदस्य सदन से बहिगर्मन कर गये।इसके बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा नड्डा ने विपक्ष के इस आचारण की निंदा करते हुए कहा कि श्री खरगे काफी अनुभवी सदस्य हैं और बहस में हिस्सा लेने और स्पष्टीकरण में अंतर का पता है लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने पद का दुरूपयोग किया और मंत्री के जवाब के बाद वक्तव्य देने लेगे। उन्होंने कहा कि यह संसदीय परंपराओं के विरूद्ध है। भाजपा नेता ने कहा कि विपक्ष को बहस में रूचि नहीं है और न ही लोकतंत्र की प्रकियाओं का वह सम्मान करता है।

श्री राय ने कहा कि यह विधेयक केवल एक विधायी प्रस्ताव के रूप में नहीं बल्कि देश की सुरक्षा व्यवस्था को और सुरक्षित तथा सुदृढ बनाने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि विधेयक के प्रावधानों के लागू जाने से इन बलों की कार्यकुशलता और मनोबल दोनों बढेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों का पिछले समय में दायरा निरंतर बढता गया है जिससे इनके अलग अलग नियम और प्रशासनिक ढांचे विकसित हुए और बहुत सी चीजों में अस्पष्टता देखने को मिली । इससे पुलिस बलों के संचालन में कई असुविधाएं भी दिखाई पड़ी।

मंत्री ने कहा कि यह विधेयक इन सभी बलों के संचालन को एक सुव्यवस्थित तरीके से चलाने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि अलग नियमों के कारण कुछ प्रशासनिक विपषमताएं आ गयी थी । केन्द्रीय पुलिस बलों में समन्वित और बेहतर निर्णय तथा कार्यकुशलता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर शीर्ष अधिकारियों की तैनाती की व्यवस्था विकसित हुई है जिनमें भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी भी शामिल हैं।

विधेयक में बल के अधिकारियों की सेवा शर्तों , पदोन्नति और कार्य प्रणाली को एकसमान रूप देने के प्रावधान किये गये हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ग्रुप ए के अधिकारियों की भर्ती और उनकी पदोन्नति के लिए भी इसमें व्यवस्था की गयी है और नियमों को स्पष्ट किया गया है तथा विसंगतियों को दूर किया गया है। उन्होंने कहा कि विधेयक के माध्यम से अधिकारियों के वित्तीय लाभों में कोई अंतर नहीं किया गया है और उनके वित्तीय लाभ बरकरार रखे गये हैं। विधेयक के माध्यम से कैडर प्रबंधन को भी सुव्यवस्थित रूप दिया गया है।

उन्होंने विपक्ष की इन आशंकाओं को खारिज कर दिया कि यह संघीय ढांचे के विरूद्ध है और कहा कि इसके विपरीत से संघीय व्यवस्था और अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों तथा पुलिस बलों में कार्य का अनुभव रखने वाले अधिकारियों की इन बलों में तैनाती से यह अवधारणा और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष की यह आशंका भी निराधार है कि इससे पदोन्नति के अवसर प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि अभी भी अधिकारियों को चार पदोन्नति मिलती है और कुछ को पांचवीं पदोन्नति का भी अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि न्यायालय में मामलों के लंबित होने से ही पदोन्नति में विलंब होता है।

आंध्र प्रदेश पुनर्गठन विधेयक लोकसभा में ध्वनिमत से पारित

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा ने अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने वाले आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2026 को बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इस पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि विधेयक पर करीब दो घंटे चर्चा चली जिसमें 13 से ज्यादा सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव इसमें रखे हैं और लगभग सभी सदस्यों ने इस विधेयक का समर्थन किया है।

उन्होंने बताया कि अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने को लेकर आंध्र प्रदेश विधानसभा ने जो प्रस्ताव केंद्र को भेजा था उस प्रस्ताव में अमरावती को राज्य की राजधानी बनाने के लिए नामित कर अमरावती को राज्य की राजधानी बनाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने 2015 में इसके लिए अधिसूचना जारी करते हुए कहा था कि अमरावती राज्य की राजधानी होगी। इस संबंध में गत 28 मार्च को एक प्रस्ताव केंद्र सरकार ने पारित किया जिसमें अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में वैधानिक दर्जा देने के लिए यह पुनर्गठन संशोधन विधेयक लाया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विधेयक में प्रावधान है कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती होगी। आंध्र प्रदेश विधानसभा के संकल्प को प्रभावी बनाने और प्रदेश की राजधानी अमरावती को वैधानिक रूप देने के लिए कुछ संशोधनों के साथ यह विधेयक लाया गया है। इस विधेयक के पारित होने से अमरावती आंध्र प्रदेश की वैधानिक राजधानी होगी।

जन विश्वास विधेयक भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को बढावा देगा : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने लोकसभा में आज जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक 2026 को भ्रष्टाचार और अक्षमता को बढावा देने वाला करार देते हुए कहा कि यह किसानों, कामगारों और शिल्पकारों का विरोधी है।

कांग्रेस के चमाला किरण कुमार रेड्डी ने विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि यह विधेयक भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और अक्षमता को बढावा देने वाला है जो सुधार के नाम पर लाया गया है लेकिन यह उसके विपरीत काम करेगा। सरकार कई कानूनों में दंड के प्रावधान को खत्म करने के लिए इसे लेकर आयी है जो बहुत बड़ी समस्या बन सकता है। हमारे यहां महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कठोर कानून का प्रावधान है लेकिन इससे महिला सुरक्षा कमजोर होगी। उन्होंने कहा कि इससे फर्जी दवा बनाने वालों को संरक्षण प्राप्त होगा। फर्जी दवा बनाने का बड़ा रैकेट चल रहा है और इस विधेयक से इस तरह की गतिविधियों को बढावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसान, कामगार और शिल्पकार देश की रीढ़ है। ये लोग पहले से ही दबाव में काम कर रहे हैं और इस विधेयक से ये वर्ग और दबाव में आ जाएंगे। सरकार ने किसानों के हितों को अनदेखा करते हुए उनके अधिकारों को छीनने का काम किया है।

भाजपा के तेजस्वी सूर्या ने कहा कि बड़े पैमाने पर निरअपराधीकरण करने की प्रक्रिया आजाद भारत में पहली बार की जा रही है। इस विधेयक के माध्यम से एक हजार से अधिक छोटे छोटे अपराधों का निरअपराधीकरण कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि छोटे छोटे कानूनों में प्रक्रियागत विसंगतियां थी उसे खत्म कर सरकार ने बड़ा काम किया है। इससे सरकार ने अविश्वास से विश्वास की तरफ कदम बढाया है। इससे व्यापार में सुगमता आयेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस विधेयक को भ्रष्टाचार को बढावा देने वाला बताया जो सच नहीं है।

समाजवादी पार्टी के हरेन्द्र मलिक ने कहा कि सरकार का विश्वास जनता पर बना रहे है यह सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार अपराधों से सजा हटाकर जुर्माने तक सीमित कर रही है जिससे लोगों में कानून का भय खत्म किया जा रहा है। महत्वपूर्ण कानूनों का डर खत्म करने से हमारी सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होगा। इस विधेयक से अपराधियों के हौंसले बढेंगे जिससे अपराध बढेग़ा। उन्होंने कहा कि बार बार नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो पायेगी। सरकार इसे बड़ा सुधार बता रही है जबकि यह उपरी बदलाव है और इससे कमजोर तबकों का उत्पीड़न बढेग़ा।

तेलुगू देशम पार्टी के श्रीभरत मुतुकुमिल्ली ने कहा कि छोटे छोटे अपराधों में जिस प्रकार की सजा का प्रावधान था उसमें कारावास की सजा को हटा दिया गया है यह सरकार का सराहनीय कदम है। पहले दवाईयों की पैकेजिंग में गलतियां होती थी उसमें एक साल की सजा का प्रावधान था जिसे जुर्माने में तब्दील किया गया है।

जनता दल यूनाटेड के देवेशचंद्र ठाकुर ने कहा कि यह विधेयक भारत की शासन व्यवस्था को भय आधारित से विश्वास आधारित बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के शासन तंत्र को शक और संदेह की बेड़ियों से मुक्त कर भरोसे के जरिये विकास की धुरी को स्थापित किया है। पूर्ववर्ती सरकार में लोग इंस्पेक्टर राज में जी रहे थे लेकिन हमारी सरकार ने अब तक पंद्रह सौ से अधिक कानूनों को खत्म कर शासन को सुगम बनाया है। इस विधेयक में साधारण गलतियों पर जेल नहीं बल्कि जुर्माने का प्रावधान किया गया है जो समय की मांग थी।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर दिल्ली में 195 रुपये महंगा

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति संबंधी बाधाओं के बीच तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार से 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी-भरकम बढ़ोतरी की घोषणा की है।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पहली अप्रैल से 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 2,078.50 रुपये का मिलेगा। इसकी कीमत गत 07 मार्च को बढ़ाकर 1,883 रुपये की गयी थी। इस प्रकार अब यह 195.50 रुपये यानी 10.38 प्रतिशत महंगा हो गया है।

इस साल एक जनवरी से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में यह पांचवीं बढ़ोतरी है। इस दौरान दिल्ली में यह 498 रुपये महंगा हो चुका है। घरेलू इस्तेमाल वाले 14 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें 07 मार्च को 60 रुपये की वृद्धि की गयी थी और फिलहाल दिल्ली में इसकी कीमत 913 रुपये प्रति सिलेंडर है। कोलकाता में पहली अप्रैल से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 218 रुपये (10.95 प्रतिशत) महंगा होकर 2,208 रुपये का और मुंबई में 196 रुपये (10.68 प्रतिशत) की बढ़ोतरी के साथ 2,031 रुपये का हो गया है। चेन्नई में इसकी कीमत 203 रुपये (9.93 प्रतिशत) बढ़कर अब 2,246.50 रुपये प्रति सिलेंडर पर पहुंच गयी है।

अर्जेंटीना ने ईरान के आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित किया

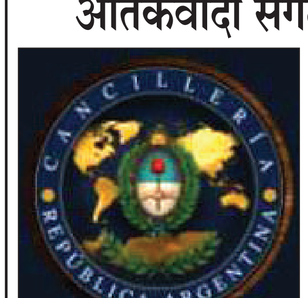

ब्यूनस आयर्स, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। अर्जेंटीना ने ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को एक आतंकवादी संगठन घोषित किया है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति कार्यालय ने यह जानकारी दी।राष्ट्रपति कार्यालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, राष्ट्रीय सरकार ने आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। बयान में यह याद दिलाया गया कि देश ने 1990 के दशक में दो आतंकवादी हमलों का सामना किया था। पहला हमला इजरायली दूतावास पर और दूसरा ब्यूनस आयर्स में एक यहूदी सांस्कृतिक केंद्र पर हुआ था।

भोजशाला विवाद: एएसआई सर्वे की वीडियोग्राफी और आपत्तियों पर हाईकोर्ट ही करेगा विचार: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश के धार के ऐतिहासिक भोजशाला-कमल मौला मस्जिद परिसर मामले में बुधवार को स्पष्ट किया कि वह मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की कार्यवाही में इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं करेगा और उसे भरोसा है कि वह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे के दौरान दर्ज की गई मुस्लिम पक्ष की उन आपत्तियों पर पूरी गंभीरता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के तहत विचार करेगा, जो सर्वे की वीडियोग्राफी में दर्ज हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पांचोली की खंडपीठ ने मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई की। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हमें इस बात पर संदेह करने का कोई कारण नहीं दिखता कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय मस्जिद प्रबंधन की उन आपत्तियों पर विचार नहीं करेगा, जो एएसआई सर्वे की वीडियोग्राफी में दर्ज हैं।

सरकार का कदम एफसीआरए मामले में दबाव में पीछे हटा : संदोष कुमार

नयी दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्यसभा सांसद पी संदोष कुमार ने केंद्र सरकार द्वारा विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में प्रस्तावित संशोधनों पर पीछे हटने को दबाव में लिया गया अस्थायी फैसला बताया है।उन्होंने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि यह सरकार के रुख में बदलाव नहीं, बल्कि वाम दलों, केरल के सांसदों और जनता के लोकतांत्रिक विरोध का परिणाम है। श्री कुमार ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित संशोधन अलोकतांत्रिक थे, जिनका उद्देश्य केंद्र सरकार को संस्थाओं, संपत्तियों और गतिविधियों पर व्यापक नियंत्रण देना था। उन्होंने कहा कि इससे खासकर अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित संगठनों की स्वायत्तता प्रभावित होती है।

कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए सुरक्षा सबसे जरूरी : उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि जहां उनकी सरकार ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। वहीं, कश्मीरी पंडितों की अपने मूल स्थानों पर वापसी के लिए सुरक्षा सबसे जरूरी है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा को बताया कि जहां सरकार उनके धार्मिक स्थलों की बहाली को प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है, वहीं विस्थापित कश्मीरी पंडितों की अपने मूल स्थानों पर वापसी की कुंजी सुरक्षा के माहौल पर निर्भर करती है। उमर अब्दुल्ला सदन के एक सदस्य के सवाल पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों का विस्थापन एक ऐसी सच्चाई है जिसे न तो सरकार और न ही कोई और नकारता है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने उनकी वापसी को आसान बनाने के प्रयास किए हैं, लेकिन जमीनी हालात अभी उस स्तर तक नहीं पहुंचे हैं जहां समुदाय के सदस्य वापस आने के लिए खुद को पर्याप्त रूप से सुरक्षित महसूस करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समुदाय की सुरक्षा की भावना पर गहरा असर पड़ा है और किसी भी सार्थक वापसी से पहले इसे फिर से बनाना जरूरी है।उन्होंने कहा कि उस भरोसे को बहाल किए बिना, उनकी वापसी की उम्मीद करना यथार्थवादी नहीं होगा।सीएम ने कहा कि सरकार विस्थापित समुदाय की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए कदम उठा रही है, और साथ ही कहा कि उनसे जुड़े धार्मिक स्थल प्राथमिकता बने हुए हैं और उनका संरक्षण और सुरक्षा की जा रही है।पहले के विधायी प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अतीत में ऐसी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक विधेयक पेश करने के प्रयास किए गए थे, लेकिन समुदाय के कुछ वर्गों से इसका विरोध हुआ था।उन्होंने कहा कि भविष्य के किसी भी कानून के लिए व्यापक सहमति होनी चाहिए ताकि विभाजन से बचा जा सके।

सीएम योगी ने बेमौसम बारिश से परेशान किसानों का जाना हाल, नुकसान का मुआवजा दिलाने के दिए निर्देश

लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कई जनपदों में बुधवार को हुई बारिश से परेशान किसानों का हाल जाना। उन्होंने असमय बारिश के कारण किसानों को होने वाली परेशानी के बारे में जिलाधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश देते हुए सीएम योगी ने कहा कि मौसम की मार झेलने वाले किसानों को परेशानी न हो, किसान हित सरकार की प्राथमिकता है। किसानों की बर्बाद हुई फसल के नुकसान का आकलन कर संपूर्ण जानकारी एकत्र करें और उन्हें जल्द से जल्द राहत दिलाएं। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी फसल नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वे कराकर शासन को अवगत कराएं, जिससे किसानों को तत्काल मुआवजा दिलाया जा सके।उन्होंने कहा कि सरकार हर आपदा-विपदा में प्रदेशवासियों के साथ निरंतर खड़ी है। विगत दिनों हुई बारिश से भी किसानों की फसल प्रभावित हुई थी, इससे नुकसान होने वाली फसल का मुआवजा दिलाया जा रहा है। बुधवार को होने वाली बारिश के कारण भी फसल को जो नुकसान हुआ है, उसका भी जल्द से जल्द आकलन करा लिया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के हित में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और सुनिश्चित करें कि किसानों को कोई परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि फील्ड में रहकर वस्तुस्थिति का जायजा लें और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन कराएं, जिससे किसानों को समय पर उचित सहायता मिल सके।

उन्होंने प्रमुख सचिव (कृषि) व राहत आयुक्त से कहा कि फील्ड में कार्यरत अधिकारियों से सीधा संपर्क करें और समन्वय बनाएं। सभी सूचनाएं समय पर एकत्र कर शासन को उपलब्ध कराई जाए, जिससे राहत कार्य भी समय से हो सके।

सिंगापुर की गलियों में बसा मौनी रॉय का दिल, बोलीं

शूटिंग करने आई थीं, लेकिन शहर के आकर्षण में खो गई

फिल्म और म्यूजिक की दुनिया में अक्सर शूटिंग लोकेशन्स कलाकारों के लिए बेहद खास होती हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री मौनी रॉय ने किया, जब उन्होंने सिंगापुर में अपने नए म्यूजिक वीडियो 'सॉसी' की शूटिंग की। इस गाने में उन्होंने पंजाबी सिंगर-रैपर रियार साब और मशहूर रैपर डिवाइन के साथ काम किया है। मौनी रॉय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि सिंगापुर पहले से ही उनकी ट्रैवल लिस्ट में था, लेकिन इस बार वहां जाना उनके लिए बेहद खास बन गया। उन्होंने कहा, ''इस खूबसूरत देश को पहली बार एक्सपीरियंस करना और उसी दौरान शूटिंग करना मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। मुझे वहां का खाना, फैशन और माहौल बेहद अच्छा लगा। मैं खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुली हुई महसूस कर रही थी।'' मौनी ने कहा, ''शूटिंग के दौरान मैं शहर के अलग-अलग हिस्सों में गई और हर जगह का अलग ही अनुभव था। कभी शहर बहुत तेज रफ्तार और हलचल भरा लगता था, तो कभी शांत और सुकून देने वाला। धीरे-धीरे मुझे इस शहर से एक खास जुड़ाव महसूस होने लगा। मैं यहां काम करने आई थी, लेकिन इस शहर के आकर्षण में कहीं खो सी गई। मैं दोबारा जरूर सिंगापुर आना चाहूंगी।''

गाना 'सॉसी' गली गैंग एंटरटेनमेंट के बैनर तले तैयार किया गया है और यह डिवाइन के पांचवें स्टूडियो एल्बम 'वॉकिंग ऑन वॉटर' का हिस्सा है।

डिवाइन ने इस गाने को लेकर कहा कि वह एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे जिसे लोग आसानी से सुन सकें और अच्छा महसूस करें। यह गाना एक अलग तरह की वाइब देता है, जिसमें म्यूजिक और एनर्जी दोनों है।

उन्होंने कहा, रियार साब के साथ मेरी केमिस्ट्री हमेशा अच्छी रही है और मौनी रॉय के साथ काम करने से यह प्रोजेक्ट और भी खास बन गया। जब शूटिंग के लिए लोकेशन तय की जा रही थी, तो सिंगापुर सबसे सही जगह लगा। मुझे इस शहर की तेज रफ्तार अंदाज काफी पसंद आया।

वहीं, रियार साब ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, डिवाइन के साथ काम करना हमेशा आसान और मजेदार होता है। 'सॉसी' ऐसा गाना है जिसमें शुरुआत से ही सही एनर्जी थी। सिंगापुर में शूटिंग करना एक अलग और खास अनुभव था। हमने इस गाने में अपना पंजाबी अंदाज जोड़ने की कोशिश की है, ताकि लोग इसे सुनकर एंजॉय कर सकें।

हर पहलू में एक अद्भुत फिल्म, विक्की कौशल ने आदित्य धर की पूरी टीम को बताया धुरंधर

स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' का खुमार हर किसी के सिर चढ़कर बोल रहा है। हर कोई फिल्म की सराहना किए बिना नहीं रह पा रहा है। इसी बीच मशहूर अभिनेता विक्की कौशल और प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म की पूरी टीम की जमकर सराहना की है। अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट पोस्ट किया। उन्होंने आदित्य समेत सभी की जमकर सराहना करते हुए फिल्म की पूरी टीम को धुरंधर जैसे शब्द से संबोधित किया। अभिनेता ने लिखा कि फिल्म देखकर उन्हें काफी हैरान, खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। अभिनेता ने निर्देशक आदित्य धर की मेहनक, ईमानदारी और शानदार काम की खूब प्रशंसा की। अभिनेता ने लिखा, आदित्य भाई, आपने जिस तरह से फिल्म बनाई है, वह सोने के समान हैं। आपको इस सफलता के लिए बधाई। विक्की ने रणवीर सिंह की भी जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा, रणवीर सिंह, आप मुझे हमेशा प्रेरित करते हैं। एक अभिनेता के रूप में आपकी कला और अंदाज बहुत बेहतरीन है। आर. माधवन सर को देखकर अच्छा लगा और राकेश बेदी सर को ढेर सारा प्यार। मुस्तफा अहमद का काम बहुत मजेदार था।

वहीं, शिवकुमार की एडिटिंग को विक्की ने अब तक का सबसे बेहतरीन काम बताया, जबकि उन्होंने खुद को संगीतकार शाश्वत सचदेव का फैन बताया। इसी के साथ ही, विक्की ने पूरी टीम को बधाई देते हुए लिखा, जियो स्टूडियोज, ज्योति देशपांडे, लोकेश धर और बी62 स्टूडियोज को बधाई। पूरी टीम ने शानदार काम किया है। आप सभी सच में 'धुरंधर' हैं।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने भी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर धुरंधर का पोस्टर शेयर कर नोट लिखा, रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, सारा अर्जुन, राकेश बेदी और आदित्य धर। आप सभी को दिल से बधाई। आदित्य, आप सच में एक मिशन के साथ काम करने वाले इंसान हैं। 'धुरंधर' हर पहलू में एक अद्भुत फिल्म है। आप सभी की कला, मेहनत और समर्पण के लिए धन्यवाद।

'धुरंधर: द रिवेंज' का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। यह साल 2025 में आई फिल्म 'धुरंधर' का दूसरा भाग (सीक्वल) है। फिल्म का पहला हिस्सा अच्छा था, लेकिन इस बार कहानी और एक्शन दोनों को और ज्यादा दमदार बना दिया गया है, जिसकी वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई कर रही है।

शरद केलकर ने बताया कैसे छोटे प्रैंक बनाते हैं काम के माहौल को पॉजिटिव

टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता शरद केलकर ने सशक्त किरदारों के चलते दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। लेकिन उनमें एक गंभीर कलाकार की छवि के पीछे एक मजाकिया और शरारती व्यक्तित्व भी छुपा हुआ है, जिसका खुलासा उन्होंने अप्रैल फूल डे के मौके पर किया। शरद ने बताया कि असल जिंदगी में वह काफी मस्ती करने वाले इंसान हैं। शरद ने कहा, लोग मुझे देखकर अक्सर यही मान लेते हैं कि मैं हर समय बहुत गंभीर रहता हूं, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं है। काम के दौरान मैं अपने किरदार को लेकर बेहद फोकस्ड और प्रोफेशनल रहता हूं, लेकिन जैसे ही कैमरा बंद होता है, मेरा एक अलग ही रूप सामने आता है। मैं अपने करीबी दोस्तों और परिवार पर अक्सर प्रैंक करता रहता हूं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया, ''पिछले कुछ सालों में मैंने कई बार अपने दोस्तों और घरवालों के साथ ऐसे मजेदार प्रैंक किए हैं, जिनकी याद आज भी मुझे हंसा देती है। जब सामने वाले की अचानक प्रतिक्रिया देखने को मिलती है, तो वह पल बहुत खास होता है। मैंने कभी भी ऐसा कोई प्रैंक नहीं किया, जिससे किसी की भावना को ठेस न पहुंचे।'' शरद ने कहा, ''शूटिंग सेट पर भी मैं इसी तरह का माहौल बनाए रखने की कोशिश करता हूं। मेरा मानना है कि टीवी शो की शूटिंग में कलाकारों और टीम को कई-कई घंटों तक साथ काम करना पड़ता है, ऐसे में अगर माहौल बहुत ज्यादा गंभीर हो जाए तो थकान और तनाव बढ़ सकता है। इसलिए मैं बीच-बीच में हल्के-फुल्के मजाक से सकारात्मकता बनाए रखता हूं। ऐसे छोटे-छोटे पल ही टीम के बीच बेहतर तालमेल और दोस्ती को मजबूत करते हैं।'' शरद ने आगे कहा, ''अप्रैल फूल डे सिर्फ एक दिन नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि जिंदगी में हंसी और मस्ती कितनी जरूरी है। अगर मजाक दिल से और अच्छे इरादे से किया जाए, तो यह हर दिन का हिस्सा होना चाहिए।''

सुबह सही तो सब सही, सामंथा रूथ प्रभु ने शेयर किया अपना पावर मॉर्निंग रूटीन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, स्किन और मानसिक शांति के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अक्सर छोटी-छोटी आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी 'पावर मॉर्निंग' रूटीन साझा की है। उन्होंने बताया कि कैसे सही तरीके से दिन की शुरुआत करने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने कई तरह की मॉर्निंग रूटीन आजमाई हैं, लेकिन आखिरकार उन्हें एक ऐसा आसान तरीका मिला जो उनके लिए सबसे ज्यादा असरदार साबित हुआ। उन्होंने इसे 'पावर मॉर्निंग' नाम दिया। सामंथा ने कहा, ''अगर सुबह सही तरीके से शुरू होती है, तो पूरा दिन सबकुछ सही होता है। ऊर्जा अपने आप बेहतर हो जाती है।''

वीडियो में सामंथा ने कहती है, ''कई बार लोग सब कुछ सही करने के बावजूद भी पेट की चर्बी कम नहीं कर पाते, स्किन की समस्याएं बनी रहती हैं या सुबह उठते समय चेहरा सूजा हुआ लगता है। इसकी एक बड़ी वजह गलत मॉर्निंग रूटीन हो सकती है। इसलिए लोगों को अपनी सुबह की आदतों पर ध्यान देना जरूरी है।''

सामंथा ने खासतौर पर स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''सुबह उठते ही शरीर में कॉर्टिसोल का स्तर ज्यादा होता है, जो सामान्य है। लेकिन अगर हम उठते ही फोन, न्यूज या काम देखने लगते हैं, तो यह स्ट्रेस और बढ़ जाता है। इससे दिनभर ध्यान कम रहता है।''

अपनी रूटीन को विस्तार से बताते हुए सामंथा ने सबसे पहला नियम बताया कि उठने के बाद एक घंटे तक फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके बाद कुछ मिनट शांति में बैठकर गहरी सांस लेनी चाहिए। इससे दिमाग को संकेत मिलता है कि आप सुरक्षित हैं, जिससे शरीर बेहतर तरीके से काम करता है और हेल्थ पर अच्छा असर पड़ता है।

इसके अलावा, उन्होंने कहा, ''उठने के 10 मिनट के अंदर चेहरे पर धूप लेना फायदेमंद होता है। साथ ही एक हेल्दी ड्रिंक और संतुलित नाश्ता ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है।''

इस वीडियो के कैप्शन में सामंथा ने लिखा, इस रूटीन को बनाने में मुझे कई साल लगे, लेकिन इसका असर मेरी जिंदगी पर गहराई से पड़ा है। आप 21 दिनों तक इस रूटीन को लगातार अपनाएं। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप इसे जारी रखते हैं तो आप खुद महसूस करेंगे कि आप अपनी जिंदगी को कितना बदल सकते हैं।

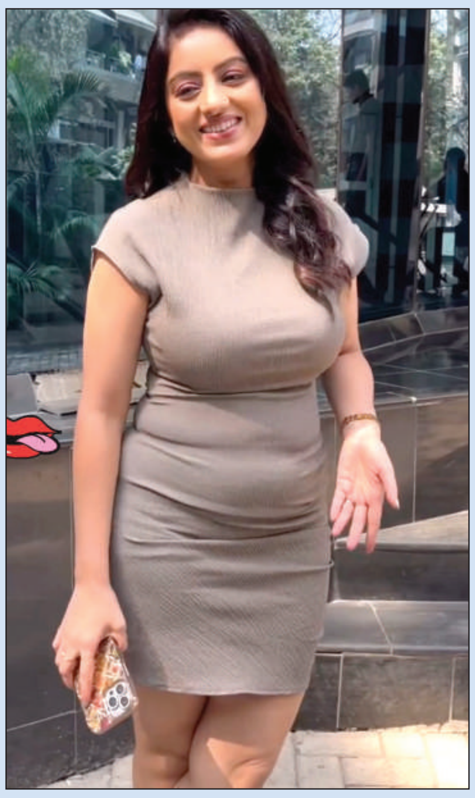

ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा, मंगल-देश की बेटी के लिए दीपिका सिंह को फैंस ने दी बधाई

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कई शो होते हैं जो दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही शो में से एक है 'मंगल लक्ष्मी', जो अब अपने नए अध्याय 'मंगल-देश की बेटी' के साथ दर्शकों के सामने आ रहा है। इस नई कहानी में मुख्य किरदार मंगल नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करती हैं। अभिनेत्री दीपिका सिंह ने इस नई यात्रा को लेकर इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी, उत्साह और टीम के प्रति आभार जताया। दीपिका ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस नए चैप्टर को लेकर पूरी तरह से अभिभूत और उत्साहित हैं। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इस कहानी में मंगल को देश की सेवा का अवसर मिलता है और वह खुद को विशेष महसूस करती हैं।

दीपिका ने अपने कैप्शन में लिखा, '''मंगल-देश की बेटी' के इस नए सफर को निभाने के लिए मैं बेहद खुश, रोमांचित और उत्साहित हूं।'' उन्होंने अपने पोस्ट में टीम का भी धन्यवाद किया। दीपिका ने कहा कि पिछले 700 एपिसोड्स के दौरान पूरी टीम ने लगातार मेहनत और समर्पण दिखाया। उन्होंने बताया कि दर्शकों का समर्थन ही उनकी इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने अपने फैंस से हर एपिसोड देखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे इस शो का आनंद लेते रहेंगे।

दीपिका के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किया।

एक ने लिखा, 'दीपिका जी, आपका नया किरदार देखकर बहुत खुश हूं! मंगल का यह रूप बहुत प्रेरणादायक लग रहा है।'

दूसरे फैंस ने लिखा, 'आपकी मेहनत और एनर्जी सच में कमाल की हैं!'

अन्य ने लिखा, 'शो देखने के लिए अब और भी उत्साहित हो गए हैं, ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा।', 'आपकी एक्टिंग हमेशा दिल को छूती है।' 'मंगल लक्ष्मी' कन्नड़ टीवी सीरीज 'भाग्यलक्ष्मी' का आधिकारिक रूपांतरण है। इस शो में दीपिका के अलावा सनिका अमित, नमन शॉ और शुभम दीक्षा मुख्य कलाकार हैं। इस कहानी में मंगल अपनी बहन लक्ष्मी के लिए सही जीवनसाथी खोजती हैं।

आज हनुमान जन्मोत्सव

हर साल चैत्र माह की पूर्णिमा के दिन हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। पौराणिक और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन संकटमोचन हनुमान जी का अवतरण हुआ था, इसलिए देशभर में इस दिन उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन हनुमान जी की पूरे विधि-विधान से पूजा की जाती है।

इस साल हनुमान जन्मोत्सव 2 अप्रैल 2026 को मनाया जाएगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक हिन्दू पंचांग के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 1 अप्रैल को सुबह 7:08 मिनट से हो रही है। जो अगले दिन 2 अप्रैल को सुबह 7:41 मिनट तक रहेगी। शास्त्रों में उदया तिथि की महत्ता को देखते हुए हनुमान जयंती का उत्सव 2 अप्रैल को ही मनाया जाएगा।

हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसी वजह से हर मंगलवार हनुमान जी की विशेष पूजा की जाती है। इसके अलावा शनिवार भी हनुमान जी को प्रिय है। हनुमान जन्मोत्सव चैत्र मास की पूर्णिमा पर मनाई जाती है। त्रेता युग में इस तिथि पर सुबह-सुबह हनुमान जी का जन्म हुआ था। उस दिन मंगलवार था। इनके पिता केसरी और माता अंजनी थीं। हनुमान जी महादेव का रूद्र अवतार हैं। हनुमान जी महाराज को अलौकिक और दिव्य शक्तियां प्राप्त हैं। उन्हें बल, बुद्धि, विद्या का दाता कहा जाता है। हनुमान जी महाराज के पास अष्ट सिद्धि और नवनिधि हैं। शिव पुराण के अनुसार हनुमान जी ही शिवजी के 11वें अवतार हैं। हनुमान जी को पवन पुत्र के नाम से भी जाना जाता है और उनके पिता वायु देव भी माने जाते हैं। वैदिक हिन्दू पंचांग के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 1 अप्रैल को सुबह 7:08 मिनट से हो रही है। जो अगले दिन 2 अप्रैल को सुबह 7:41 मिनट तक रहेगी। शास्त्रों में उदया तिथि की महत्ता को देखते हुए हनुमान जयंती का उत्सव 2 अप्रैल को ही मनाया जाएगा।

भगवान शिव के अवतार है हनुमान

भगवान हनुमान को महादेव का 11वां अवतार भी माना जाता है। हनुमान जी की पूजा करने और व्रत रखने से हनुमान जी का आर्शीवाद प्राप्त होता है और जीवन में किसी प्रकार का संकट नहीं आता है, इसलिए हनुमान जी को संकट मोचक भी कहा गया है। जिन लोगों की कुंडली में शनि अशुभ स्थिति में हैं या फिर शनि की साढ़ेसाती चल रही है, उन लोगों को हनुमान जी की पूजा विधि करना चाहिए। ऐसा करने से शनि ग्रह से जुड़ी दिक्कतें दूर हो जाती है। हनुमान जी को मंगलकारी कहा गया है, इसलिए इनकी पूजा जीवन में मंगल लेकर आती हैं।

अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं हनुमानजी

धर्म ग्रंथों में 8 ऐसे पौराणिक पात्रों के बारे में बताया गया है, जिन्हें अमर माना जाता है। हनुमानजी भी इनमें से एक है। इस संबंध में एक श्लोक भी मिलता है। उसके अनुसार

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनूमांश्च विभीषण:।
कृप: परशुरामश्च सप्तएतै चिरजीविन:।।
सप्तैतान् संस्मरेन्नित्यं मार्कण्डेयमथाष्टमम्।
जीवेद्वर्षशतं सोपि सर्वव्याधिविवर्जित।।

अर्थ- अश्वथामा, दैत्यराज बलि, महर्षि वेद व्यास, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, परशुराम और मार्कण्डेय ऋषि, ये 8 अमर हैं। रोज सुबह इनका स्मरण करने से निरोगी शरीर और लंबी आयु मिलती है।

पूजा विधि

हनुमान जी का जन्म सूर्योदय के समय हुआ था, इसलिए हनुमान जन्मोत्सव के दिन ब्रह्म मुहूर्त में पूजा करना अच्छा माना गया है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन जातक को ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए। इसके बाद घर की साफ-सफाई करने के बाद गंगाजल का छिड़काव कर घर को पवित्र कर लें। स्नान आदि के बाद हनुमान मंदिर या घर पर पूजा करनी चाहिए। पूजा के दौरान हनुमान जी को सिंदूर और चोला अर्पित करना चाहिए। मान्यता है कि चमेली का तेल अर्पित करने से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं। पूजा के दौरान सभी देवी-देवताओं को जल और पंचामृत अर्पित करें। अब अबीर, गुलाल, अक्षत, फूल, धूप-दीप और भोग आदि लगाकर पूजा करें। सरसों के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान जी को विशेष पान का बीड़ा चढ़ाएं। इसमें गुलकंद, बादाम कतरी डालें। ऐसा करने से भगवान की विशेष कृपा आपको मिलती है। हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और हनुमान आरती का पाठ करें। आरती के बाद प्रसाद वितरित करें।

हनुमान जी के ये 12 नाम लेने से सभी बिगड़ें काम बन जाते हैं।

ॐ हनुमान ॐ अंजनी सुत ॐ वायु पुत्र ॐ महाबल ॐ रामेष्ठ

ॐ फाल्गुण सखा ॐ पिंगाक्ष ॐ अमित विक्रम ॐ उदधिक्रमण

ॐ सीता शोक विनाशन ॐ लक्ष्मण प्राण दाता ॐ दशग्रीव दर्पहा

हनुमान जी को प्रसन्न करने के राशि अनुसार मंत्र।

मेष राशि –ॐ सर्वदुखहराय नम:
वृषभ राशि–ॐ कपिसेनानायक नम:
मिथुन राशि–ॐ मनोजवाय नम:
कर्क राशि – ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नम:
सिंह राशि– ॐ परशौर्य विनाशन नम:
कन्या राशि – ॐ पंचवक्र नम:
तुला राशि – ॐ सर्वग्रह विनाशिने नम:
वृश्चिक राशि – ॐ सर्वबन्धविमोक्त्रे नम:
धनु राशि – ॐ चिरंजीविते नम:
मकर राशि – ॐ सुरार्चिते नम:
कुंभ राशि – ॐ वज्रकाय नम:
मीन राशि – ॐ कामरूपिणे नम:

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

हनुमान जयंती पर बजरंगबली को लगाएं आम सहित 5 चीजों का भोग, हनुमत होंगे प्रसन्न

हनुमान जयंती का पर्व 2 अप्रैल को मनाया जाता है। मान्यता है कि इस हनुमान जी का प्राकट्य हुआ था। चैत्र मास की पूर्णिमा के दिन हनुमान जयंती मुख्य रुप से दक्षिण भारत में मनाई जाती है। लेकिन, अब इसका विस्तार अब उत्तर भारत में भी होता जा रहा है। मान्यता है कि हनुमान जयंती के दिन विधि विधान से हनुमान जी पूजा करने से हनुमान जी अपने भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी कर देते हैं। हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी को उनके प्रिय चीजों का भोग लगाना चाहिए। आइए जानते हैं हनुमान जयंती के दिन किन किन चीजों का भोग लगाना चाहिए।

हनुमान जी को चढ़ाएं गुड़ और चने का प्रसाद

हनुमान जयंती के दिन हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद जरुर चढ़ाएं। मान्यता है कि हनुमान जी को गुड़ और चने बहुत प्रिय है। साथ ही अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल दोष है तो उन्हें भी यह प्रसाद हनुमान जयंती के मौके पर जरूर चढ़ाना चाहिए।

हनुमान जी लगाएं लड्डुओं का भोग

हनुमान जी को लड्डुओं का भोग भी लगाया जाता है। मान्यताओं और पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता अंजनी हनुमान जी को लड्डू खिलाया करती थी। इसके अलावा कई कथाएं यह भी बताती है कि माता सीता ने भी हनुमानजी को वनवास से अयोध्या वापस आने के बाद लड्डू बनाकर खिलाएं थे। हनुमान जी को विशेष रुप से बूंदी, बेसन और चूरमा के लड्डुओं का भोग लगाया जाता है।

पान का बीड़ा

हनुमान जी को मीठे पान का बीड़ा भोग लगाया जाता है। इस बात का ख्याल रखें कि पान में चुना न लगा हुआ हो। अगर आप किसी बड़ी परेशानी में हैं तो यह पान का बीड़ा हनुमान जी को जरूर अर्पित करें। इसका अर्थ है कि आप अपनी जिम्मेदारी अब हनुमान जी को सौंप रहे हैं। मान्यता यह भी है कि हनुमान जी को पान का बीड़ा अर्पित करने से आप मनचाहा वरदान भी मांग सकते हैं।

हनुमान जी को आम का भोग अति प्रिय

हनुमान जी को आम का भोग अति प्रिय है। इसलिए उन्हें हनुमान जयंती के दिन आम का भोग लगाना शुभ फलदायी रहेगा। दरअसल, इसके पीछे एक रोचक कथा है यह है कि जब हनुमान जी माता सीता का पता लगाने के लिए लंका पहुंचे थे उन्होंने सबसे पहली बार अशोक वाटिका में आम का फल वहां देखा था और आम का सेवन किया था। लंका से वापस लौटते समय हनुमान जी भगवान राम के लिए आम लेकर गए थे।

हनुमान जी को लगाएं नारियल का भोग

हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी को नारियल का भोग जरूर लगाएं। ऐसी मान्यता है कि हनुमान जी को नारियल अर्पित करने से व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। ऐसी मान्यता है कि हनुमान जी को नारियल का भोग लगाने से आर्थिक संकट भी दूर होते हैं।

वायुदेव के आशीर्वाद से हनुमान जी बने असीम शक्तियों के स्वामी

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मानव के चेतन मन की शक्ति लगभग 10 प्रतिशत है और अवचेतन मन की शक्ति लगभग 90 प्रतिशत है। जब अवचेतन मन की शक्ति एकत्र हो जाती है तो ब्रह्माण्ड में कुछ भी चमत्कार सम्भव है। हनुमान जी अचेतन शक्तियों के स्वामी हैं, हनुमान जी को काल के नौ प्रकार के भेद, नवविध काल का पूर्ण ज्ञान है, काल की लघुत्तम इकाई त्रुटि और विशालतम ईकाई ब्रह्ममान है।

मनुष्य का दिन और रात जिसे अहोरात्र कहते हैं, 24 घण्टे का होता है, वहीं ब्रह्मान, ब्रह्मा जी का दिन और रात, अहोरात्र, 2 कल्पों, अर्थात् 8 खरब 64 अरब मानव वर्ष का होता है। 1 कल्प ब्रह्मा की रात्रि और एक कल्प ब्रह्मा का दिन होता है। सिद्धांत ज्योतिष में वर्णित है कि मनुष्य, पितृगण, ब्रह्मा जी आदि का अहोरात्र, स्थान भेद से उत्पन्न क्षितिज भेद के कारण भिन्न-भिन्न होता है। हनुमान जी किसी भी कालमान में प्रवेश कर सकते हैं, इसलिए आज भी अजर-अमर हैं। वायुपुत्र हनुमान जी के पास वायुदेव से प्राप्त 49 मरुत की अद्भुत शक्तियों का संग्रह भी है। तुलसीदास जी ने सुन्दरकाण्ड में लिखा है,

हरि प्रेरित तेहि अवसर चले मरूत उनचास। अट्टहास करि गर्जा कपि बढ़ि लाग अकास।।

वायु एक प्रकार की न होकर अनेक प्रकार की है। वेदों में वायु की प्रमुख 7 शाखाओं के बारे में विस्तृत वर्णन प्राप्त होता है। जल के भीतर जो वायु है, वेद पुराणों में उसे अलग नाम दिया है, आकाश में स्थित जो वायु है, उसका अलग महत्व है, इस प्रकार अन्तरिक्ष, पाताल आदि स्थित सभी वायु का गुण और व्यवहार भी अलग-अलग होता है। प्रवह, आवह, उद्वह, संवह, विवह, परिवह और परावह, इन 7 प्रकार की वायु का उल्लेख प्राप्त होता है।

ब्रह्मलोक, इन्द्रलोक, अंतरिक्ष, भूलोक की पूर्व दिशा, पश्चिम दिशा, उत्तर दिशा, दक्षिण दिशा, इस तरह 7 गुणा 7 बराबर 49 हुआ। सुन्दरकाण्ड में इन्हीं 49 मरूत की शक्ति की बात की गई है। केवल हनुमान जी के पास अन्य सिद्धियों के साथ इन 49 मरुतों का भी सहारा है। हनुमान जी ने अपने आराध्य प्रभु राम का ध्यान कर अनेक अतुलनीय कार्य किए, आध्यात्मिक वेत्ताओं के अनुसार जब केवल एक इष्ट अथवा गुरु की आराधना कर उनके प्रति पूर्ण समर्पण भाव से कोई भी कार्य किया जाता है तो वह चमत्कार स्वरूप हो जाता है।

हनुमान जयंती के दिन क्या करें क्या न करें?

हनुमान जयंती का त्योहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। भक्त इस दिन विधि-विधान से बजरंगबली की पूजा और साथ ही व्रत भी करते हैं। ऐसी मान्यता है कि, भगवान हनुमान की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से उनका आशीर्वाद भक्तों पर बना रहता है। साथ ही, जीवन से भय दूर होता है और मानसिक शांति प्राप्त होती है। हालांकि, शास्त्रों में भगवान हनुमानजी की पूजा के कुछ महत्व-पूर्ण नियम बताए गए हैं जिनका ध्यान रखना आवश्यक होता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं की बजरंगबली का आशीर्वाद और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए हनुमान जयंती के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

हनुमान जयंती के दिन क्या नहीं करना चाहिए ?

भगवान हनुमान की पूजा करते समय इस बात का विशेष ख्याल रखें की इस दौरान भूलकर भी पंचामृत का प्रयोग नहीं करना चाहिए। बजरंगबली की पूजा में पंचामृत का प्रयोग करना वर्जित माना जाता है।

अगर आप हनुमान जयंती के दिन व्रत करते हैं, तो भूलकर भी इस दिन नमक का प्रयोग नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है।

हनुमानजी की पूजा में पान अर्पित करते समय इस बात का ख्याल रखें की कभी भी चूना लगा हुआ पान भगवान को अर्पित नहीं करना चाहिए।

भगवान हनुमान की पूजा में काले रंग या सफेद रंग के कपड़े नहीं पहनने चाहिए। ऐसा करने से हनुमानजी रुष्ट हो सकते हैं।

हनुमान जयंती के दिन भूलकर भी तामसिक भोजन जैसे- लहसुन, प्याज, मांस, मदिरा आदि का सेवन नहीं करना चाहिए।

महिलाएं हनुमानजी की पूजा में इन बातों का रखें ध्यान

हनुमान जयंती के दिन बजरंगबली की पूजा के समय महिलाओं को उनकी मूर्ति को स्पर्श नहीं करनी चाहिए। क्योंकि, हनुमानजी को ब्रह्मचारी माना गया है और साथ ही महिलाओं को माता का दर्जा भी प्राप्त है।

मान्यता है की महिलाओं को हनुमानजी की पूजा में उन्हें वस्त्र, जनेऊ, चोला आदि अर्पित नहीं करना चाहिए। इसके लिए आप अपने परिवार के किसी पुरुष की सहायता ले सकते हैं।

महिलाओं को हनुमानजी की पूजा में बजरंगबाण का पाठ नहीं करना चाहिए। ऐसा करना वर्जित माना जाता है।

हनुमान जयंती के दिन क्या करना चाहिए?

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि के पश्चात लाल या पीले रंग के वस्त्र पहनने चाहिए। साथ ही, इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

अगर आप हनुमान जयंती का व्रत करते हैं, तो सुबह उठकर हनुमानजी का स्मरण करते हुए सबसे पहले व्रत का संकल्प करना चाहिए।

बजरंगबली को रोट लड्डू और केला अत्यंत प्रिय है। ऐसे में उनकी पूजा में इनका भोग जरूर लगाना चाहिए। साथ ही, आप गुड़ और भुने हुए चने का भी भोग लगा सकते हैं।

हनुमान जयंती के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

महिलाएं हनुमानजी की पूजा में वस्त्र, जनेऊ, चोला आदि चीजें घर के किसी पुरुष से अर्पित करा सकती हैं।

भगवान हनुमान को मीठा पान अर्पित करना भी शुभ माना गया है। ऐसा करने बजरंगबली की कृपा प्राप्त हो सकती है।

मान्यता है की भगवान हनुमान ने प्रभु राम के प्रेम को प्राप्त करने के लिए अपने पूरे शरीर पर सिंदूर का लेपन कर लिया था। ऐसे में हनुमानजी के हनुमान जयंती पर चोला जरूर अर्पित करना चाहिए।

हनुमान जयंती पर तुलसी के 108 पत्ते लेकर उन पर राम नाम लिखकर भगवीन हनुमान को अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से अत्यंत शुभ फल प्राप्त हो सकता है।

संपादकीय

दुनिया भी कहे, 'नो किंग्स'

राष्ट्रपति ट्रंप अपने ही देश में बुरी तरह घिर गए हैं। उनके खिलाफ 'नो किंग्स' बैनर वाले विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सांसद भी सड़कों पर उतर आए हैं। अमरीका के 50 राज्यों में 3500 से अधिक स्थानों पर करीब 80 लाख लोग सड़कों पर आक्रोशित हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का इस्तीफा मांग रहे हैं। ये विरोध-प्रदर्शन ट्रंप के अधिनायकवाद के खिलाफ हैं और ब्रिटेन, यूरोप तक फैल गए हैं। ईरान पर हमला अमरीका और इजरायल के शासनाध्यक्षों का तानाशाही किस्म का रवैया था। उनके तमाम मंसूबे अधूरे रहे हैं। युद्ध को एक महीना बीत चुका है। लगभग पूरी दुनिया हिल चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी का सर्वेक्षण है कि ईरान युद्ध से 4.5 करोड़ से अधिक लोग 'भुखमरी' के कगार पर हैं। अनुमानित डाटा है कि युद्ध में अभी तक 4500 से अधिक मौतें हो चुकी हैं, करीब 10 लाख लोग बेघर हो चुके हैं, वैश्विक जीडीपी के 2 फीसदी नीचे आने के खतरे सामने हैं। यदि अमरीका और इजरायल में जनता ट्रंप और नेतन्याहू का आक्रामक विरोध कर रही है, तो बिल्कुल लोकतांत्रिक कदम है। अमरीका सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। बल्कि विरोध इतना तीखा और सटीक होना चाहिए कि दोनों नेता इस्तीफा देने को विवश हो जाएं। दोनों देशों के नेता 'कब्जेबाज' हैं, लिहाजा युद्ध को माध्यम बनाए हुए हैं। दोनों देशों में चुनाव होने हैं और वे निम्नतम लोकप्रियता के स्तर पर हैं। पेंटागन का आकलन है कि एक माह के युद्ध में ही अमरीका का करीब 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि ईरान का भी 15-20 लाख करोड़ रुपए और खाड़ी देशों का करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भी विमानवाहक युद्धपोत, मरीन कमांडो, सैनिक, विमान आदि ईरान की ओर भेज रहे हैं। 'बॉम्बर्स' से बमबारी करवा रहे हैं। ईरान को 'कब्रिस्तान' बना दिया है। अब जमीनी युद्ध की भी संभावनाएं हैं। अमरीका और इजरायल ने एक माह की अवधि में ईरान पर 10,000 से अधिक हमले (प्रति) कर उसके 66 फीसदी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया है। आखिर मिसाइल, ड्रोन कितने बचे होंगे? और ईरान कब तक उनके सहारे युद्ध लड़ता रहेगा? यह बेहद चिंतित सवाल है। 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि युद्ध से विश्व के सामने ऊर्जा-संकट पैदा हो गया है, जो लगातार गहराता जा रहा है। मुद्रास्फीति और सप्लाई चेन की अवरुद्धता ने दुनिया को झटके दिए हैं। ट्रंप की इस तानाशाही और वैश्विक गुंडागर्दी को क्यों सहन किया जा रहा है? यूरोप, एशिया (भारत, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया आदि समेत), अफ्रीका, लैटिन अमरीका और जो देश ईरान युद्ध से पिसे, कुचले जा रहे हैं, वे संयुक्त राष्ट्र में जाएं और ट्रंप के खिलाफ आंदोलन करें। अब प्रस्ताव पारित कराने का वक्त निकल चुका है। देशों को आक्रामक होना होगा, लेकिन अहिंसक आंदोलन करना होगा। यह कूटनीति या राजनीति अथवा अमरीका के साथ संबंधों वक्त नहीं है, बल्कि विश्व के अस्तित्व का सवाल है। विरोध देश का नहीं, राष्ट्रपति ट्रंप का करना है। भारतीय विशेषज्ञ मान रहे हैं कि हमारी तेल-गैस की आपूर्ति लगातार कम हो रही है और खपत जस की तस है। हमारी जरूरत 20 की है, लेकिन सप्लाई 10 की ही हो रही है। साफ है कि कमी बढ़ती रहेगी, तो अंततः एक विकराल संकट सामने खड़ा हो सकता है। चूंकि खाड़ी देशों में तेल-गैस ठिकानों को व्यापक स्तर पर तबाह किया गया है, आग ने सब कुछ खाक कर दिया है, लिहाजा यह तय है कि आगामी 4-5 साल तक आपूर्ति वैसी नहीं रहेगी, जैसी युद्ध से पहले थी। भारत के लिए मध्य-पूर्व ही सबसे मुफीद क्षेत्र है, जहां से तेल-गैस का आयात 2-4 दिन में ही संभव है। अन्य देश हमसे बहुत दूर हैं और सप्लाई में 40-45 दिन लग जाते हैं। भारत जितना विशाल, विराट देश है, उतनी ही हमारी जरूरतें हैं। तेल-गैस के बजाय बिजली वाले वाहनों को ज्यादा सार्वजनिक बनाया जाए।

अमरीका के 50 राज्यों में 3500 से अधिक स्थानों पर करीब 80 लाख लोग सड़कों पर आक्रोशित हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का इस्तीफा मांग रहे हैं। ये विरोध-प्रदर्शन ट्रंप के अधिनायकवाद के खिलाफ हैं और ब्रिटेन, यूरोप तक फैल गए हैं। ईरान पर हमला अमरीका और इजरायल के शासनाध्यक्षों का तानाशाही किस्म का रवैया था। उनके तमाम मंसूबे अधूरे रहे हैं। युद्ध को एक महीना बीत चुका है। लगभग पूरी दुनिया हिल चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी का सर्वेक्षण है कि ईरान युद्ध से 4.5 करोड़ से अधिक लोग 'भुखमरी' के कगार पर हैं। अनुमानित डाटा है कि युद्ध में अभी तक 4500 से अधिक मौतें हो चुकी हैं, करीब 10 लाख लोग बेघर हो चुके हैं, वैश्विक जीडीपी के 2 फीसदी नीचे आने के खतरे सामने हैं। यदि अमरीका और इजरायल में जनता ट्रंप और नेतन्याहू का आक्रामक विरोध कर रही है, तो बिल्कुल लोकतांत्रिक कदम है। अमरीका सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। बल्कि विरोध इतना तीखा और सटीक होना चाहिए कि दोनों नेता इस्तीफा देने को विवश हो जाएं। दोनों देशों के नेता 'कब्जेबाज' हैं, लिहाजा युद्ध को माध्यम बनाए हुए हैं। दोनों देशों में चुनाव होने हैं और वे निम्नतम लोकप्रियता के स्तर पर हैं। पेंटागन का आकलन है कि एक माह के युद्ध में ही अमरीका का करीब 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

ललित गर्ग

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया।

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है। भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेज़ी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए

पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है। माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

देश दुनिया से

चुनाव तक तेल की राहत—नीति या राजनीति?

देश में पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में हालिया राहत ने आम जनता को कुछ हद तक राहत दी है। खासकर जब पांच राज्यों में चुनाव नजदीक हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह राहत दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का हिस्सा है या फिर चुनावी राजनीति की एक सोची-समझी चाल। जहां दूसरे देशों में तेल की कीमतों में आग लगी हुई हैं। ऐसे में भारत जैसे देश में राहत कब तक ? यानी आप यह न समझें महंगाई काबू है। महंगाई धीरे धीरे बढ़ रही है। भारत में ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों, टैक्स ढांचे और सरकारी नीतियों पर निर्भर करती हैं। जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव होता है, तो उसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ता है। ऐसे में सरकार द्वारा टैक्स में कटौती या कंपनियों को कीमतें स्थिर रखने के निर्देश देना, तत्काल राहत तो देता है, लेकिन इसके पीछे की मंशा पर बहस होना भी स्वाभाविक है।चुनाव के समय अक्सर सरकारें जनहित में फैसले लेती हैं, लेकिन इन फैसलों का समय उन्हें राजनीतिक रंग दे देता है। तेल की कीमतों में कमी से महंगाई पर काबू पाने में मदद मिलती है, परिवहन लागत घटती है और इसका सकारात्मक असर रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों पर भी पड़ता है। इससे मतदाताओं के बीच सरकार की छवि मजबूत होती है।हालांकि, सवाल यह भी है कि क्या यह राहत स्थायी है? चुनाव खत्म होने के बाद क्या फिर से कीमतों में बढ़ोतरी होगी? यदि ऐसा होता है, तो यह साफ संकेत होगा कि यह कदम केवल चुनावी लाभ के लिए उठाया गया था। दूसरी ओर, यदि सरकार लंबे समय तक संतुलित कीमतें बनाए रखती है तो इसे एक ठोस आर्थिक नीति कहा जा सकता है। देश की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है। वह केवल तात्कालिक राहत से संतुष्ट नहीं होती बल्कि स्थायी समाधान चाहती है। सरकार के लिए चुनौती यही है कि वह चुनावी लाभ से ऊपर उठकर ऐसी नीतियां बनाए, जो दीर्घकाल में आर्थिक स्थिरता और जनकल्याण दोनों सुनिश्चित करें। तेल की कीमतों में यह राहत चाहे जिस भी कारण से आई हो लेकिन यह स्पष्ट है कि जनता अब

केवल राहत नहीं, बल्कि पारदर्शिता और स्थायित्व की अपेक्षा रखती है। देश में जब-जब चुनावी मौसम आता है, तब-तब महंगाई का मुद्दा भी नई धार के साथ सामने खड़ा हो जाता है। इस समय पाँच राज्यों में चुनावी हलचल के बीच आम जनता की सबसे बड़ी चिंता—महंगाई—फिर से राजनीतिक बहस के केंद्र में है। रसोई गैस से लेकर पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की वस्तुओं तक, हर चीज़ की कीमतों ने आम आदमी के बजट को झकझोर कर रख दिया है। चुनावों के दौरान अक्सर सरकारें राहत के कुछ कदम उठाती हैं—कभी ईंधन के दामों में अस्थायी कमी, तो कभी सब्सिडी या योजनाओं का ऐलान। लेकिन यह राहत अक्सर चुनाव तक ही सीमित रहती है। सवाल यह है कि क्या महंगाई केवल चुनावी मुद्दा बनकर रह जाएगी, या इसके स्थायी समाधान की दिशा में ठोस प्रयास होंगे ?विपक्ष महंगाई को सरकार की विफलता बताकर जनता के बीच जा रहा है, तो सत्तापक्ष वैश्विक कारणों—जैसे कच्चे तेल की कीमतें, अंतरराष्ट्रीय संकट—का हवाला देकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश करता है। सच यह है कि महंगाई पर दोनों ही पक्षों की राजनीति के बीच आम आदमी कहीं दब जाता है।राजनीति महंगाई का सीधा असर मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर पड़ता है। बढ़ती कीमतों के कारण न केवल उनकी क्रय शक्ति घटती है, बल्कि जीवन स्तर पर भी असर पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जहाँ आय के साधन सीमित हैं। जरूरत इस बात की है कि सरकारें अल्पकालिक राहत के बजाय दीर्घकालिक नीतियों पर ध्यान दें। कृषि क्षेत्र को मजबूत करना, आपूर्ति श्रृंखला को सुधारना और रोजगार के अवसर बढ़ाना—ये कुछ ऐसे कदम हैं जो महंगाई पर काबू पाने में सहायक हो सकते हैं। देश में चुनावी राजनीति से ऊपर उठकर महंगाई जैसे गंभीर मुद्दे पर सर्वदलीय सहमति बनानी होगी। क्योंकि यह केवल एक आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ा सवाल है। चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन महंगाई पर स्थायी नियंत्रण ही असली राजनीतिक सफलता का पैमाना होना चाहिए। देश में पाँच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीवंतता और जनता की अपेक्षाओं का प्रतिबिंब भी हैं। यह चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब महंगाई, बेरोजगारी, विकास और सुशासन जैसे मुद्दे आम नागरिक के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहे हैं। चुनावी माहौल में सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में हैं। सत्ताधारी दल अपनी उपलब्धियों को गिनाकर जनता से पुनः विश्वास मांग रहा है, वहीं विपक्ष सरकार की नीतियों और कमियों को उजागर कर विकल्प प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है। चुनावी भाषणों में वादों की भरमार है, लेकिन असली सवाल यह है कि इन वादों का जमीनी हकीकत से कितना संबंध है। महंगाई आज सबसे बड़ा मुद्दा बनकर उभरी है। रोजमर्रा की वस्तुओं के बढ़ते दाम ने आम आदमी की जेब पर भारी बोझ डाला है। ऐसे में मतदाता यह देख रहा है कि कौन-सी सरकार उसे राहत देने में सक्षम है। इसके साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, किसानों की आय और बुनियादी सुविधाओं का विकास भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। इन चुनावों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इनके परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यह चुनाव आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक संकेत भी होंगे कि जनता का रुझान किस ओर है। हालांकि, चुनाव केवल मुद्दों और वादों तक सीमित नहीं रहने चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि मतदाता जाति, धर्म और क्षेत्रीय भावनाओं से ऊपर उठकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। एक जागरूक और जिम्मेदार मतदाता ही देश के भविष्य को सही दिशा दे सकता है।

आप का नज़रिया

जमात साधने की कोशिश

संगठन को दरिया बनाने के प्रयास और हिमाचल कांग्रेस के भीतरी आचरण में शहद घोलने की कवायद स्पष्ट करती है कि अब सत्तारूढ़ दल के मार्फत अलख जगाने की जरूरत है। पार्टी एक अध्यक्ष के नीचे 12 उपाध्यक्ष और 27 महासचिवों की वर्दी पहना रही है। यहां वरिष्ठता के ताज और युवा जोश के पैगाम स्पष्ट हैं। कागज पर लिखी यह इबारत बताती है कि माथापच्ची के दौर में डेढ़ साल गुजर चुका है। इस दौरान के खालीपन को समेटना और पार्टी के भीतर आत्मबल जागृत करना सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि विपक्ष में भाजपा तो चौबीस घंटे चुनाव के रथ पर सवार रहती है। यहां विश्लेषण कांग्रेस बनाम भाजपा देखें, तो संघर्ष की तपती रेत विधानसभा तक पहुंची है। ऐसा लगता है कि भाजपा अपनी मशीनरी में हमेशा तेल डालती रहती है,जबकि कांग्रेस के सामने संतुष्ट रहने का तजुर्बा बढ़ता जा रहा है। उदाहरण के लिए हिमाचल की ओर से एंट्री टैक्स की मुखालफत अगर पंजाब के बार्डर एरिया में हो रही है, तो उसके समर्थन में भाजपा के विधायक भी उतर गए हैं। विधायक सतपाल सत्ती की ओर से इस आशय की घोषणा बताती है कि भाजपा कितने स्तर पर अपनी तैयारी जारी रखती है। भाजपा की संगठनात्मक चुनौती के सामने कांग्रेस को संगठनात्मक विस्तार में देखें, तो कुछ नए संतुलन पैदा किए जा रहे हैं। खास तौर पर युवा चेहरों की अहमियत को बढ़ावा देते हुए कांग्रेस ने विनोद जिंटा, यदोपति ठाकुर, उपेंद्र कांत, अमित भरमौरी, अमित नंदा, हरि कृष्ण हिमराल, मनमोहन कटोच, देवेन्द्र जग्गी, यशवंत व धर्मेन्द्र धामी जैसे नेजाओं पर दांव खेला है। पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर के जिम्मे अनुशासन समिति का अध्यक्ष पद तथा इस कमेटी में हर्षवर्धन, भवानी सिंह पठानिया, नीरज नैय्यर, आशीष बुटेल, बावा हरदीप सिंह व अनुराधा जैसे विधायकों को जोड़ा गया है। कांग्रेस कार्यसमिति में 6 पूर्व अध्यक्षों की मौजूदगी से टीम सीएम दिखाई दे रही है। पंचायत चुनावों से ठीक पूर्व कांग्रेस ने अपने नेताओं की जमात को साधने का पूरा प्रयत्न किया है। हालांकि पार्टी ने अपनी टीम का गठन करने में अनावश्यक देरी तो की है, फिर भी अब इन निगाहों से अगली परीक्षाओं के लिए कदमताल शुरू होगा। कार्यकर्ताओं के बीच कांग्रेस की पैठ के लिए ये नेता कितने पैगंबर साबित होते हैं, देखना बाकी है। देखना यह भी होगा कि सत्ता और संगठन के बीच कितने फासले आसान होते हैं और सरकार के संदेश किस तरह आम जनता तक पहुंचते हैं। पार्टी की सक्रियता का मुकाबला सीधे भाजपा से होगा, जो अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के तहत इंच-इंच जमीन माप कर चल रही है। कांग्रेस के प्रवक्ता अपनी बात कहने में शालीन हैं, जबकि विपक्ष के हर शब्द में तीर व लक्ष्य अति तीक्ष्ण और जिद्दी है। बेशक सचिवालय में सरकार का अपना वर्चस्व कायम है, लेकिन जनता के सामने मंच सजाने और उससे संबोधन का रास्ता फैलाने के लिए कड़ी टक्कर है। हिमाचल के आर्थिक संकट पर कांग्रेस पार्टी का आर्थिक प्रस्ताव क्या है। नई नीतियां और ठोस निर्णयों की जिस सेज पर मुख्यमंत्री अपनी सरकार के हाल बयां कर रहे हैं, क्या वहां से आगे पार्टी अपने कंधों पर यह उल्लेख कर पाएगी। क्या बात बताने, सरकार के निर्णय दिखाने और केंद्र सरकार की उदासीनता का सच दिखाने में विनय कुमार की टीम कुछ नया जोश दिखाएगी। देखना यह भी है कि सत्तारूढ़ दल अब चुनावी तैयारियों में खुद को कैसे पेश करता है। सरकार और संगठन के बीच तालमेल के नए संयोग और पार्टी की मूल अवधारणा के बीच आचरण किस तरह विश्वसनीयता और समर्थन अर्जित करता है। आखिर जहां पन्ना प्रमुख की सीमा तक सियासत की तैयारी हो, वहां कांग्रेस को फुट सोल्जर ही तो चाहिएं। क्या यह टीम ढर्रा बदलेगी और सरकार को मिशन रिपीट का साहस देगी। टीम सत्ता बनाम सत्ता के आने वाले सपने को कैसे लेती है, यह देखना होगा, लेकिन अब सरकार को अपनी खिड़कियों पर पार्टी के सारे कबूतर बुलाने पड़ेंगे। कांग्रेस अपने राष्ट्रीय संगठन से हिमाचल की कैसे पैरवी करती है और किस तरह सरकार को प्रदेश संगठन से मजबूती से जोड़ पाता है, इसका इंतजार रहेगा।

भाजपा की संगठनात्मक चुनौती के सामने कांग्रेस को संगठनात्मक विस्तार में देखें, तो कुछ नए संतुलन पैदा किए जा रहे हैं। खास तौर पर युवा चेहरों की अहमियत को बढ़ावा देते हुए कांग्रेस ने विनोद जिंटा, यदोपति ठाकुर, उपेंद्र कांत, अमित भरमौरी, अमित नंदा, हरि कृष्ण हिमराल, मनमोहन कटोच, देवेन्द्र जग्गी, यशवंत व धर्मेन्द्र धामी जैसे नेजाओं पर दांव खेला है। पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर के जिम्मे अनुशासन समिति का अध्यक्ष पद तथा इस कमेटी में हर्षवर्धन, भवानी सिंह पठानिया, नीरज नैय्यर, आशीष बुटेल, बावा हरदीप सिंह व अनुराधा जैसे विधायकों को जोड़ा गया है। कांग्रेस कार्यसमिति में 6 पूर्व अध्यक्षों की मौजूदगी से टीम सीएम दिखाई दे रही है। पंचायत चुनावों से ठीक पूर्व कांग्रेस ने अपने नेताओं की जमात को साधने का पूरा प्रयत्न किया है। हालांकि पार्टी ने अपनी टीम का गठन करने में अनावश्यक देरी तो की है, फिर भी अब इन निगाहों से अगली परीक्षाओं के लिए कदमताल शुरू होगा। कार्यकर्ताओं के बीच कांग्रेस की पैठ के लिए ये नेता कितने पैगंबर साबित होते हैं, देखना बाकी है। देखना यह भी होगा कि सत्ता और संगठन के बीच कितने फासले आसान होते हैं और सरकार के संदेश किस तरह आम जनता तक पहुंचते हैं।

कुछ अलग

बधाई हो, कट हुआ है...

झुन्नू लाल जी अपनी सीट पर बैठे-बैठे एक हथेली में एक चुटकी तंबाकू में थोड़ा सा बुझा चूना मिलाने के बाद उसे अंगूठे से अच्छी तरह रगडऩे के बाद निचले होंठ में दबाते हुए संता सिंह से बोले, 'बधाई हो! सुना है आपको कट हुआ है।' संता सिंह अपनी ऐनक को एक ओर रखते हुए बोले, 'हां बड़े बाबू, आपको भी बधाई हो कि आप भी प्रदेश को मुफलिसी के जाल से बाहर निकालने में अपनी हिस्सेदारी दर्ज करवाने जा रहे हैं। पर आप 'कट हुआ' तो ऐसे बोल रहे हैं मानो किसी के यहां बेटा हुआ हो। शुक्र मनाइए, आप और मैं केवल तीन परसेंट से ही अपनी भागीदारी सुनिश्चित करवा रहे हैं। नहीं तो बड़े और छोटे साहिब, बेचारे दोनों ही तीस परसेंट के कोल्हू में जुतने जा रहे हैं।' झुन्नू लाल जी खीखी...हीही...करते हुए हंसकर बोले, 'यार! सच कहूं तो मुझे बड़ा मजा आ रहा है, यह सब देखकर और सुनकर। इसे कहते हैं आगे-आगे दौड़ और पीछे-पीछे छोड़। सरकार का यह कदम तो मेरे घर पर बिल्कुल ठीक बैठता है। श्रीमती हर महीने के शुरू में शोर मचाती हैं कि बचत करनी है। कभी दूध में कट, कभी सब्जी में, कभी आशीर्वाद की जगह लोकल मिल का सुपर फाइन आटा, कभी बल्ब और ट्यूब में उलझ जाती हैं, कभी साबुन, तेल, नून में। ग्रोसरी स्टोर में घंटों लगाकर एक-एक सामान खरीदते हुए उनके दामों का विश्लेषण करती हैं। फिर महीने आखिर में उन्हें यकायक याद आता है कि इस महीने कोई सूट, साड़ी, स्वेटर या जूता नहीं लिया और जो थोड़ा-बहुत बचाया होता है, उसे एक बार में खर्च कर आती हैं। फिर अगले महीने का डेफिसिट शुरू। सरकारें भी तो यही करती हैं।

दृष्टि कोण

युद्ध की विभीषिका झेलता आम आदमी

पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से अमरीका और इजराइल द्वारा ईरान पर हुए हमलों के बाद, जहां एक ओर इस युद्ध की आग 20 देशों तक फैल चुकी है, जिसकी वजह से हजारों जानें तो गई ही हैं, बड़ी मात्रा में तेल और गैस के भंडार भी नष्ट हुए हैं, भारी मात्रा में संपत्ति का भी नुकसान हुआ है, साथ ही पूरा विश्व ही समुद्री मार्गों के बाधित होने के कारण फिलहाल तो तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि से भी जूझ रहा है। वैश्विक एजेंसियों की मानें तो युद्ध के कारण दुनिया में मुद्रास्फीति, गरीबी और खाद्य असुरक्षा भयंकर रूप से बढ़ सकती है। साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, जहाजरानी लागतों में वृद्धि और महत्वपूर्ण कम्पोनेंट्स की उपलब्धता में कमी के चलते वैश्विक आपूर्ति आघात, अर्थव्यवस्थाओं में अफरा-तफरी मचा सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह युद्ध अमरीका की तेल भंडारों पर पकड़ बनाने की महत्वाकांक्षा के कारण हो रहा है, हालांकि पहले तो यह कहा गया कि ईरान आणविक हथियार बना रहा है और इसके कारण अमरीका और विश्व की शांति भंग हो सकती है, लेकिन अब अमरीकी प्रशासन के लोग भी यह कहने लगे हैं कि अमरीका ने बिना वजह इस युद्ध को छेड़ा है। वे इजरायल को युद्ध भडक़ाने के लिए दोषी ठहरा रहे हैं। लेकिन समझना होगा कि पहले तो वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी कर उसे अमरीका लाया जाना, और अब ईरान पर हमला करना, विशेषज्ञ ऐसा मानते हैं कि यह सब दुनिया के तेल भंडारों पर अमरीका के काबिज होने की कोशिश का यह संकेत है। अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी रायटर का यह कहना है कि इससे पहले इराक में सत्ता परिवर्तन के माध्यम से वहां के तेल भंडारों पर भी अमरीका का लगभग कब्जा हो चुका है। दुनिया में अपनी धौंस जमाने के लिए इस प्रकार से युद्ध थोपना अवांछनीय है। महंगाई का खतरा : यूं तो कोई भी जंग महंगाई को बढ़ाने का कारण बनती है, लेकिन दुनिया की अधिकांश कच्चे तेल और गैस की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले खाड़ी के देशों के इस जंग में शामिल होने के कारण स्वाभाविक तौर पर तेल और गैस की

कीमतों में वृद्धि से महंगाई तो बढ़ती ही है, समुद्र के रास्ते सामान की आवाजाही में आने वाले अवरोधों के कारण साजोसामान की कमी के चलते भी महंगाई बढ़ती है। युद्ध जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, यह समस्या भीषण रूप लेती जा रही है। महंगाई के कारण घटती क्रय शक्ति, आवश्यक वस्तुओं की कमी और सरकारों द्वारा उसे वहन करने की शक्ति कम होने पर सामाजिक अशांति का भी खतरा बढ़ सकता है। समझा जा सकता है कि युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई आवश्यक वस्तुओं की कमी और यदि उसके कारण सामाजिक अशांति फैलती है तो उसका सीधा सीधा खामियाजा आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है। वित्तीय बाजारों में खलबली : युद्ध के हालात में निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर हो जाता है। व्यवसायों में विश्वास डगमगाता है और अनिश्चितता फैलती है। ऐसे में शेयरों और बांडों में निवेश की बजाय लोग ज्यादा सोना, चांदी खरीदने लगते हैं। स्वाभाविक तौर पर शेयर बाजार गिरने लगते हैं। भारत की बात करें तो युद्ध के समय से लेकर अभी तक मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 7 प्रतिशत से अधिक गिर चुका है। वैश्विक बाजारों की बात करें तो वहां भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। शेयर बाजार में गिरावट का भी सीधा सीधा असर आम आदमी पर ही पड़ता है। एक तरफ उसके पोर्टफोलियो का मूल्य कम हो जाता है और साथ ही साथ पेंशन फंडों द्वारा शेयर बाजारों में निवेशित धन का मूल्य भी कम हो जाता है। अर्थव्यवस्थाओं पर युद्ध का असर : सामान्यतः भारत जैसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर युद्ध का असर नकारात्मक ही पड़ता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरूर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आप–को अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जी–वनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जी–वनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 अप्रैल 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा प्रातः 07:44 तक
नक्षत्र : हस्त सायं 05:39 तक
योग : ध्रुव दोपहर 02:18 तक
करण : बव प्रातः 07:44 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चैत्र पूर्णिमा , हनुमान जयंती , वैशाख स्नान आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ली रामजल सेतु लिंक परियोजना की बैठक

जयपुर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना की डीपीआर का तकनीकी परीक्षण केन्द्रीय जल आयोग द्वारा कर लिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना के वित्त पोषण के लिए पीआईबी नोट को शीघ्र अंतिम रूप देने और इसके लिए केन्द्र सरकार से आवश्यक समन्वय स्थापित करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना के विभिन्न घटकों में तेजी लाने और मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्बती–कालीसिंध–चम्बल लिंक परियोजना) के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने परियोजना के पूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए शेष कार्यों को निश्चित समयावधि में पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। साथ ही, परियोजना के माध्यम से पेयजल आपूर्ति शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना की प्रगति के संबंध में मंत्री एवं मुख्यमंत्री स्तर पर नियमित बैठक आयोजित की जाए। सतत पर्यवेक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों से मासिक प्रगति रिपोर्ट ली जाए। उन्होंने परियोजना से प्रभावितों को मुआवजे के संबंध में विशेष निर्देश दिए।

उन्होंने बीसलपुर से मोर सागर (अजमेर), ईसरदा से बंध बारैठा (भरतपुर), ईसरदा से रामगढ़ (जयपुर), खुरा चैनपुरा से जयसमंद (अलवर) एवं ब्राह्मणी बैराज के कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। शर्मा ने परियोजना के विभिन्न घटकों के अलाइनमेंट की जानकारी भी ली और परियोजना से संबंधित समस्त कार्यों का सघन पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि नवनेरा बैराज और ईसरदा बांध का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। रामगढ़ बैराज एवं महलपुर बैराज के काफर डेम एवं डेऋनेज फीडर का कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने नवनेरा बैराज से मेज एनीकट के डूब क्षेत्र तक फीडर निर्माण एवं चम्बल एक्वाडक्ट के निर्माण कार्य, मेज एनीकट से गलवा बांध के डूब क्षेत्र तक फीडर ड्रेन, गलवा बांध से ईसरदा डूब क्षेत्र और बीसलपुर डूब क्षेत्र फीडर निर्माण की प्रगति से भी अवगत कराया।

इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आईएएस नरेश कुमार गोयल ने सम्भाला आयुक्त कृषि का कार्यभार

जयपुर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नरेश कुमार गोयल ने बुधवार को पंत कृषि भवन में आयुक्त कृषि का कार्यभार ग्रहण किया तथा विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों ने चिन्मयी गोपाल को भावभीनी विदाई दी। उन्होंने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं तथा कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए नवाचार, तकनीकी विस्तार और समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गोयल ने कहा कि राज्य में किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक एवं कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने खरीफ एवं रबी फसलों के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि कृषि योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक बैठे किसान तक पहुंचाने के लिए धरातलीय स्तर पर निगरानी और समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनायें। उन्होंने प्राकृतिक खेती, जैविक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया, जिससे लागत में कमी और उत्पादन में वृद्धि संभव हो सके। गोयल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए फसल विविधीकरण, जल संरक्षण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाना समय की मांग है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे नवाचारों को प्रोत्साहित करें तथा किसानों को प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नई तकनीकों से जोड़े।

महिलाओं से जुड़े अपराधों का 60 दिन में निस्तारण सुनिश्चित करें : वी. श्रीनिवास

जयपुर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने महिलाओं से जुड़े अपराधों का 60 दिन में निस्तारण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक एफआईआर की स्थिति दो माह में अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेडलीपीआर (मेडिको लीगल एग्जामिनेशन एंड पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट) प्रशिक्षण आयोजित करने, न्याय श्रुति को शीघ्र ऑनबोर्ड करने, जिलों में लोक अभियोजकों की नियमित बैठकें सुनिश्चित करने तथा सिविल राइट्स की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जीरो एफआईआर, ई–एफआईआर एवं सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) के व्यापक उपयोग से तकनीक आधारित पुलिसिंग को सुदृढ़ करते हुए जांच प्रक्रिया को और अधिक गति दी जाए। मुख्य सचिव बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में नई आपराधिक विधियों के क्रियान्वयन एवं स्मार्ट पुलिसिंग पहलों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने नागरिकों को एसएमएस अलर्ट, ऑनलाइन ट्रैकिंग एवं ई–समन जैसी सुविधाएं का व्यापक उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुसंधान अधिकारियों को ई–साक्ष्य के उपयोग हेतु नियमित प्रशिक्षण देने तथा आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े सभी स्तंभों– पुलिस, जेल, अभियोजन, फोरेंसिक एवं न्यायिक अधिकारियों के बीच समन्वय को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने न्यायालयों एवं कारागृहों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर सुनवाई प्रक्रिया को अधिक सुगम एवं त्वरित बनाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से तकनीकी प्लेटफॉर्म्स का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें, ताकि जांच की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता में निरंतर सुधार बना रहे। उन्होंने गंभीर मामलों में फोरेंसिक जांच को प्राथमिकता देने तथा घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हरियाणा सरकार किसान की फसल का एक–एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध : अमित अग्रवाल

चंडीगढ़।, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव अमित अग्रवाल ने जिला उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा के साथ बुधवार को फरीदाबाद जिले की मोहना अनाज मंडी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडी से जुड़ी समस्याओं को लेकर किसान, आढ़ती व अन्य संबंधित हितधारकों से चर्चा कर फीडबैक लिया। निरीक्षण दौरे में किसानों की मांग पर प्रतिबद्धता जताते हुए मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के स्पष्ट निर्देश दिए है कि किसानों की फसल का एक–एक दाना खरीदा जाएगा और साथ ही गेहूं की खरीद के बाद भुगतान किसानों के खातों में सीधे स्थानांतरित किया जाएगा। उन्होंने किसानों के आश्वस्त करते हुए कहा कि मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल के माध्यम से पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है, जिससे किसान स्वयं अपनी फसल का पंजीकरण और ट्रैकिंग कर सकते हैं। पंजीकरण से किसी कारण वंचित किसानों को पुनः पंजीकरण की सुविधा जल्द उपलब्ध करवाई जाएगी। बीते दस वर्षों से लगातार किसान हित में अग्रणी भूमिका निभा रही हरियाणा सरकार

अमित अग्रवाल ने किसानों को पिछले 10 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में की गई उपलब्धियां की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की नीतियों ने 'अन्नदाता' को 'उद्यमी' बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पड़ोसी राज्यों की तुलना में प्रदेश के किसानों को अधिक लाभ दिए जा रहे है। सरकार का एकमात्र उद्देश्य जनहित है। उन्होंने कहा कि किसान व कृषि कार्यों से जुड़े हितधारकों की समस्या व सुझाव पर सरकार का पूरा फोकस है।

टोल दरों में बढ़ोतरी से जनता पर बढ़ेगा ज्यादा आर्थिक बोझ : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश में पहले से ही महंगाई से जूझ रही आम जनता पर अब भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा टोल दरों में लगभग 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर एक और आर्थिक बोझ डाल दिया गया है। यह वृद्धि आज रात 12 बजे से लागू हो गई है, जिससे रोजमर्रा के सफर का खर्च और बढ़ जाएगा। मीडिया को जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि हरियाणा में लगातार बढ़ते टोल प्लाजा और बढ़ती दरें यह दर्शाती हैं कि जनता को सुविधा देने के नाम पर वसूली का बोझ बढ़ाया जा रहा है। किसानों, व्यापारियों, नौकरीपेशा वर्ग और आम यात्रियों पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

कुमारी सैलजा ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार हर मोर्चे पर लोगों को लाइन में खड़ा कर रही है। चाहे वह टोल हो, टैक्स हो या रोजमर्रा की जरूरतें। राहत देने के बजाय लगातार आर्थिक दबाव बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही जनता से वसूली को बढ़ाने के लिए टोल दरों में समय–समय पर बदलाव किए हैं और अब लगातार बढ़ोतरी कर आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाला जा रहा है।

सांसद कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि सरकार की अपनी नीति के अनुसार 60 किलोमीटर से पहले कोई टोल प्लाजा नहीं होना चाहिए, लेकिन हरियाणा में हिसार के दोनों ओर मात्र लगभग 37 किलोमीटर की दूरी पर ही दो टोल प्लाजा बनाए गए हैं, जो सरकार के अपने नियमों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राइवेट कंपनियों के साथ मिलकर टोल के माध्यम से जनता से अनुचित वसूली की जा रही है, जो पूरी तरह से जनविरोधी नीति को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि कई टोल प्लाजाओं पर निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद भी वसूली जारी है, जो पूरी तरह अनुचित है।

क्लस्टर मॉडल, फल उत्पादन और प्राकृतिक खेती से बढ़ेगी किसानों की आय: सैनी

चंडीगढ़, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए फसल विविधीकरण, बागवानी और उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। सिविल सचिवालय में कृषि एवं बागवानी विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में मिट्टी और जलवायु के अनुसार क्लस्टर आधारित खेती मॉडल विकसित किया जाए, जिससे किसानों को बेहतर उत्पादन और उचित मूल्य मिल सके। फल–फसल क्लस्टर पर फोकस मुख्यमंत्री ने स्ट्रॉबेरी, नींबू, अमरूद और ड्रैगन फ्रूट जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों के लिए विशेष क्लस्टर विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण और विपणन तक जोड़ा जाए, ताकि उनकी आय में ठोस बढ़ोतरी हो सके। इसके साथ ही अरहर, सोयाबीन, मूंगफली, दलहन और गन्ने के ऊतक संवर्धन आधारित उत्पादन को भी बढ़ावा देने की बात कही।

बैठक में नरमा, सरसों, अरहर, सोयाबीन और अन्य फसलों की नई संकर एवं अधिक उत्पादन देने वाली किस्में विकसित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को इस दिशा में सक्रिय किया जाए, ताकि बदलते मौसम और जलवायु चुनौतियों के अनुरूप बेहतर बीज तैयार किए जा सकें।

राज्य सरकार ने 2026–27 के लिए 1.40 लाख एकड़ सेम एवं लवणीय भूमि सुधार का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री ने जैव निकास के तहत सफेदा (यूकेलिप्टस) के पौधे लगाने पर जोर दिया, जिससे जलभराव की समस्या को प्राकृतिक तरीके से कम किया जा सके।मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती को अभियान के रूप में आगे बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को जीवामृत, जैविक संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि प्राकृतिक खेती अपनाने से उत्पादन में कमी आती है, तो सरकार किसानों की भरपाई करेगी। बैठक में कीटनाशक दवाइयों की जांच को सख्ती से लागू करने और हानिकारक रसायनों पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही एक अत्याधुनिक जैविक प्रयो–गशाला स्थापित करने की योजना पर भी जोर दिया गया, जहां मिट्टी, पानी और फसलों के नमूनों की वैज्ञानिक जांच की जाएगी।

बैठक में मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, अतिरिक्त मुख्य सचिव विजेंद्र कुमार, डॉ. साकेत कुमार, महानिदेशक राजनारायण कौशिक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों का सम्मान, परिवार को समय देने की सलाह

बेल्लमपल्ली, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने कहा कि पुलिस सेवा के दौरान अधिकारी समाज की सुरक्षा के लिए अपने परिवार से दूर रहते हैं, इसलिए सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहिए।

रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में लंबे समय तक सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हुए एसआई अंजैया, एएसआई एम. वेंकटस्वामी (1987 बैच) और सैयद रईस अहमद (1985 बैच) को माला पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस कमिश्नर ने कहा कि ड्यूटी के दौरान अधिकारियों ने शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कई कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जोखिम उठाया। उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों को योग व व्यायाम करते हुए स्वस्थ रहने तथा परिवार के साथ सुखद समय बिताने की सलाह दी।

इस अवसर पर एडिशनल डीसीपी (एडमिन) के. श्रीनिवास, एओ श्रीनिवास, आरआईएस पेद्दन्ना, मल्लेशम, रमेश, सुपरिंटेंडेंट इंद्रसेना रेड्डी, संदीप, संध्या तथा रामागुंडम पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बोरलाकुंटा पोचालिंगम सहित कई पुलिस अधिकारी और परिजन उपस्थित रहे।

मिशन भागीरथा पाइपलाइन हटाने पर अधिकारियों पर पक्षपात के आरोप

मदनूर, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मदनूर कृषि बाजार समिति के उपाध्यक्ष ने मिशन भागीरथा अधिकारियों पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मेनूर गांव में मुख्य सड़क से लगभग 45 मीटर दूर लाखों रुपये की लागत से बिछाई गई पाइपलाइन को एक मकान निर्माण में बाधा बताकर हाल ही में जमीन से निकाल दिया गया।उन्होंने आरोप लगाया कि जहां एक ओर मकान निर्माण के लिए पाइपलाइन हटाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर किसानों के खेतों में बिछाई गई पाइपलाइन से उन्हें खेती में परेशानी हो रही है, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने अधिकारियों से सभी के साथ समान व्यवहार करने और किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

भाजपा प्रशिक्षण वर्गों की तैयारियों की समीक्षा, आमराजुला श्रीदेवी का सम्मान

बेल्लमपल्ली, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के मंचेरियाल जिला अध्यक्ष नागुनुरु वेंकटेश्वर गौड़ ने अप्रैल माह की 3, 4, 7 और 8 तारीख को आयोजित होने वाली प्रशिक्षण कक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा की और कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर भाजपा राज्य कार्यकारी समिति की सदस्य चुने जाने पर पूर्व विधायक आमराजुला श्रीदेवी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में वार्ड 34 के पार्षद कोक्कुला राममूर्ति, स्टेट काउंसिल मेंबर सुधीर गौड़, जिला उपाध्यक्ष कोडी रमेश, पट्टी वेंकट कृष्णा, जिला मुख्य सचिव एनागंडुला कृष्णमूर्ति, जिला सचिव राचर्ला संतोष कुमार, टाउन अध्यक्ष दारा कल्याणी सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति की सांस्कृतिक इकाई का जिला गठन, पिट्टा रमेश अध्यक्ष चुने गए

पेद्दापल्ली, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति की सांस्कृतिक इकाई की जिला कार्यकारिणी का गठन बुधवार को सर्वसम्मति से किया गया, जिसमें पिट्टा रमेश को जिला अध्यक्ष और टूंडला राजैया को महासचिव चुना गया।

जिला प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने बताया कि यह चयन सांस्कृतिक इकाई के प्रदेश अध्यक्ष चक्रला रघु के निर्देशानुसार सर्वसम्मति से किया गया।

नई समिति में बुर्रागड्डा रवि को मानद अध्यक्ष, पोलिवेनी श्रीनिवास को उपाध्यक्ष, दासारी श्रीनिवास को कोषाध्यक्ष, पुसाला रमनाचारी को प्रचार सचिव, मंडा भास्कर यादव को मुख्य सलाहकार, बियन्ना तिरुपति को सहायक सचिव, कमेरा पद्मा को महिला इकाई अध्यक्ष, कोंड्रा सुनीता को महासचिव तथा कन्नूरी राजैया, तांद्रा महेश और भारला तिरुपति को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

पदाधिकारियों ने कहा कि वे प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिले में आयोजित होने वाले पार्टी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाएंगे।उन्होंने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए विधायक एवं सरकारी सचेतक विजया रमना राव तथा प्रदेश सांस्कृतिक इकाई अध्यक्ष चक्रला रघु के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिना अनुमति के हो रहा संदिग्ध शॉपिंग मॉल का नवीनीकरण, लोगों में भय

कोरुटला, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शहर के कल्लूर रोड स्थित एक शॉपिंग मॉल की इमारत का बिना आधिकारिक अनुमति के किए जा रहे नवीनीकरण को लेकर लोगों में चिंता और आक्रोश बढ़ रहा है।

यह इमारत करीब चार वर्ष पहले आग लगने की घटना में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी।

शहरी अल्पसंख्यक नेता मोइज़ुर रहमान ने सूचना के अधिकार के माध्यम से नगर निगम और अग्निशमन विभाग से जानकारी मांगी थी। दोनों विभागों ने स्पष्ट किया कि भवन की मरम्मत के लिए न तो किसी प्रकार की अनुमति दी गई है और न ही कोई फिटनेस सर्टिफिकेट जारी किया गया है।

हाल ही में मंगलवार को इमारत का मुख्य शटर अचानक तेज आवाज के साथ गिर गया, जिससे आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

सौभाग्य से उस समय कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने भवन की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना परमिट, फिटनेस सर्टिफिकेट और एनओसी के निर्माण कार्य कैसे जारी रहा, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मोइज़ुर रहमान ने कहा कि उन्होंने पहले ही संभावित खतरे को देखते हुए अधिकारियों को आगाह किया था, लेकिन उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। अब हालिया घटना को देखते हुए उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग दोहराई है।

अमृत 2.0 योजना के तहत मंचेरियाल के सात तालाबों का होगा पुनरुद्धार

मंचेरियाल, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार की अमृत 2.0 योजना के तहत मंचेरियाल जिले के सात तालाबों के पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण के लिए 16.09 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई है। निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा।योजना के तहत तालाबों में सीवेज के प्रवेश को रोकने के लिए जल निकासी व्यवस्था, तटबंधों को मजबूत करने, पत्थर पिचिंग, रेलिंग व फेंसिंग लगाने तथा अतिक्रमण हटाने जैसे कार्य किए जाएंगे।

साथ ही भूजल स्तर बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

परियोजना में चेन्नूर का कुम्मारिकुंटा, नासपुर का बड़ा तालाब, मंचेरियाल का रामुनी तालाब, लक्सेट्टीपेट का इटिक्याला तालाब, क्यातानापल्ली का पॉटरी पॉन्ड, मंदामर्री क्षेत्र का तालाब और बेल्लमपल्ली का जातिकुंटा शामिल हैं।

हालांकि, कई तालाबों पर अतिक्रमण और सीवेज प्रदूषण गंभीर समस्या बनी हुई है। अधिकारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बफर जोन में हुए अवैध निर्माण को हटाना और तालाबों से गाद निकालकर उन्हें वास्तविक रूप से पुनर्जीवित करना है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नालों का गंदा पानी पूरी तरह डायवर्ट किया जाए और पूर्व में अधूरे छोड़े गए कार्यों को समय पर पूरा किया जाए, तभी इस योजना के अपेक्षित परिणाम सामने आएंगे।

मिलेट्स के महत्व पर जागरूकता, किश्तमपेट कॉलेज में फूड फेस्टिवल आयोजित

मंचेरियाल, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी डिग्री कॉलेज, किश्तमपेट में प्राचार्य पटवर्धन के नेतृत्व में मिलेट्स (श्रीअन्न) के महत्व पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. समीरा रेड्डी ने पारंपरिक अनाजों के पोषण मूल्य और उनके स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं डॉ. सुकुमार ने मिलेट्स को संतुलित आहार बताते हुए विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए इसके लाभों की जानकारी दी।

बॉटनी विभाग की प्रोफेसर सविता ने विभिन्न प्रकार के मिलेट्स और उनके उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न व्यंजनों का मूल्यांकन किया गया तथा अतिथियों का सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और शिक्षक उपस्थित रहे।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : कलेक्टर कुमार दीपक

मंचेरियाल, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के कल्याण के साथ-साथ उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निरंतर सहयोग दे रही है।

बेल्लमपल्ली मंडल के पेरकपल्ली गांव में आयोजित सिलाई मशीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्होंने अधिकारियों के साथ भाग लेते हुए बताया कि रैम्प परियोजना के तहत स्वयं सहायता समूहों और स्टार्टअप्स को एमएसएमई के रूप में विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना से महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा सुविधा मिल रही है, जबकि इंदिरा महिला शक्ति योजना के माध्यम से स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं आत्मनिर्भर बनें और समाज में प्रेरणा का स्रोत बनें, ऐसा आह्वान किया।

इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

हिंसा पीड़ित महिलाओं को सखी केंद्रों से मिले हर संभव सहायता : कलेक्टर

पेद्दापल्ली, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने कहा कि घरेलू या अन्य प्रकार की हिंसा का सामना कर रही महिलाओं को सखी केंद्रों के माध्यम से आवश्यक सेवाएँ और सहायता अवश्य उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

उन्होंने रंगमपल्ली स्थित सखी केंद्र का औचक निरीक्षण कर वहाँ रखे रजिस्टरों की जाँच की और परामर्श ले रहे जोड़ों से बातचीत कर प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर ने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि केंद्र आने वाली महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए, उन्हें आवश्यक परामर्श और जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता भी प्रदान की जाए।

साथ ही, मामलों में नियमित फॉलो-अप बनाए रखने और सखी केंद्र की सेवाओं के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता फैलाने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

टीपीसीसी नेता पेरका श्याम ने एमएलसी विजयशांति से की शिष्टाचार भेंट

पेद्दापल्ली, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ,
पेद्दापल्ली के प्रमुख जननेता एवं तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के पदाधिकारी पेरका श्याम ने हैदराबाद में विधान परिषद सदस्य एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री विजयशांति के आवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और तेलंगाना आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं की

समस्याओं पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। पेरका श्याम ने सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विजयशांति ने भी श्याम की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि भविष्य में वे जन मुद्दों के समाधान के लिए संयुक्त रूप से आगे बढ़ेंगे।

इस दौरान तेलंगाना मूवमेंट फोरम के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. श्रीनिवास सहित अन्य प्रमुख नेता भी उपस्थित रहे।

गुवाहाटी और रांची जैसे नये केन्द्रों पर टेस्ट मैचों का आयोजन खुशी की बात : सौरव गांगुली

कोलकाता, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के अनुसार आस्ट्रेलिया के खिलाफ बार्डर गावस्कर ट्राफी के टेस्ट मुकाबले नागपुर, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद, चेन्नई में आयोजित किया जाना एक अच्छा संकेत है। गांगुली ने कहा कि देश में हर जगह मैचों का आयोजन होना अच्छा कदम है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बार कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों की जगह पर अन्य स्थानों पर मुकाबले आयोजित किये हैं जिससे इन जगहों पर भी खेल ढ़ांचा बेहतर हो सके। ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। गांगुली बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) के प्रमुख भी हैं। उनका कहना है कि कैब प्रमुख होने के कारण ईडन गार्डेंस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट होना उनके लिए खुशी की बात होती है पर उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे नये केंद्रों पर रखे गये हैं। बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह ही भारतीय क्रिकेट टीम के घरेलू सत्र की घोषणा करते हुए कहा कि इस बार कोलकाता और मुंबई में टेस्ट मुकाबले नहीं रखे जाएंगे। गांगुली ने कहा, ईडन गार्डेंस पर बड़े टेस्ट मैच होते देखना हमेशा अच्छा लगता है। कैब अध्यक्ष होने के कारण मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हों। उन्होंने कहा, हम सभी चाहते हैं कि कोलकाता में ज्यादा मैच हो पर हमें यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिए। गुवाहाटी नवंबर 2025 में ही टेस्ट केंद्र बना और वहां एक साल के भीतर दूसरा टेस्ट होने जा रहा हैं। वहीं अहमदाबाद के स्टेडियम पर पिछले साल अक्टूबर में ही टेस्ट हुआ था। वहीं मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम पर आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में खेला गया था। बोर्ड के कैलेंडर के अनुसार कोलकाता में तीन जनवरी , 2027 और मुंबई में (9 जनवरी, 2027 में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय रखे गये हैं। दिल्ली में इस साल 13 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय मैच भी होगा। उन्होंने कहा, पूरे भारत में अच्छे स्टेडियम है। इसलिए मुझे चेन्नई, गुवाहाटी और रांची में टेस्ट होते देखकर अच्छा लगता है। वहां सुविधायें काफी अच्छी है। वहीं पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने कहा, हमारे समय में कोलकाता, कानपुर, चेन्नई , दिल्ली और मुंबई में ही टेस्ट होते थे। उसका अपना आकर्षण था। इसलिए मुझे लगता है कि अब भी ऐसा ही होना चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

मेसी के गोल और असिस्ट से अर्जेंटीना की शानदार जीत, मैत्री मैच में जाम्बिया को 5-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अर्जेंटीना राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मंगलवार को जाम्बिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला ब्यूनस आयर्स के मशहूर ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में खेला गया। कोच लियोनेल स्कालोनी ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद मेसी को दोबारा प्लेइंग इलेवन में शामिल किया, और उन्होंने तुरंत असर दिखाया। मैच के चौथे मिनट में ही मेसी ने शानदार पास देकर जूलियन अल्वारेज से पहला गोल करवाया। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले मेसी ने खुद भी गोल दागते हुए अंतरराष्ट्रीय करियर का 116वां गोल पूरा किया। उन्होंने एलेक्सिस मैक एलिस्टर के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गेंद को जाल में पहुंचाया। दूसरे हाफ में अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली, लेकिन मेसी ने खुद शॉट लेने के बजाय गेंद निकोलस ओटामेंडी को सौंप दी, जिन्होंने इसे गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद जाम्बिया के डोमिनिक चांदा के आत्मघाती गोल से बढ़त 4-0 हो गई। अंत में युवा खिलाड़ी वैलेन्टिन बार्को ने इंजरी टाइम में गोल कर स्कोर 5-0 कर दिया। यह मुकाबला मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के लिए वर्ल्ड कप से पहले घरेलू मैदान पर आखिरी मैच था। टीम जून में होने वाले टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करेगी, जहां उसका सामना अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा। कप्तान मेसी से एक बार फिर टीम को खिताब दिलाने की उम्मीदें होंगी।

आरसीबी में सभी को अपनी भूमिका पता है : कुणाल

बेंगलुरू। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने आईपीएल में 19 वें सत्र की शुरुआत शानदार जीत से की है। जिसके बाद से ही टीम में उत्साह का माहौल है। इस प्रकार टीम अपना खिताब बरकरार रखने के लिए तैयार नजर आती है।

पहले मैच में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिन आलाउंडर कुणाल पंड्या का कहना है कि टीम पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर हुई है। कुणाल के अनुसार पिछले साथ पिछले साल टीम नई थी पर इस बार खिलाड़ी एकदूसरे से घुल मिल गये हैं और सभी को अपनी भूमिका पता है। इससे किसी प्रकार का संशय नहीं रहता है। आरसीबी ने पिछले सत्र में पहली बार । खिताबी जीत दर्ज की थी। कृणाल ने कहा, इस साल टीम में बदलाव नहीं हुए है। सभी पहले से खेल रहे हैं, ऐसे में टीम संतुलन भी बेहतर हुआ है। इस साल खिलाड़ियों को अपनी भूमिका के साथ ही ताकत और कमजोरी पता है। उन्होंने कहा, जब मैं बड़े अवसरों पर खेलता हूं तो मुझे लगता है कि अगर भगवान आपको यहां तक लाए हैं तो कोई कारण होगा और मुझे लगता है कि ये बड़े मौके मेरे लिए ही बने हैं। मुझे पहले दबाव महसूस होता था पर अब में शांत रहने का प्रयास करता हूं। जिससे की बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। उन्होंने कहा कि टीम में अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली से सभी प्रेरित रहते हैं। उनका खेल के प्रति जो जुनून है उसकी कोई बराबरी नहीं सकता है।

माल्टा और गोजो में खेले जाएंगे राष्ट्रमंडल युवा खेल : सैडलियर

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल युवा खेल अगले साल 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक माल्टा और गोजो में खेले जाएंगे।

इन खेलों का उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को होगा जिसके बाद 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक खेल स्पर्धायें होंगी। इससे युवाओं को अभी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। इन खेलों में आठ स्पर्धाएं तैराकी और पैरा तैराकी, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, नेटबाल, सेलिंग, स्क्वाश, ट्रायथलान, वाटर पोलो और भारोत्तोलन शामिल रहेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी केटी सैडलियर ने कहा, माल्टा 2027 एक रोमांचक और अच्छे खेलों का वादा करता है। साथ ही कहा विश्व स्तर की सुविधाएं भी इसमें युवाओं को मिलेंगी जिससे भविष्य के सितारे निकलेंगे। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इन खेलों में नौकायन और वाटर पोलो का भी पहली बार आयोजन होगा। माल्टा में राष्ट्रमंडल के 74 देशों और क्षेत्रों से लगभग 1,200 एथलीटों के 14 से 18 वर्ष की आयु वर्ग में भाग लेने की उम्मीद है।

दिल्ली ने लखनऊ को छह विकेट से रौंदा

लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान आईपीएल 2025 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। घुटने में इंजरी की वजह से वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाए थे। लखनऊ सुपर जायंट्स ने मेगा ऑक्शन से पहले मोहसिन को 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। आईपीएल 2026 में लखनऊ के पहले मुकाबले में मोहसिन को लखनऊ की प्लेइंग इलेवन में मौका मिला। 2024 के बाद प्रोफेशनल क्रिकेट में वह पहली बार मैदान पर उतरे।

मोहसिन ने नीतीश राणा को आउट किया

मोहसिन खान ने अपने पहले ही ओवर में नीतीश राणा को आउट कर दिया। गेंद ने नीतीश के बल्ले का किनारा लिया और स्लिप की तरफ गई। अब्दुल समद पहली बार में गेंद को नहीं लपक पाए।

हालांकि गेंद हाथ में लगने के बाद उछल गई और उन्होंने दूसरी कोशिश में इसे लपक लिया। राजस्थान से ट्रेड होकर दिल्ली में आए नीतीश राणा ने 17 गेंद पर 15 रनों की पारी खेली। मोहसिन ने अपने पहले ओवर में कोई रन नहीं दिया। यह आईपीएल 2026 में किसी भी गेंदबाज का पहला मेडन भी है।मोहसिन खान कई सीजन तक आईपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला।

2022 के ऑक्शन में उन्हें लखनऊ ने खरीदा और प्लेइंग इलेवन में शामिल भी किया। 9 मैचों में मोहसिन ने उस सीजन 14 विकेट लिए थे। उनकी इकोनॉमी 6 से भी कम की थी। उसके बाद से वह इंजरी से परेशान रहे हैं। 2023 सीजन में मोहसिन 5 तो 2024 में 10 मैच खेल पाए।

लखनऊ सुपर जायंट्स की बैटिंग नहीं चली

लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इस मैच में टॉस जीतने के बाद बॉलिंग करने का फैसला किया।

लखनऊ की बैटिंग नहीं चली और टीम की पारी 141 रनों पर ही सिमट गई। टी नटराजन और लुंगी एनगिडी ने 3-3 शिकार किए। अब्दुल समद ने 36 और मिचेल मार्श ने 35 रनों की पारी खेली।

वर्ल्ड कप से पहले ब्राज़ील की दमदार तैयारी, क्रोएशिया को 3-1 से हराया

आरलैंडो, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

ब्राज़ील राष्ट्रीय फुटबाल टीम ने वर्ल्ड कप की तैयारियों के तहत खेले गए मैत्री मुकाबले में क्रोएशिया राष्ट्रीय फुटबाल टीम को 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मुकाबला मंगलवार को कैम्पिंग वर्ल्ड स्टेडियम में खेला गया। मैच के पहले हाफ में ब्राज़ील ने गेंद पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए। 20वें मिनट में दानिलो का प्रयास क्रोएशियाई गोलकीपर डोमिनिक लिवाकोविच ने रोक दिया। इसके बाद भी ब्राज़ील लगातार आक्रामक खेल दिखाता रहा।

आखिरकार पहले हाफ के अंत में ब्राज़ील को सफलता मिली, जब माथियस कुन्हा के पास पर विनीसियस जूनियर ने बेहतरीन रन बनाते हुए दानिलो को पास दिया, जिन्होंने शानदार फिनिश के साथ टीम को बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में क्रोएशिया ने वापसी की कोशिश की और 84वें मिनट में लोवरो माजेर ने टोनी फ्रुक के क्रास पर गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया।

हालांकि, इसके बाद ब्राज़ील ने तेजी से जवाब दिया। 88वें मिनट में इगोर थियागो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को फिर से बढ़त दिलाई। इंजरी टाइम में गेब्रियल मार्टिनेली ने गोल कर जीत 3-1 से पक्की कर दी।

मैच के बाद कैसेमिरो ने कहा कि टीम को अभी और सुधार की जरूरत है, लेकिन वे वर्ल्ड कप में पूरी ताकत के साथ उतरेंगे।

अब ब्राज़ील जून में मिस्र राष्ट्रीय फुटबाल टीम के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेगा, जबकि वर्ल्ड कप में उसका पहला मुकाबला मोरक्को से होगा। वहीं, क्रोएशिया टूर्नामेंट से पहले बेल्जियम और स्लोवेनिया के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।

मलेशिया और वियतनाम ने जीता जूनियर डेविस कप का टिकट

कोलंबो। जूनियर टेनिस के क्षेत्र में एशिया-ओशिनिया क्षेत्र के उभरते सितारों ने श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में अपना दमखम दिखाया। 23 से 28 मार्च तक चले जूनियर डेविस कप प्री-क्वालिफाइंग इवेंट में मलेशिया और वियतनाम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पूरे सप्ताह चले इस कड़े मुकाबले में श्रीलंका और तुर्कमेनिस्तान की टीमें क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन क्वालीफाइंग का टिकट केवल शीर्ष दो टीमों के हाथ लगा। कोलंबो में मिली इस जीत के बाद अब मलेशिया और वियतनाम की टीमें मई 2026 में शिमकेंट, कजाकिस्तान में होने वाले एशिया/ओशिनिया फाइनल क्वालीफाइंग इवेंट में हिस्सा लेंगी। प्री-क्वालिफाइंग के मुकाबले इस अगले चरण की चुनौती काफी कठिन होने वाली है। यहाँ इन दोनों टीमों का सामना भारत, जापान, कोरिया, कजाकिस्तान, थाईलैंड और उज्बेकिस्तान जैसे टेनिस के दिग्गज देशों की टीमों से होगा। यह चरण जूनियर खिलाड़ियों के लिए एशिया के सबसे बड़े परीक्षणों में से एक माना जा रहा है। भले ही शीर्ष दो टीमें आगे बढ़ी हों, लेकिन कोलंबो में प्रदर्शन करने वाली सभी शीर्ष चार टीमों (मलेशिया, वियतनाम, श्रीलंका और तुर्कमेनिस्तान) ने अपने खेल से प्रभावित किया।

इटली लगातार तीसरी बार फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, प्लेआफ में बोस्निया से पेनल्टी शूटआउट में मिली हार

जेनिका, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

चार बार की विश्व चैंपियन इटली राष्ट्रीय फुटबाल टीम एक बार फिर फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही है। यूरोपीय प्लेआफ मुकाबले में इटली को 66वीं रैंकिंग वाली बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा।

मुकाबले की शुरुआत में मोइज़ कीन ने गोल कर इटली को बढ़त दिलाई, लेकिन पहले हाफ में ही सेंटर-बैक अलेसांद्रो बास्तोनी को रेड कार्ड मिलने से टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। इसका फायदा उठाते हुए बोस्निया के सब्स्टीट्यूट हारिस तबाकोविक ने 79वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया, जिससे मैच अतिरिक्त समय में चला गया।

अतिरिक्त समय में भी कोई नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा, जहां इटली को हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ ही इटली लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गई है। इससे पहले टीम को

पिछले दो वर्ल्ड कप क्वालीफायर प्लेआफ में स्वीडन और नार्थ मैसिडोनिया के हाथों बाहर होना पड़ा था।

1934, 1938, 1982 और 2006 में खिताब जीत चुकी इटली अब कम से कम 16 साल तक वर्ल्ड कप में एक भी मैच खेले बिना रह सकती है। टीम का खराब प्रदर्शन 2010 और 2014 वर्ल्ड कप से ही शुरू हो गया था, जहां वह ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सकी थी। हालांकि, इटली ने 2021 में यूरोपीय चैम्पियनशिप जीतकर वापसी की झलक जरूर दिखाई थी। इटली का आखिरी वर्ल्ड कप नाकआउट मैच 2006 में था, जब उसने फाइनल में फ्रांस को हराकर खिताब जीता था। 1958 के बाद यह पहली बार है जब इटली इतनी बार वर्ल्ड कप में क्वालीफाई करने में असफल रही है, जिससे टीम के प्रदर्शन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले : माइकल वान

लंदन, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र के पहले ही मैच में वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा है उसे भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। वैभव ने जिस प्रकार राजस्थान रायल्य की ओर से खेलते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 15 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया उससे वान हैरान हैं। वान ने कहा कि वैभव को अब आने वाले समय में इंग्लैड दौरे पर भेजना चाहिये। उनका मानना है कि इस उभरते हुए बल्लेबाज को एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार किया जाना चाहिये। वान के अनुसार अगर वैभव इंग्लैंड दौरे के लिए सीमित ओवरों के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं बना पाते, तो भी उन्हें तीन टी20 मैचों की टीम

में शामिल किया जाना चाहिए। इससे उन्हें सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहने और माहौल समझने का अनुभव मिलेगा।

वान ने कहा, वो भारतीय टीम में कब शामिल किया जाता है मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। अगर मैं भारतीय क्रिकेट में होता, तो मैं उसे उस दौरे पर ले जाता। जरूरी नहीं कि वो अभी टीम में खेल रहे खिलाड़ियों की जगह ले पर उसे टीम के माहौल में लाना जरूरी है। उसे टीम के साथ लाओ, अगर एक-दो मैच खेलने का मौका मिले तो शानदार, लेकिन उसे दौरे पर ले जाओ। उन्होंने साथ ही कहा, मैं उसे भारतीय टीम के साथ थोड़ा अनुभव दिलाता। जरूरी नहीं कि वो सीधे टीम में शामिल हो पर उसका टीम के साथ रहना अनुभव के हिसाब से अच्छा रहेगा। उसके प्रदर्शन पर किसी को भी संदेह नहीं है। पिछले एक साल में वैभव ने काफी रन बनाए हैं। सिर्फ आईपीएल ही नहीं अंडर-19 क्रिकेट में भी धमाका किया है। उन्होंने इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में शतक लगाये हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन बनाये।

तेज गेंदबाज से मैच रैफरी तक पहुंचे श्रीनाथ

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और वर्तमान में आईसीसी मैच रैफरी जवागल श्रीनाथ ने भारतीय टीम में अपनी अलग ही पहचान बनायी है। आमतौर पर लाइम लाइट से दूर रहे श्रीनाथ एक ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने उस दौर में गेंदबाज की कमान संभाली जब भारतीय टीम में स्पिनरों का दबदबा था। इसके बाद भी श्रीनाथ ने अपनी रफ्तार और सटीक लाइन व लैंथ से अपनी अलग पहचान बनायी। उन्होंने जब तेज गेंदबाजी की कमान संभाली तब महान आलराउंडर कपिल देव संन्यास के करीब थे। ऐसे में सभी की अपेक्षाएं बढ़ी हुई थीं। श्रीनाथ ने अपने को साबित भी किया उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1996 में अहमदाबाद में 21 रन देकर 6 विकेट झटककर भारत को अविश्वसनीय जीत दिलाई थी. वह भारत के पहले ऐसे गेंदबाज थे जिन्होंने लगातार 150 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी की। वहीं साल 2002 में श्रीनाथ ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। श्रीनाथ ने इसके बाद 2003 विश्वकप में जबरदस्त गेंदबाजी की और सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने। भारतीय टीम के फाइनल तक के सफर में उनकी अहम भूमिका रही। श्रीनाथ ने अपने करियर में 315 एकदिवसीय और 236 टेस्ट विकेटों लिए। संन्यास के बाद भी वह अंपायर के तौर पर खेल से जुड़े रहे।

जेट फ्यूल की कीमत में दोगुनी से ज्यादा की बढ़ोतरी, और महंगा हो सकता है हवाई सफर

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। **सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने नए वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दिन ही एटीएफ यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल या जेट फ्यूल के दाम में जबरदस्त बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद पहली बार जेट फ्यूल की कीमत दो लाख रुपये प्रति किलो लीटर के स्तर को पार कर गई है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण देश में पहली बार जेट फ्यूल की कीमत में दोगुनी से भी अधिक बढ़ोतरी की गई है।**

उल्लेखनीय है कि ये लगातार दूसरा महीना है, जब सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों ने जेट फ्यूल की कीमत मे इजाफा किया है। इसकी कीमत में दोगुनी से भी ज्यादा बढ़ोतरी होने के कारण तमाम एयरलाइंस समेत सिविल एविएशन सेक्टर में काम करने वाली सभी कंपनियों के आपरेटिंग कास्ट में जबरदस्त बढ़ोतरी होना तय हो गया है। ऐसी स्थिति में अब हवाई सफर के और महंगा हो जाने की आशंका भी बन गई है।

इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार दिल्ली में जेट फ्यूल की कीमत 1,10,703.08 रुपये प्रति किलो लीटर यानी 114.5 प्रतिशत बढ़ा दी गई है। इस बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 2,07,341.22 रुपये प्रति किलो लीटर हो गई है। पहले पिछले महीने एक मार्च को एटीएफ की कीमत में 5,244.75 रुपये प्रति किलो लीटर यानी 5.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। आयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा की गई बढ़ोतरी के बाद पहली बार जेटफ्यूल (एटीएफ) की कीमत दो लाख रुपये प्रति किलो लीटर के आंकड़े को पार कर गई है। इससे पहले 2022 में एटीएफ की कीमत अपने आल टाइम हाई पर पहुंची थी। उस समय जब रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद तेल की कीमतों में भारी उछाल आया था, जिसकी वजह से जेट फ्यूल की कीमत उछल कर 1.10 लाख रुपये प्रति किलोलीटर हो गई थी। हालांकि बाद में इसका कीमत में गिरावट आ गई थी, जिससे जेट फ्यूल एक लाख रुपये के स्तर से नीचे आ गया था।

मौजूदा समय में अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच जारी जंग की वजह से पूरी दुनिया के सामने ऊर्जा के संकट की स्थिति बन गई है। इस जंग के कारण कच्चे तेल की आवाजाही में इस्तेमाल होने वाला महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद जैसी स्थिति में आ गया है। इसकी वजह से दुनिया के कई देशों को इस रास्ते से होने वाली गैस और कच्चे तेल लगभग ठप हो गई है। इसके साथ ही इस जंग और हार्मुज स्ट्रेट के ठप होने के कारण कच्चे तेल के दाम भी आसमान पर पहुंच गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी, नई दरें लागू

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनियाभर में क्रूड आयल की कीमतों में उछाल के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में बुधवार को 195.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई है। इंडियन आयल के वेबसाइट के मुताबिक, कमर्शियल एलपीजी के दाम में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 2,078.50 रुपये हो गई है। इससे पहले 1 मार्च को 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडर की कीमत अभी 913 रुपये है। इससे पहले, सात मार्च को 14.2 किलोग्राम के घरलू एलपीजी के सिलेंडर की कीमत 60 रुपये बढ़ाई गई थी। उल्लेखनीय है कि सरकारी स्वामित्व वाली इंडियन आयल कार्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम अंतरराष्ट्रीय मानकों और विनिमय दर के आधार पर हर महीने की पहली तारीख को एटीएफ और एलपीजी की कीमतों की समीक्षा करती हैं। पिछले साल मार्च में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कमी के बाद से इसकी कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

एसयूवी स्कोडा कियाक की सीमित यूनिट्स को किया रिकाल

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी स्कोडा आटो ने अपनी प्रीमियम एसयूवी स्कोडा कियाक की सीमित यूनिट्स को रिकाल किया है। इस एसयूवी की फ्रंट सीट्स के इनर फ्रेम के किनारों में गड़बड़ी है। कंपनी के अनुसार, 10 मार्च से 8 दिसंबर 2025 के बीच मैन्युफैक्चर हुई कुल 221 गाड़ियों में तकनीकी खामी पाई गई है, जिसके चलते यह फैसला लिया गया है। यह खामी खासतौर पर साइड एयरबैग की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती है। दुर्घटना की स्थिति में एयरबैग पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाएंगे, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है और चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। गौरतलब है कि सेकेंड जेनरेशन कोडियाक को भारत में पिछले साल अप्रैल में लान्च किया गया था और यह कंपनी की सबसे प्रीमियम पेशकशों में से एक है। इसमें 2.0 लीटर, 4-सिलेंडर टीएसआई टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 7-स्पीड डीएसजी आटोमैटिक ट्रांसमिशन और आल-व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आता है। यह एसयूवी 201 बीएचपी की पावर और 320 एनएम का टार्क जनरेट करती है। शुरुआत में इसे थ्री-रो सीटिंग लेआउट के साथ पेश किया गया था और यह स्पोर्टलाइन व सिलेक्शन एल एंड केजैसे वेरिएंट्स में उपलब्ध रही।

इंडिगो: एयरलाइन के सह-संस्थापक राहुल भाटिया बोले- मैं कुछ ही दिनों का मेहमान;

नई दिल्ली। इंडिगो के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने मंगलवार को खुद को कुछ ही दिनों का मेहमान बताया। भाटिया फिलहाल एयरलाइन के कामकाज को संभाल रहे हैं। कंपनी नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में विलियम वाल्श का स्वागत करने जा रही है। 10 मार्च को तत्कालीन सीईओ पीटर एल्बर्स के अचानक पद से इस्तीफा दिया था। इसके तीन हफ्ते से भी कम समय बाद इंडिगो ने मंगलवार को घोषणा की कि विमानन क्षेत्र के अनुभवी वाल्श उनकी जगह लेंगे और इस साल 3 अगस्त तक या उससे पहले कार्यभार संभाल सकते हैं। कर्मचारियों को भेजे संदेश में राहुल भाटिया ने क्या कहा कर्मचारियों को भेजे गए एक आंतरिक संदेश में भाटिया ने कहा कि उनके अनुसार इंडिगो खुद को भाग्यशाली मानती है कि वाल्श जैसे अनुभवी व्यक्ति उसका नेतृत्व करेंगे। इतना ही नहीं, मुझे इस बात पर भी गर्व है कि निदेशक बोर्ड के निमंत्रण को स्वीकार करके उन्होंने यह भरोसा जताया है कि आप सभी ने वर्षों में जो मेहनत से बनाया है, उस पर उनका भरोसा है।

पश्चिम एशिया तनाव के कम होने के संकेतों के बीच सोने-चांदी में तेजी की उम्मीद

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। **पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच वैश्विक संकेतों के आधार पर सोने की कीमतों में उछाल आया है। स्पाट गोल्ड करीब 2.39 प्रतिशत बढ़कर 4,619.14 डालर प्रति औंस तक पहुंच गया, जबकि जून डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 2 प्रतिशत बढ़कर 4,649.26 डालर पर ट्रेड कर रहे थे। इसी तरह चांदी की कीमतों में भी तेज बढ़त दर्ज की गई। स्पाट सिल्वर 4.82 प्रतिशत बढ़कर 73.48 डालर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि कामेक्स सिल्वर 4.44 प्रतिशत बढ़कर 73.705 डालर पर ट्रेड कर रहा था।**

घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) पर सोने का जून वायदा 0.15 प्रतिशत गिरकर 1,47,450 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जबकि चांदी का मई वायदा मामूली बढ़त के साथ 2,29,033 रुपए प्रति किलो पर बंद हुआ। हालांकि, सोना इस महीने 17 साल की सबसे बड़ी गिरावट की ओर बढ़ रहा है। ऊर्जा कीमतों में तेजी के कारण अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कमजोर हुई है, जिससे सोने पर दबाव बना हुआ है। बाजार का माहौल उस समय बेहतर हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में खबर आई कि वे ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई खत्म करने के संकेत दे रहे हैं। इससे वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने की भावना बढ़ सकती है। रिपोर्ट्स में बताया गया हैं कि भले ही होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह से नहीं खुला हो, फिर भी अमेरिका फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोक सकता है और इस महत्वपूर्ण तेल मार्ग को बाद में खोलने की कोशिश की जा सकती है। हालिया तेजी के बावजूद, इस महीने अब तक सोने की कीमतों में 13 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है, जो अक्टूबर 2008 के बाद सबसे बड़ी मासिक गिरावट हो सकती है।

अब देश में बिकेंगे सिर्फ मेड इन इंडिया सीसीटीवी, सरकार का बड़ा फैसला; चीन की कंपनियों को फिर लगा झटका

नई दिल्ली । देश में सुरक्षा उपकरणों को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सरकार ने फैसला किया है कि अब भारत में सिर्फ मेड इन इंडिया सीसीटीवी कैमरे ही बेचे जाएंगे। एक अप्रैल से बिना प्रमाणित विदेशी सीसीटीवी उत्पादों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इस फैसले को देश की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि जिन सीसीटीवी कैमरों के पास एसटीक्यूसी प्रमाणन नहीं होगा, उन्हें बाजार में बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आयातित उत्पादों के पुराने स्टाक को खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 तक का समय दिया गया था। अब इस अवधि के खत्म होते ही नया नियम लागू हो गया है। क्या है एसटीक्यूसी और यह क्यों जरूरी है एसटीक्यूसी यानी स्टैंडर्डाइजेशन टेस्टिंग एंड क्वालिटी सर्टिफिकेशन एक सरकारी मानक है, जो किसी भी इलेक्ट्रानिक उत्पाद की गुणवत्ता और सुरक्षा को जांचता है। सरकार का कहना है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि बाजार में बिकने वाले सीसीटीवी सुरक्षित और भरोसेमंद हों। क्या विदेशी कंपनियों पर पड़ेगा असर इस फैसले का सबसे ज्यादा असर चीन की कंपनियों पर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक हिकविजन और टीपी-लिंक जैसी कंपनियों को एसटीक्यूसी प्रमाणन नहीं मिला है। ऐसे में उनके उत्पाद अब भारतीय बाजार में नहीं बिक सकेंगे। इससे विदेशी कंपनियों की पकड़ कमजोर होने की संभावना है। क्या कीमतों में बढ़ोतरी होगी ट्रेडर्स का कहना है कि इस फैसले के बाद सीसीटीवी कैमरों की कीमत में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। इसका कारण यह है कि अब घरेलू कंपनियों को खुद तकनीक विकसित करनी होगी। खासकर चिप और मदरबोर्ड जैसे हिस्सों पर ज्यादा काम करना पड़ेगा, जिससे लागत बढ़ सकती है। क्या भारतीय कंपनियों को मिलेगा फायदा घरेलू कंपनियों के लिए यह बड़ा अवसर माना जा रहा है।

वुलिंग मिनी ईवी का 2026 माडल लान्च, स्मार्ट फीचर्स से है लैस

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। **वुलिंग मिनी ईवी का 2026 माडल चीन में लान्च हो गया है। यह काम्पैक्ट इलेक्ट्रिक कार दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली एंट्री-लेवल ईवीज में से एक रही है। इस कार की कीमत करीब 6.15 लाख रुपये से शुरू होकर 7.5 लाख रुपये तक जाती है। इसका कनेक्शन भारत में उपलब्ध एमजी कामेट ईवी से भी जोड़ा जाता है। ऐसे में उम्मीद है कि इसके कुछ फीचर्स भारतीय बाजार में भी देखने को मिल सकते हैं।**

नई वुलिंग मिनी ईवी को पहले से ज्यादा माडर्न और प्रैक्टिकल बनाया गया है। इसका डिजाइन काम्पैक्ट होने के बावजूद आकर्षक है, जिसमें गोल एलईडी हेडलैंप, क्लोज्ड ग्रिल और बाक्सी स्टाइल दिया गया है, जो इसे शहर के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त बनाता है। इंटीरियर में इस बार बड़ा अपग्रेड देखने को मिला है। इसमें 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो एप्पल कारप्ले और हुआवे हायकार को सपोर्ट करता है। इसके अलावा पेट मोड, कैंपिंग मोड और रैन मोड जैसे फीचर्स इसे और ज्यादा यूजर-फ्रेंडली बनाते हैं। परफार्मेंस की बात करें तो इसमें 30किलोवाट की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो शहर में रोजाना इस्तेमाल के लिए पर्याप्त है।

कार दो बैटरी आप्शन के साथ आती है एक 205 किमी और दूसरा 301 किमी की रेंज देता है। फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ यह कार मात्र 35 मिनट में 30 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। छोटे आकार के बावजूद इसमें चार लोग आराम से बैठ सकते हैं और पीछे की सीट फोल्ड करने पर अच्छा बूट स्पेस भी मिल जाता है। सुरक्षा के लिए इसमें एयरबैग, ईएससी और मजबूत बाडी स्ट्रक्चर दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ट्रंप कार्ड...

उन्होंने कहा कि अमेरिका तभी इस पर विचार करेगा, जब होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुला, स्वतंत्र और सुरक्षित होगा। अन्यथा अमेरिका ईरान पर कड़ा सैन्य दबाव जारी रखेगा।

हालांकि, ईरानी मीडिया ने विदेश मंत्रालय के हवाले से ट्रंप के इस दावे को झूठा और निराधार बताया है। ईरान ने साफ किया है कि युद्धविराम को लेकर किसी प्रकार की बातचीत नहीं चल रही है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि तेहरान युद्धविराम पर तभी विचार करेगा, जब उसके विरोधी यह गारंटी दें कि भविष्य में हमले दोबारा शुरू नहीं होंगे। इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बयान जारी कर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य देश के दुश्मनों के लिए बंद रहेगा।

गार्ड्स ने यह भी पुष्टि की कि उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में एक तेल टैंकर को निशाना बनाया, जिसे उन्होंने इजरायल से जुड़ा बताया।

तेहरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि उनके बयान अस्थिर और विरोधाभासी होते हैं। अधिकारी ने कहा कि ऐसे बयानों को अधिक महत्व नहीं दिया जाना चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप भारतीय समयानुसार गुरुवार को सुबह 6:30 बजे राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं। इस दौरान वे ईरान युद्ध की स्थिति और संभावित कूटनीतिक पहल पर महत्वपूर्ण बयान दे सकते हैं। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि वे किसी औपचारिक घोषणा की योजना बना रहे हैं या नहीं।

बाजार की नजरें...

वहीं ऊपर की ओर 22,800 अंक एक रेसिस्टेंस है। अगर निफ्टी इसे पार कर लेता है, तो फिर 23,000 की तरफ बढ़ सकता है।

लेकिन सबकुछ गुरुवार की सुबह ट्रंप के संबोधन पर निर्भर करेगा। अगर ट्रंप युद्ध समाप्ति की घोषणा करते हैं, तो बाजार में एकतरफा रैली देखने को मिल सकती है। दुनियाभर के बाजारों को राहत मिल सकती है। खासकर तेल और गैस को लेकर जो दिक्कतें चल रही हैं, उनमें सुधार हो सकता है। बाजार में तेजी इसलिए भी आ सकती है कि युद्ध खत्म होने के संकेत से कच्चे तेल की कीमतों में अचानक बड़ी गिरावट की उम्मीद है। हालांकि, युद्ध समाप्ति के बावजूद भी सप्लाई सामान्य होने में लंबा वक्त लग सकता है। बाजार अभी मानकर चल रहा है कि ट्रंप दुनिया को राहत की खबर दे सकते हैं।

युद्ध विराम या नया मोर्चा

वहीं अगर ट्रंप युद्ध को लेकर कोई बड़ा ऐलान करते हैं, जैसे कि ग्राउंड लेवल पर युद्ध की घोषणा, ईरान के ठिकानों पर हमले तेज करना या फिर ईरान के कथित परमाणु ठिकानों को टारगेट करना, तो इन फैसलों से शेयर बाजार का मूड बिगड़ सकता है। जो ग्लोबल इंडेक्स अभी ग्रीन सिग्नल दे रहे हैं, उनका रंग बदलने में चंद मिनट लगेंगे। युद्ध गहराने की स्थिति में बाजार में भारी गिरावट आ सकती है, जिसका असर भारतीय बाजार पर भी देखने को मिलेगा। यानी ट्रंप ही गुरुवार को बाजार की दिशा तय करेंगे।

ओआरआर टोल प्लाजा...

करना अनिवार्य कर दिया गया है। हालाँकि, फास्टैग सुविधा वाले उपयोगकर्ताओं के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक के माध्यम से टोल प्लाजा पर स्वचालित रूप से कैशलेस भुगतान की व्यवस्था जारी रहेगी।

हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर लिमिटेड (एचजीसीएल), जो ओआरआर के साथ 19 इंटरचेंज टोल प्लाजा का प्रबंधन करती है, ने केंद्र सरकार के कैशलेस लेनदेन के निर्णय को पूरी तरह लागू कर दिया है। इन टोल प्लाजा में पेद्दा अंबरपेट, मेडचल, कोकापेट, राजेंद्रनगर, शमशाबाद, एडुलनागुलापल्ली, पटनचेरु, शामीरपेट, घटकेसर, कीसरा, टीजीपीए , नानकरामगुडा, पेद्दा गोलकोंडा, रविरायला, तुक्कुगुडा, तारामतीपेटा, सुल्तानपुर, सारगुडेम और बोंगलुरु शामिल हैं।

नकद भुगतान के लिए हाइब्रिड लेन की सुविधा

एचजीसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार के आदेशों को लागू करते समय टोल प्लाजा पर हाइब्रिड लेन भी बनाए रखी जा रही हैं। सड़क के बाईं ओर की लेन उन उपयोगकर्ताओं के लिए हाइब्रिड लेन के रूप में आरक्षित की गई है जिनके पास फास्टैग नहीं है और जो नकद भुगतान करना चाहते हैं। इस व्यवस्था से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के साथ-साथ यातायात का प्रवाह भी बाधित न हो।

ईरान ने...

पश्चिम एशिया संकट के बाद अमेजन एक्टिव मोड में आ गया है। कंपनी ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह अपने क्लाउड ट्रैफिक को दूसरे सुरक्षित देशों के डाटा सेंटर्स में शिफ्ट करने में जुटी है। अमेजन की क्लाउड विंग अमेजन वेब सर्विसेज ने खुद माना है कि इस युद्ध के चलते बहरीन में उनके ऑपरेशंस बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

हालांकि, इस हमले ने यह साबित कर दिया है कि भविष्य की जंग अब सिर्फ जमीनी सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल दुनिया भी इसकी सीधी जद में है।

ना यूरेनियम...

यह आज नहीं, कल नहीं, लेकिन बहुत जल्द सामने होगी। इससे साफ है कि अमेरिका अब जंग के अंत की ओर बढ़ रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल है कि ट्रंप अपने संबोधन में क्या कहेंगे। क्या वह युद्धविराम का ऐलान करेंगे? क्या कोई नई डेडलाइन देंगे? क्या वह इसे अपनी जीत बताकर बाहर निकलने की कोशिश करेंगे? या फिर ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई शर्तें रखेंगे?

दूसरी ओर, ईरान का रुख बिल्कुल साफ है। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा है कि देश लंबे समय तक युद्ध लड़ने के लिए तैयार है। अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए हर कदम उठाएगा।

इस जंग का असर पूरी दुनिया पर पड़ा है। यूएनडीपी की रिपोर्ट के मुताबिक मिडिल ईस्ट की जीडीपी में 3.7% से 6% तक गिरावट आ सकती है। करीब 18 लाख करोड़ रुपए का नुकसान अनुमानित है। होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही 70% तक घट गई है। तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। 16 से 36 लाख नौकरियां खतरे में हैं।

अमेरिका को इस जंग में अपने सहयोगियों का भी साथ नहीं मिला। ब्रिटेन, इटली, स्पेन, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने साफ कर दिया कि यह उनकी लड़ाई नहीं है। नाटो का सदस्य होने के बावजूद तुर्की ने मध्यस्थता का रास्ता चुना। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने भी साफ कहा कि यह युद्ध उनका नहीं है।

ऐसे में ट्रंप नाटो देशों पर खुलकर भड़क गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि यदि सहयोगी देशों को तेल चाहिए तो वे खुद होर्मुज से इंतजाम करें। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका हमेशा अपने साथियों के लिए खड़ा रहा, लेकिन इस बार कोई भी उनके साथ नहीं आया। जबकि अमेरिका ने यूक्रेन की मदद की थी।

जंग और कूटनीति दोनों मोर्चों पर ईरान भारी

इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक बात साफ है कि जंग 4 हफ्तों से ज्यादा समय से जारी है, लेकिन नतीजा नहीं निकला। होर्मुज स्ट्रेट अब भी संकट में है। दुनिया ऊर्जा संकट से जूझ रही है। ईरान, भारी नुकसान के बावजूद, जंग में डटा हुआ है। इस तरह जंग और कूटनीति दोनों मोर्चों पर तस्वीर यह बनती दिख रही है कि ईरान अमेरिका और इजरायल पर भारी पड़ा है।

कंपनी सीईओ ...

इसके बाद अकाउंटेंट को मैसेज भेजकर एक बैंक खाते में तुरंत 1.20 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने का निर्देश दिया। अकाउंटेंट ने इसे अपने बॉस का वास्तविक अनुरोध समझकर बिना किसी संदेह के राशि ट्रांसफर कर दी।

दोबारा पैसे मांगने पर हुआ शक, ऐसे खुला राज

धोखाधड़ी का सिलसिला यहीं नहीं रुका। जब जालसाजों ने दोबारा पैसे की मांग की, तो अकाउंटेंट को संदेह हुआ। उसने तुरंत असली सीईओ से संपर्क कर इस बारे में पूछताछ की, जिसके बाद उसे अहसास हुआ कि उनके साथ बड़ी धोखाधड़ी हुई है। इसी तरह के एक पिछले प्रयास का पता चलते ही पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने वित्तीय लेनदेन और डिजिटल फुटप्रिंट्स का पीछा करते हुए मुख्य संदिग्धों में से एक, हर्षद को धर दबोचा। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और इनके द्वारा इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की जांच कर रही है। अधिकारियों ने नागरिकों और कंपनियों को सलाह दी है कि किसी भी बड़े वित्तीय लेनदेन से पहले कॉल या व्यक्तिगत रूप से पुष्टि अवश्य करें।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 02 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एनएमडीसी ने अब तक सर्वाधिक 53 एमटी टन उत्पादन के साथ रचा इतिहास

जिम्मेदार खनिक भारत की इस्पात उद्योग के आधार को मजबूत बना रहा है और 100+ एमटी के अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निरंतर ऊचाईयों को छू रहा है

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक तथा जिम्मेवार खनिक एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2026 में 53 एमटी लौह अयस्क के उत्पादन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जो भारत के खनन इतिहास में 50 एमटी वार्षिक उत्पादन के लक्ष्य को पार करने वाली प्रथम कंपनी बन गई है। यह उपलब्धि संख्यात्मक उपलब्धि से आगे है, जो भारत के खनिज क्षेत्र की बढ़ती ताकत और गति का प्रतीक है। एनएमडीसी निरंतर देश की लौह अयस्क आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है तथा अपने इस्पात उद्योग की आधारशिला को मजबूती प्रदान कर रहा है। कंपनी ने पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में क्रमशः 51 प्रतिशत और 40 प्रतिशत की असाधारण वृद्धि के साथ मार्च 2026 माह में 5.35 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन किया तथा 5.90 एमटी लौह अयस्क की बिक्री की। कुल उत्पादन परिणाम 21 प्रतिशत की अद्भुत वृद्धि के साथ 53.15 एम टी तक पहुंच गया तथा बिक्री 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 50.23 एमटी तक पहुंच गई, जो स्थापना के बाद से इसका अब तक का सर्वोत्तम मात्रा है। एनएमडीसी की प्रमुख लौह अयस्क खदानों – छत्तीसगढ़ में किरंदुल तथा बचेली एवं कर्नाटक में दोणिमलै के मजबूत प्रदर्शन से रिकॉर्ड उत्पादन हुआ, जिसने कंपनी के इतिहास में अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज कर दिया ।दुबई में अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय के उद्घाटन, झारखंड में प्रथम कोयला खदान के सफल प्रचालन तथा छत्तीसगढ़ के बैलाडीला में निक्षेप 4 की कमीशनिंग के साथ, इसकी उत्पादन क्षमताओं एवं विविधीकरण रणनीति को और मजबूत करने के साथ वित्त वर्ष 2026 एनएमडीसी के लिए विस्तार योजना एवं परिवर्तन का निर्णायक वर्ष रहा है। इस इस्पाती इरादों के साथ, एनएमडीसी ने मजबूत गति एवं ध्यान केंद्रित विकास दृष्टिकोण के साथ वित्त वर्ष 27 में प्रवेश किया है ।

इस ऐतिहासिक अवसर पर, श्री अमिताभ मुखर्जी सीएमडी, एनएमडीसी ने कहा, ''50 एमटी उत्पादन को पार करना एनएमडीसी के लिए केवल उत्पादन का मील का पत्थर नहीं है, यह हमारे तथा भारत के खनन क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। इंफ्रास्ट्रकचर के विकास के साथ जैसे-जैसे भारत की इस्पात की मांग तेजी से बढ़ रही है, एनएमडीसी पहले से कहीं अधिक मजबूत, व्यापक तथा अधिक भविष्य-ध्यानकेंद्रित है। झारखंड में एक नई कोयला खदान, बैलाडीला में नई लौह अयस्क खदान तथा इस रिकॉर्ड उत्पादन के साथ 2026 ने हमारा उत्साह और बढ़ा दिया है। इस मजबूत गति के साथ, हमने वित्त वर्ष 27 के लिए एक निर्णायक गति निर्धारित की है तथा उपयुक्त संसाधन विकास पहलों द्वारा समर्थित हमारी विस्तार योजनाओं के साथ, हम आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत को सशक्त बनाने के अपने व्यापक दृष्टिकोण की ओर निरंतर बढ़ रहे हैं।

एनएमडीसी का उच्च श्रेणी का लौह अयस्क भारत के कुछ प्रमुख इस्पात उत्पादकों के प्रचालन को शक्ति प्रदान कर रहा है, जो देश के इंफ्रास्ट्रकचर के विकास, विनिर्माण प्रगति तथा इस्पात की मांग के विस्तार को सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जैसे-जैसे भारत अपने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है तथा अपने वैश्विक नेतृत्व को मजबूत कर रहा है, लौह अयस्क की मांग और खपत बढ़ने की उम्मीद बढ़ती जा रही है। एनएमडीसी इस बढ़ती मांग को पूरा करने तथा निरंतर आर्थिक विकास को सक्षम करने के लिए रणनीतिक रूप से अपनी क्षमताओं में वृद्धि कर रहा है। इस ऐतिहासिक मील के पत्थर के आधार पर, कंपनी नई खनन परियोजनाओं, क्षमता वृद्धि एवं इंफ्रास्ट्रकचर के विकास के माध्यम से 2030 तक 100+ एम टी से अधिक लौह अयस्क उत्पादन क्षमता प्राप्त करने की महत्वाकांक्षी योजना के साथ अपने विस्तार रोडमैप को तेज कर रही है। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के साथ निकटता से जुड़कर, एनएमडीसी स्वयं को भारत के दीर्घकालिक आर्थिक विकास के प्रमुख प्रचालक के रूप में स्थापित कर रहा है, जो कच्चे माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं राष्ट्र की सतत प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सेवा ही सबसे बड़ा उत्सव: राहुल अग्रवाल का जन्मदिन बना प्रेरणा

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को राहुल अग्रवाल के जन्मदिवस के अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

इस मौके पर राहुल अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के साथ जन्मदिन मनाना अपने आप में सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि सच्ची खुशी दूसरों की सेवा में ही निहित है और अन्नदान जैसा पुण्य कार्य जीवन को सार्थक बनाता है। उन्होंने सभी से अपील की कि अपने खास अवसरों को सेवा कार्यों से जोड़कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने भी इस पहल की सराहना की और सेवा भाव को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्य निरंतर करते रहने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान सेवा, समर्पण और मानवता की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, रवि अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, राजेश सर योगा, गोविंदराम पचेरिया, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, महेश गोयल, रेनू गुप्ता, शर्मिला अग्रवाल, रेनू शर्मा, मीणा गोयल, नीलम विजयवर्गीय, रोहित अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

मिश्र धातु निगम लिमिटेड ने आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के बीच अब तक की सर्वाधिक बिक्री हासिल की

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मिधानि ने वित्त वर्ष 2025–26 में रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए 1,206 करोड़ (प्रावधिक एवं लेखा-परीक्षण रहित) की अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष के 1,074 करोड़ की तुलना में 12% वार्षिक वृद्धि दर्शाती है। इसमें 85 करोड़ (प्रावधिक एवं लेखा-परीक्षण रहित) के निर्यात आदेशों का सफल निष्पादन भी शामिल है। कच्चे माल की आपूर्ति पर प्रभाव डालने वाले महत्वपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवधानों के बावजूद, रणनीतिक योजना और प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभावों को सफलतापूर्वक कम किया गया।

इस वृद्धि में प्रमुख योगदान स्वदेशी एयरो-इंजन कार्यक्रमों के लिए सुपरएलॉय एवं टाइटेनियम एलॉय की आपूर्ति तथा भारतीय नौसेना और भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए उच्च-प्रदर्शन सामग्रियों की आपूर्ति का रहा। उल्लेखनीय आपूर्तियों में एयरोस्पेस उपयोग हेतु निकेल-आधारित सिंगल क्रिस्टल कास्ट स्टिक्स, रॉट सुपरएलॉय बार्स और रोल्ड रिंग्स तथा नौसैनिक अनुप्रयोगों के लिए उच्च-शक्ति निम्न-एलॉय स्टील्स शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2025–26 की प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

* सैन्य वायुयोग्यता एवं प्रमाणीकरण केंद्र (सेमिलैक) से 10 प्रकार के सुपरएलॉय कास्टिंग्स एवं बार्स के लिए प्रमाणन प्राप्त।
* नैडकैप से हीट ट्रीटमेंट प्रक्रियाओं के लिए प्रमाणन प्राप्त।
* टाइटेनियम उत्पादन में लगभग 40% वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि।
* श्री राम मंदिर व, अयोध्या के लिए टाइटेनियम एलॉय की 31 खिड़कियों की आपूर्ति, जो भारत में वास्तु निर्माण में टाइटेनियम के प्रथम उपयोग को दर्शाती है।
* गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति मंच (प्रेसिडेंशियल डाइस) के लिए लगभग 90 टन आर्मर स्टील की आपूर्ति।
* कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता से एकीकृत उत्पाद कंपनी की दिशा में परिवर्तन।
* नए/विस्तारित क्षेत्रों में एयरोस्पेस फास्टनर्स, सुपरएलॉय/टाइटेनियम कास्टिंग्स, वेल्डिंग कंज़्यूमेबल्स तथा टाइटेनियम निर्मित संरचनाएँ शामिल।

मिधानि ने विभिन्न राज्य पुलिस बलों के लिए हल्के मोटर वाहनों में साइड माइन ब्लास्ट प्रूफ आवश्यकताओं को पूरा करते हुए वाहनों की अप-आर्मरिंग का सफल निष्पादन किया है।मिधानि ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (आईआईटी दिल्ली) से एबीएचईडी बुलेट प्रूफ जैकेट के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्राप्त किया है, जो एपीआई सुरक्षा हेतु विश्व के सबसे हल्के बीआईएस लेवल-6 जैकेटों में से एक है।राष्ट्रीय महत्व की रक्षा परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु मिधानि में मेटल बैंक की स्थापना के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।बिक्री संबंधी घोषणा की बैठक में उपस्थित अधिकारी:मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति के नेतृत्व में, निदेशक (वित्त) श्रीमती के. मधुबाला तथा निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) श्री पी. बाबू बैठक में उपस्थित रहे। कंपनी सचिव श्री पॉल एंटनी (सीएस एवं सीओ) भी इस घोषणा बैठक में उपस्थित रहे।

श्री रेजड़ी खेजड़ी शीतला माता का वार्षिक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काजरा स्थित श्री रेजड़ी खेजड़ी शीतला माता का वार्षिक महोत्सव इस वर्ष अत्यंत भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण व्याप्त हो गया।महोत्सव के अंतर्गत आयोजित माता के जागरण में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भजन-कीर्तन का आनंद लिया।

जागरण के दौरान भक्तों ने पूरे उत्साह के साथ नृत्य करते हुए माता का गुणगान किया, जिससे वातावरण श्रद्धा, उमंग और आनंद से भर गया।अगले दिन 108 मीटर लंबी चुनरी की भव्य शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से निकाली गई। शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और जय माता दी के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने चुनरी को सिर पर धारण कर माता को अर्पित किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस महोत्सव में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। विशेष रूप से हैदराबाद से आए श्रद्धालुओं में प्रताप नारायण संघी, निर्मला संघी, सुभोद संघी, रचिता संघी, अशोक बंसल, रजनी बंसल, पंकज संघी, डिंपल संघी, भूपेंद्र संघी, अनिल संघी, अवधेश संघी, संजय संघी, कविता संघी, प्रेम संघी, सुषमा संघी, नकुल संघी, सविता संघी, मिशिका संघी, अनीता अग्रवाल, नेत्रम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य भक्तजन उपस्थित रहे।

पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया तथा आयोजन समिति ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए माता से सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

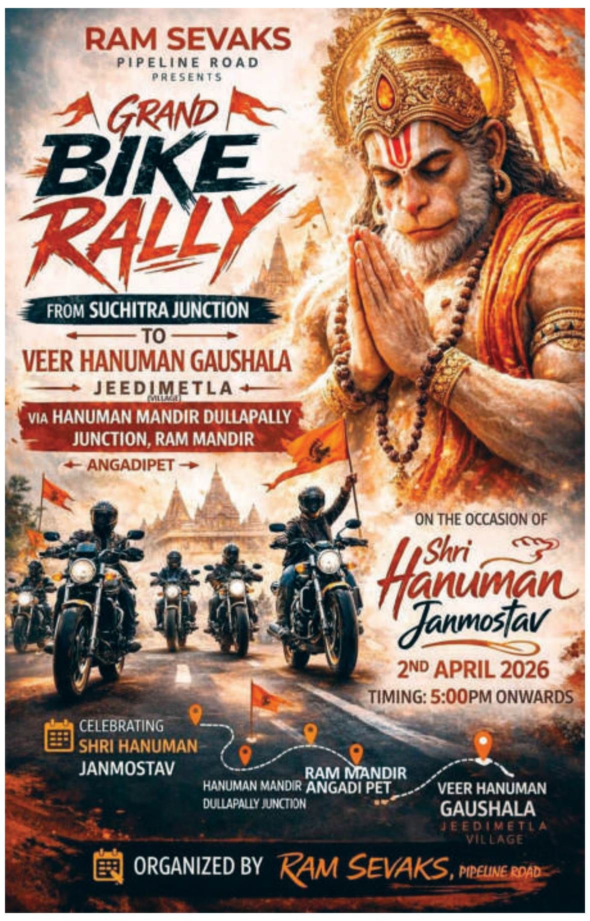

श्री शांतिनाथ प्रभु मंदिर में महावीर जन्म कल्याणक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री अचलगच्छ जैन संघ हैदराबाद सिटी द्वारा संचालित काचीगुड़ा स्थित श्री शांतिनाथ प्रभु मंदिर में 2625वां भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और धार्मिक वातावरण में मनाया गया।

संघ के अध्यक्ष रमणीक नागड़ा एवं प्रबंध न्यासी पोपटलाल छेड़ा ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि श्री अचलगच्छ जैन संघ हैदराबाद सिटी एवं श्री काचीगुड़ा जैन संघ के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार, 31 मार्च को प्रातः 7:30 बजे से भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रभात फेरी शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जो जिनेश्वर धाम से प्रारंभ होकर काचीगुड़ा चौराहा, भूमन्ना गली तथा लीगमपल्ली मार्ग से होते हुए पुनः श्री शांतिनाथ जिनेश्वर धाम मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में श्रद्धालु बाजे-गाजे और भजन-कीर्तन के साथ सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम पूज्य आचार्य भगवंत श्री कलाप्रभसागर सूरीश्वरजी, आचार्य श्री कविंद्रसागर सूरीश्वरजी, आचार्य श्री वीरभद्रसागर सूरीश्वरजी एवं साध्वी मंडल के पावन आशीर्वाद एवं निश्रा में संपन्न हुआ।प्रभात फेरी के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई तथा सायंकाल श्री शांतिनाथ प्रभु की भव्य अंगरचना की गई। इस अवसर पर परमात्मा को पधराने का लाभ मातुश्री पुष्पाबेन हीराचंद जैन परिवार को तथा प्रभुजी को पोखने का लाभ श्रीमती लीनावेन हेमल शाह (मधुरई) को प्राप्त हुआ।प्रबंध न्यासी पोपटलाल छेड़ा ने बताया कि संघ द्वारा 31 मार्च से 1 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से राहगीरों के लिए छाछ वितरण सेवा भी आयोजित की गई, जिससे प्रतिदिन लगभग 3000 से अधिक लोगों ने लाभ प्राप्त किया।कार्यक्रम में भाजपा नेता सूर्यप्रकाश सिंह, पूर्व पार्षद दिड्डी रामबाबू, रमणीक नागड़ा, हेमांग मोमाया, दिनेश गोसर, रिद्धीश जागीरदार, चंद्रकांत शाह, अनीश छेड़ा, विकास शाह, अभय शाह, दिलीप ओस्तवाल, पंकज वाणीगोता, राजेश जैन, अमित वेदमेहता, ललित धोका, उपेन्द्र भूरट, सिद्धार्थ जैन, प्रदीप संघवी, योगेश गोसर, पियूष नागड़ा, विपुल गाला, मणीलाल सावला, नवीन मारू, गुलाब मोता, गिरीश मोता, लहेरचंद लोडाया, जयंत गड़ा, शांतिलाल मारू, जया जागीरदार, भावना नागड़ा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नियमित सेवा से समाज सशक्त बन रहा है : भाकर राम कुमावत

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय एवं राहगीरों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम का वातावरण सेवा, करुणा और मानवता की भावना से ओत-प्रोत रहा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भाकर राम कुमावत ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किया जा रहा अन्नदान केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज के कमजोर वर्ग को सहारा देने के साथ-साथ सामाजिक एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जब समाज का हर सक्षम व्यक्ति जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएगा, तभी एक सशक्त और संवेदनशील समाज का निर्माण संभव है। राधे-राधे ग्रुप का यह निरंतर प्रयास न केवल भूखों को भोजन दे रहा है, बल्कि लोगों के दिलों में सेवा और मानवता की ज्योति भी जगा रहा है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, जगन इलाकुर्ती, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, सुरेश डालमिया, गुरबीर सिंह, महेश अग्रवाल, गौरव गोयल, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाया।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोमाता को राष्ट्र माता तथा राष्ट्र प्राणी का दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ आगामी 27 अप्रैल को देशभर में आयोजित होने वाले गौ सम्मान आह्वान अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम इम्पीरियल गार्डन में श्री महावीर जैन सेवा संघ द्वारा आयोजित भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर सम्पन्न हुआ।

इस दौरान लव फॉर काउ फाउंडेशन की ओर से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए उपस्थित लोगों से हस्ताक्षर कर समर्थन देने का आग्रह किया गया।कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, सांसद ईटेला राजेंद्र, संगठन मंत्री चंद्रशेखर तिवारी, सरदार जगमोहन सिंह, जैनरत्न संपतराज कोठारी, प्रदीप सुराणा, विजय सुराणा, पारस रांका, सज्जनराज जैन इलायचीवाले, आर. एन. गुप्ता, अजय अग्रवाल, गौतम गांधी, आर. के. जैन, अविनाश देवड़ा, विनीता जैन, पद्मा गुगलिया सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।अभियान के संयोजकों जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, कमलेश महाराज, तरुण मेहता तथा मुकेश चौहान ने समाजबंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर इस राष्ट्रव्यापी अभियान को सफल बनाने की अपील की।

सीरवी करियर मार्गदर्शन सत्र 5 अप्रैल को

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पारसीगुटा स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) में सीरवी फ्रेंड्स क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में 5 अप्रैल को एक भव्य करियर मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञ, अधिकारी एवं पेशेवर विद्यार्थी और युवाओं को उनके करियर संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान सिविल सेवाएं (आईएएस, आईपीएस), चार्टर्ड अकाउंटेंसी, विधि क्षेत्र, चिकित्सा एवं आयुर्वेद, वास्तुकला, आंतरिक सज्जा, पायलट सेवा, भारतीय सेना (कैप्टन, मेजर), अभियांत्रिकी (डीआरडीओ) तथा खेलकूद जैसे अनेक क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे और छात्रों के प्रश्नों के उत्तर देंगे।

इस सत्र का उद्देश्य युवाओं को सही करियर विकल्प चुनने में सहायता करना, उनके मन में उत्पन्न शंकाओं का समाधान करना तथा उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति प्रेरित करना है। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिक एवं समाज बंधु भी उपस्थित रहेंगे, जिससे यह आयोजन और भी प्रेरणादायक बनेगा।सीरवी फ्रेंड्स क्लब हैदराबाद ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त कदम बढ़ाएं।

आईजी गौशाला में गायों का वैक्सीन करते हुए डॉ. बलराम एवं उनके कर्मचारी। तेलंगाना सरकार की ओर से गौशाला में गायों की वैक्सीन किया गया। गौशाला की ओर से सरकारी एवं डॉक्टरों एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया गया।

शिक्षा के अधिकार कानून को लेकर कांग्रेस सरकार पर सवाल, आंदोलन की चेतावनी

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए बीसी सादीकार्यता संस्था के नेताओं ने कहा कि वर्ष 2010 में लागू हुए इस कानून का लाभ आज तक वंचित वर्गों के बच्चों को पूर्ण रूप से नहीं मिल पाया है। नेताओं का कहना है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के बच्चों को निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित कर निःशुल्क शिक्षा देने का प्रावधान है, लेकिन तेलंगाना में इसे अब तक प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया।उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान भी यह कानून कागजों तक ही सीमित रहा और वर्तमान सरकार ने भी इसे लागू करने के अपने वादे को पूरा नहीं किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आगामी शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले ही आरटीई प्रावधानों को पूरी तरह लागू करने की मांग की।

नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया, तो इस मुद्दे पर व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा, जिसमें धरना-प्रदर्शन और विधानसभा घेराव जैसे कदम भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू की सरकार द्वारा संचालित तल्ली की वंदनम योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां प्रत्येक बच्चे के लिए प्रतिवर्ष आर्थिक सहायता सीधे बैंक खातों में जमा की जा रही है, जिससे शिक्षा को बढ़ावा मिल रहा है।

हनुमान जन्मोत्सव पर बालाजी फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा लंगर प्रसाद सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मिट्टी का शेर स्थित बालाजी निवास के समीप बालाजी फ्रेंड्स एसोसिएशन, भाग्यनगर द्वारा गुरुवार 2 अप्रैल 2026 को दोपहर 1:00 बजे से लंगर प्रसाद सेवा का आयोजन किया जाएगा।

घांसी बाजार डिविजन के भाजपा अध्यक्ष नितेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से हनुमान जन्मोत्सव पर लंगर सेवा का सफलतापूर्वक आयोजन किया जाता रहा है और इस वर्ष भी भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम में कई प्रमुख अतिथि भी सम्मिलित होंगे। आयोजकों ने शहर के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर लंगर प्रसाद का लाभ उठाने का आग्रह किया है।लंगर सेवा कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन करते समय नितेश अग्रवाल के साथ वैभव शर्मा, दीपक सोनी, आकाश अग्रवाल, अनिल बजाज, विकास, नितिन, जितेंद्र, महेश, अर्णव अग्रवाल, कृष और ध्रुव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

यह आयोजन हनुमान जन्मोत्सव के धार्मिक उत्साह और सेवा भावना को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रधान संपादक महेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष भरत भट्ट तथा कोषाध्यक्ष रिद्धिश जागीरदार ने सुल्तान बाजार के सहायक पुलिस आयुक्त एम. मठअईया और थाना प्रभारी जी. नरेश को एसोसिएशन की मासिक पत्रिका की प्रति भेंट की। इस दौरान दोनों पुलिस अधिकारियों ने एसोसिएशन को भविष्य में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

हनुमान जन्मोत्सव पर गौशाला में भजन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में हनुमानजी के भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में भजन गायक विजय जाजू ने अपनी मधुर प्रस्तुति से उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर गौशाला के महाराज प्रभुदत्त जी महाराज, पुरुषोत्तम गुप्ता तथा गौ सेवा मित्र मंडल के मनोज अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल और लक्ष्मण सहित अनेक भक्तजन उपस्थित रहे।पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने हनुमानजी के भजनों में सहभागिता करते हुए जन्मोत्सव को उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया।

भाजपा एनटीआर जिला कार्यालय में पहली बार मनाया गया भगवान महावीर जन्म कल्याणक

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा एनटीआर जिला कार्यालय में पहली बार भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन भाजपा एनटीआर जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मीरा वली के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा एनटीआर जिला अध्यक्ष अड्डुरी श्रीराम ने भगवान महावीर के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर 'अहिंसा परमो धर्म' के संदेश को वर्तमान समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांतों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम में जैन समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियोंपन्नालाल जैन, अशोककुमार भेरमलजी, अशोककुमार जैन, नरेश जैन और सुभाष सालेचाने भाग लेकर भगवान महावीर के जीवन दर्शन और उनके सिद्धांतों की आधुनिक संदर्भ में महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम का समन्वय भाजपा गवर्नरपेट मंडल अध्यक्ष प्रवीण जैन रांका ने किया। उनके मार्गदर्शन में सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुईं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अड्डुरी श्रीराम ने जैन समाज के गणमान्य व्यक्तियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और समाजजनों ने भगवान महावीर के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। समारोह का समापन शांति पाठ और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

365 दिन सेवा का संकल्प ही हमारी सबसे बड़ी ताकत : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर बुधवार को चैत्र पूर्णिमा के पावन अवसर पर नियमित अनुदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा वर्ष के 365 दिन निरंतर किया जा रहा सेवा कार्य अपने आप में एक अद्भुत मिसाल है। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल सेवा नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण और मानवता का जीवंत उदाहरण है। इतनी निरंतरता और समर्पण के साथ सेवा करना किसी सामान्य व्यक्ति के लिए संभव नहीं, यह सब परमपिता परमात्मा और राधे रानी की असीम कृपा का ही परिणाम है।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और जरूरतमंदों के जीवन में आशा की नई किरण जगाते हैं। राधे-राधे ग्रुप का यह प्रयास निस्वार्थ भाव से समाज सेवा की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश शारदा, हरीश तोलाराम हिंदूजा, तेज प्रकाश गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं. : जी/ई.29/टीआर/ निविदा सूचना/67/2025-26 पीयूबी/2201

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-99-2025-26, **कार्य का नाम : एसडब्ल्यू-I :** गुंटकल डिवीज़न : एचएक्स - केएनएलपी सेक्शन में मल्टीपल स्प्लाइसेस के साथ पैंटिनीड कैटेनरी वायर का प्रतिस्थापन, **एसडब्ल्यू-II :** गुंटकल डिवीज़न : जीटीएल डिवीज़न के स्टेशनों / एसपी/ एसएसपी/टीएसएस पर सार्वजनिक सुरक्षा कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,13,89,289/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 2,07,000/-, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 16-04-2026 को 15.00 बजे।**

टिप्पणी : 1. निविदादाताओं द्वारा निविदा दस्तावेज़ www.ireps.gov.in से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा की बोली लगाने एवं अन्य विवरणों के लिए http://www.ireps.gov.in को लॉगइन करें। शुद्धिपत्र अगर कोई होगा तो केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

सीनि. डिवीज़नल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, ट्रैक्शन, गुंटकल

ई-निविदा सूचना सं.: डीआरएम/ कार्य/ बीजेडए/ 12/2026 दिनांक : 26-03-2026 पीयूबी/2205

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रत्येक के आगे उल्लेखित तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01 : निविदा सं. : ई-04-मध्य- बीजेडए-2026. **कार्य का नाम :** विजयवाड़ा डिवीजन : बीजेडए-जीडीआर सेक्शन : डीईएन/मध्य/बीजेडए के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एडीईएन/ बीपीपी सब-डिवीज़न में बीपीपी एवं केसीसी स्टेशनों पर प्रत्येक 35 केएलडी के लिए सीवेज वाटर ट्रीटमेंट संयंत्र का निर्माण, **निविदा मूल्य :** रु. 1,01,82,338/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 2,03,700/-, **पूरा करने की अवधि :** 12 (बारह महीने), **बंद होने की तिथि :** 16-04-2026.

क्र.सं. 02 : निविदा सं. : ई-03-मध्य- बीजेडए-2026. **कार्य का नाम :** बीजेडए डिवीज़न : बीजेडए - वीएसकेपी सेक्शन : एडीईएन/ईई सब-डिवीज़न में स्टील गिर्डर ब्रिज सं. 13 अप (3X12.20 एम) एवं 13 डाउन (3X12.20 एम) के लिए पीएससी स्लैब्स (पोस्ट टेन्शन्ड) के साथ प्रस्तावित प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्य :** रु. 5,67,32,352/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 11,34,700/-, **पूरा करने की अवधि :** 12 (बारह महीने), **बंद होने की तिथि :** 16-04-2026.

क्र.सं. 03 : निविदा सं. : ई-12-उत्तर- बीजेडए-2026. **कार्य का नाम :** बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन : एनडीडी - डीईएन/उत्तर/बीजेडए अधिकार क्षेत्र में एडीईएन/आरजेवाई सब-डिवीज़न के अंतर्गत एसएसई/कार्य/एनडीडी सेक्शन में निडदावोलु स्टेशन पर स्टोर शेड्स और एसएसई/कार्य/एनडीडी, एसएसई/पीवे/एनडीडी कार्यालयों का निर्माण, (अम्ब्रेला कार्य परियोजना आईडी : 2024-25 का 11.06.64.24.3.55.009), **निविदा मूल्य :** रु. 1,82,78,625/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 3,65,600/-, **पूरा करने की अवधि :** 09 (नौ महीने), **बंद होने की तिथि :** 22-04-2026.

क्र.सं. 04 : निविदा सं. : ई-14-उत्तर- बीजेडए-2026. **कार्य का नाम : एसडब्ल्यू-I :** एसएलओ-एडीईएन/एसएलओ सब-डिवीज़न में एसएसई/ डब्ल्यू/एसएलओ सेक्शन के सीओए स्टेशन में रनिंग कक्ष पर 5.80X5.65 मीटर साइज के साथ जिम उपलब्ध कराना एवं निर्माण (अम्ब्रेला कार्य परियोजना आईडी : 2024-25 का 11.06.64.25.3.55.011), **एसडब्ल्यू-II :** बीजेडए - वीएसकेपी सेक्शन : एडीईएन/टुनी सब-डिवीज़न के अंतर्गत एसएसई/कार्य/टुनी सेक्शन के अंतर्गत वीएसकेपी एवं टुनी पर रनिंग कक्ष का अपग्रेडेशन (अम्ब्रेला कार्य परियोजना आईडी : 2024-25 का 11.06.64.25.3.55.011), **निविदा मूल्य :** रु. 1,38,87,811/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 2,77,800/-, **पूरा करने की अवधि :** 09 (नौ महीने), **बंद होने की तिथि :** 22-04-2026.

क्र.सं. 05 : निविदा सं. : ई-13-उत्तर- बीजेडए-2026. **कार्य का नाम :** सीओए - कोच रखरखाव सुविधाओं का विकास (अम्ब्रेला कार्य परियोजना आईडी : 2024-25 का 11.06.42.24.4.55.009), **निविदा मूल्य :** रु. 2,74,14,816/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 5,48,300/-, **पूरा करने की अवधि :** 09 (नौ महीने), **बंद होने की तिथि :** 22-04-2026.

1) निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे पूर्ण रूप में कार्य का नाम, उपरोक्त कार्यों के समानान्तर स्वभाव के कार्य, योग्यता मापदंड आदि के विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध हैं।

2. संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि किसी निविदा में किसी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र पर ध्यान देने के लिए निविदा बंद होने की तिथि से पूर्व वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

3. निविदा सूचना, डिवीजनल रेलवे मैनेजर (कार्य) कार्यालय, द.म. रेलवे, विजयवाड़ा और विजयवाड़ा डिवीजन के एडीईएन सब-डिवीजनल कार्यालयों में स्थित सूचना बोर्ड में भी प्रदर्शित की गई है, जिसे देखा जा सकता है।

4. रेलवे के पास तत्संबंधी बिना कोई कारण बताए निविदा को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।

डिवीजनल रेलवे मैनेजर (कार्य), विजयवाड़ा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in के माध्यम से) पीयूबी/2204

भारत के राष्ट्रपति की ओर से चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदाकरण के एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. 1. एनआईटी सं. : निविदा सं. 03-2025-26-ई-जीएस-सीएन, 30-03-2026, **कार्य का नाम : निविदा सं. 03-2025-26-ई-जीएस-सीएन.** हैदराबाद डिवीज़न : एओबी - केपीएचआई सेक्शन : मनोहराबाद - कोत्तापल्ली स्टेशनों के बीच नई बीजी लाइन का प्रस्तावित निर्माण - सिरसिल्ला एवं कोत्तापल्ली स्टेशनों के बीच पावर लाइन क्रॉसिंग्स - अस्थायी 126 नग (एलटी-72 नग, 11 केवी-45, 35 केवी- 9 नग) की शिफ्टिंग/संशोधन. **अनुमानित मूल्य :** रु. 7,92,79,204/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 15,85,600.00/-, **दस्तावेज का मूल्य :** कुछ नहीं, **पूरा करने की अवधि :** 06 (छह) महीने, **बंद होने की तिथि :** 21-04-2026 को 15.00 बजे।

1) बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट http://ireps.gov.in को लॉग इन करें।

2) पूर्व धरोहर राशि और निविदा दस्तावेज के मूल्य का भुगतान केवल आईआरईपीएस में आनलाइन उपलब्ध कराये गये नेट बैंकिंग/ पेमेन्ट गेटवे सुविधाओं के माध्यम से ही करना होगा।

3) निविदादाता अपने प्रस्ताव निविदा प्रस्तुत करने की अवधि, जो निविदा बंद होने की तिथि से पंद्रह दिन पूर्व है, में ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं।

4) निविदादाता को निविदा प्रस्तुत करने की अवधि प्रारंभ होने की तिथि तक किसी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी किए हुए) के लिए देखना होगा।

चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, निर्माण, सिकन्दराबाद

निविदा सूचना सं. एनईडी/ ई-55 एवं 56/2025-26 दिनांक : 25-03-2026 पीयूबी/2207

निम्नलिखित **ई-निविदाओं** के लिए www.ireps.gov.in पर प्रस्ताव आमंत्रित है।

क्र.सं. 01. निविदा सं. : एनईडी/ई-55/ 2025-26, **कार्य का नाम :** नांदेड डिवीज़न पर नये ऊर्जा सक्षम इन्वर्टर एसी यूनिट्स के साथ परंपरागत एसी यूनिट्स का प्रतिस्थापन, अत्यधिक पुराने डीजी सेट्स का नये के साथ प्रतिस्थापन। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,24,15,714.00/-, **बोली सुरक्षा :** रु. 2,48,300.00/-, **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन, **पूरा करने की अवधि :** 12 महीने **यहाँ उपलब्ध : www.ireps.gov.in** नांदेड़ डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के अंतर्गत। **बंद होने की तिथि और समय :** 16-04-2026 को 15.00 बजे।

क्र.सं. 02. निविदा सं. : एनईडी/ई-56/ 2025-26, **कार्य का नाम :** कोचिंग डिपो नांदेड पर टीएल एसी साइड बिल्डिंग के प्रथम तल का निर्माण-विद्युतीय व्यवस्था, **अनुमानित मूल्य :** रु. 37,51,504.00/-, **बोली सुरक्षा :** रु. 75,000.00/-, **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन, **पूरा करने की अवधि :** 12 महीने, **यहाँ उपलब्ध : www.ireps.gov.in,** नांदेड़ डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के अंतर्गत। **बंद होने की तिथि और समय :** 16-04-2026 को 15.00 बजे।

निविदा दस्तावेज, योग्यता मापदंड के विवरण, विशेष शर्तों आदि के लिए ऊपर उल्लेखित हमारी वेबसाइट देखें। यह सलाह दी जाती है कि प्रस्ताव प्रस्तुत करने से पहले जाँच लें कि कोई शुद्धिपत्र कहीं ऑनलाइन तो नहीं प्रकाशित हुआ है।

डिवीजनल रेलवे मैनेजर (इलेक्ट.), नांदेड़

निविदा सूचना पीयूबी/2208

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीनि. डिवीजनल सिग्नल एवं टेलीकाम इंजीनियर, सिकन्दराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदा के ई-अधिप्राप्ण के माध्यम से सार्वजनिक निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सं. एवं तिथि : सी_एसजी_36_597, दि. 26-03-2026, बंद होने की तिथि : **17-04-2026, कार्य का नाम :** राघवापुरम (आरजीपीएम) एवं पेद्दपेट (पीपीजेड) स्टेशनों पर विद्युतीय आपूर्ति की मजबूती के लिए सिग्नलिंग व्यवस्था। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,43,47,018.60, **बोली सुरक्षा/ पूधरा :** रु. 2,21,700/-,

अतिरिक्त विवरणों के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। बोली सुरक्षा/ पूधरा को जीसीसी 2022 के अनुसार भुगतान करना है।

*आईआरएसजीसीसी-2022 के अनुसार, ई-निविदा प्रपत्रों को सभी निविदादाताओं को निःशुल्क जारी किया जाएगा। (संदर्भ : आईआरजीसीसी 2022 पार्ट-I, क्लाज-3)

सीनि. डिवीजनल सिग्नल एवं टेलीकाम इंजीनियर, सिकन्दराबाद

A 2784

अतिरिक्त निविदा शर्तों/ विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

एकादशमुखी हनुमान प्रकटोत्सव एवं गीत चाँदनी पूर्णिमा कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। 129 वर्षीय परम पूज्य ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 बाबा शंभू दयाल जी दुबे के दिव्य आशीर्वाद से श्री लालदास बाबा मठ ट्रस्ट के तत्वावधान में चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, गुरुवार, 2 अप्रैल 2026 के पावन अवसर पर श्री एकादशमुखी हनुमान प्रकटोत्सव एवं प्रतिमाह आयोजित होने वाला लोकप्रिय गीत चाँदनी कवि सम्मेलन भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर दिनभर विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 5 : 00 बजे अभिषेक एवं आरती से होगा। इसके उपरांत प्रातः 11 : 00 बजे श्री सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन किया जाएगा। सायं 6 : 30 बजे महाआरती संपन्न होगी, जिसके पश्चात भंडारा प्रसादी (अन्नदान) का आयोजन रहेगा।सायं 7 : 00 बजे से गीत चाँदनी के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नगरद्वय के कवियों द्वारा काव्य पाठ किया जाएगा।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की विशेष पूजा-आरती सम्पन्न

हैदराबाद, 02 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में स्थित इच्छापूर्ति गणेशजी मंदिर में आयोजित विशेष पूजा-आरती के दौरान भक्तों ने दूध अभिषेक कर श्रद्धापूर्वक भगवान गणेश की वंदना की। धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, पी.सी. जैन, पुष्प लता, विठ्ठलदास अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, विजय कुमार अग्रवाल, अशोक सरायवाला, विनोद टिकमानी, प्रमोद सरायवाला, राहुल सिंघल, सेसैया गरु, सुरेश कुमार अग्रवाल, पी.एस.आर. मूर्ति, अशोक रूंगटा, विजया लक्ष्मी, दीपा अग्रवाल, विजया रेड्डी, संध्या अग्रवाल, लिवलाइन सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हनुमान जन्मोत्सव पर संगीतमय सुंदरकांड पारायण आज

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुवार, 2 अप्रैल को सायं 5 बजे से दालमंडी, फीलखाना स्थित श्रृंग ऋषि भवन में संगीतमय सुंदरकांड पारायण एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन किया जाएगा।

आयोजक संस्था श्री बजरंगी सेना ने एक विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम में शक्ति कीर्तन संगम के नंदकिशोर व्यास मुख्य गायक के रूप में उपस्थित रहेंगे।

महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन सायं 7:30 बजे से प्रारंभ होगा। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक पर श्री आनंद जैन युवा मंडल का भव्य वरघोड़ा

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर 31 मार्च 2026 को श्री आनंद जैन युवा मंडल द्वारा भव्य वरघोड़ा निकाला गया। इस धार्मिक आयोजन में समाज के अनेक श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान महावीर के अहिंसा एवं सत्य के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्री संपतराज जी कोठारी का मंडल द्वारा शाल एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। उन्हें हाल ही में प्राप्त जैन रत्न सम्मान के उपलक्ष्य में विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और भी गरिमामय बन गया।भव्य वरघोड़ा के समापन के बाद सभी श्रद्धालुओं के लिए उत्तम अल्पाहार (नाश्ता) की व्यवस्था की गई। संपूर्ण कार्यक्रम के लाभार्थी श्री आनंद जैन युवा मंडल रहे, जिन्होंने आयोजन की सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से संभाला।

इस अवसर पर कोरा श्री संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य, वर्धमान महिला मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा श्री आनंद जैन युवा मंडल के सभी पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने समाज में एकता, आस्था और धार्मिक उत्साह का सुंदर संदेश प्रस्तुत किया।

जनता से प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाए : अंबर किशोर

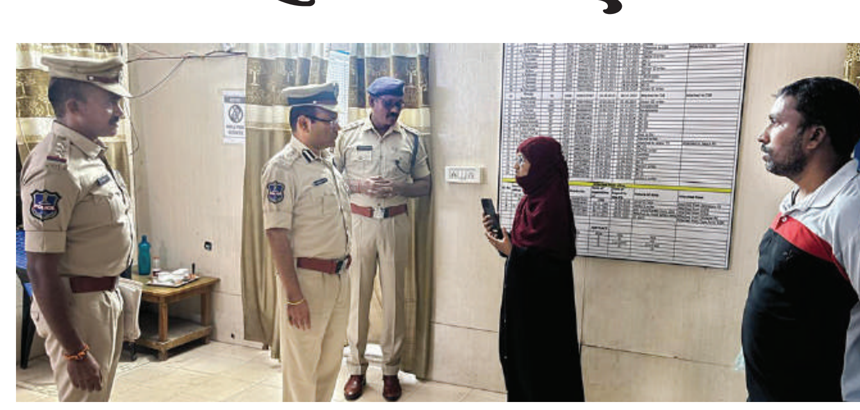

मंचेरियाल, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने बुधवार को मंचेरियाल टाउन पुलिस स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में आए फरियादियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं।

कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता से प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाए, निष्पक्ष जांच कर कानूनी दायरे में समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पारदर्शिता बनाए रखते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने और पुलिस के प्रति जनता का भरोसा बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही हर शिकायत को गंभीरता से लेते हुए बिना देरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद कमिश्नर ने रामकृष्णापुर से मंचेरियल मार्ग पर स्थित दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट क्षेत्र का भी जायजा लिया। उन्होंने दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराने और हादसों में कमी लाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने पर भी जोर दिया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, PINJARI MASUMBHI Mother of No.2617009P Sep DUDEKULA PEDDA RAJU, Residing at 2/342, Vill and PO:Govardhanagiri, Teh:Veldurthi, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518216 have changed my name from D GHOUSEBEE to PINJARI MASUMBHI vide affidavit dt:01-04-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, PINJARI PEDDA RAJU Father of No.2617009P Sep DUDEKULA PEDDA RAJU, Residing at 2/342, Vill and PO:Govardhanagiri, Teh:Veldurthi, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518216 have changed my name from D PEDDA RAJU to PINJARI PEDDA RAJU vide affidavit dt:01-04-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, KIRAN HAKKE Spouse of GS-172258Y, Rank:CHMECH, Name:HAKKE MADHUKAR VISHWANATH, Residing at 5-25, F/No.207, Pallavi Ashray Apts, Malkajgiri, Hyderabad, Medchal Malkajgiri District-500047 have changed my name from KIRAN to KIRAN HAKKE vide affidavit dt:31-03-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist.at L.B Nagar

CHANGE OF NAME & DOB
I, JASUBEN BHUPENDRA BHAI is legally Mother of Service No-15231451X, Rank-L/NK Name-Kanajariya Mukesh Bhupendrabhai Residing at Sitaram Nagar-2, Bhavnagar Road, Botad, Dist-Botad,PIN-364710, State-Gujarat. I have changed my name from JASUBEN BHUPENDRA BHAI to KANZARIYA JASUBEN BHUPENDRABHAI and also Date of Birth changed from 01/07/1971 to 01/01/1970 Affidavit dated 31 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, KANAJARIYA BHUPENDRA BHAI is legally Father of Service No-15231451X, Rank-L/NK Name-Kanajariya Mukesh Bhupendrabhai Residing at Sitaram Nagar-2, Bhavnagar Road, Botad, Dist-Botad,PIN-364710, State-Gujarat. I have changed my name from KANAJARIYA BHUPENDRA BHAI to KANZARIYA BHUPENDRABHAI SHAMJIBHAI and also Date of Birth changed from 01/07/1968 to 29/04/1967 Affidavit dated 31 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-15231451X,Rank-L/NK Name-Kanajariya Mukesh Bhupendrabhai Residing at Sitaram Nagar-2, Bhavnagar Road, Botad, Dist-Botad,PIN-364710, State-Gujarat. I have changed my Daughter name from KANAJARIYA RUTVI MUKESH to KANAJARIYA RUTVI MUKESHBHAI Affidavit dated 31 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, MUNDHAVA BHALABHAI is legally Father of Service No-15187873A,Rank-HAV/(DMT) Name-Mundhava Raghubhai Bhalabhai Residing at Vill- Krushnagadh, Teh-Savar Kundla, Dist-Amreli,PIN-364522, State-Gujarat. I have changed my name from MUNDHAVA BHALABHAI * to *MUNDHAVA BHALABHAI GOVINDBHAI and also Date of Birth changed from 01/04/1964 to 01/01/1965 Affidavit dated 31 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, MUNDAVA RUMUBEN B is legally Mother of Service No-15187873A, Rank-HAV/(DMT) Name-Mundhava Raghubhai Bhalabhai Residing at Vill-Krushnagadh, Teh-Savar Kundla, Dist-Amreli,PIN-364522, State-Gujarat. I have changed my name from MUNDAVA RUMUBEN B * to *RAMUBEN BHALABHAI MUNDHAVA and also Date of Birth changed from 01/06/1966 to 01/01/1967 Affidavit dated 31 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

डॉ. अचुगतला जीवन कामारेड्डी जिला डेंटिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित

बांसवाड़ा (निजामाबाद), 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. अचुगतला जीवन को कामारेड्डी जिला डेंटिस्ट एसोसिएशन का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। उनके चयन पर बांसवाड़ा पद्मशाली संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर पद्मशाली संघ के अध्यक्ष लक्का श्रीनिवास, मार्कंडेय मंदिर समिति के अध्यक्ष गुडा श्रीनिवास और मंदिर समिति के महासचिव गोंट्याला बालकृष्ण सहित अन्य सदस्यों ने डॉ. जीवन को मिठाई खिलाकर बधाई दी।कार्यक्रम में संघ के सदस्य बोडा भास्कर, अल्ली वेंकटेश, बोडा नरहरि, मंगाजी क्रांति, अंड्याला श्रीधर, पी. अंजैया तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सथुपल्ली नगरपालिका के नगर आयुक्त कार्यालय पर एसीबी की छापेमारी

वित्तीय अनियमितता का खुलासा

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने तेलंगाना के सथुपल्ली नगरपालिका के नगर आयुक्त कार्यालय में औचक छापेमारी की, जिसमें राजस्व संग्रह और रिकॉर्ड के रखरखाव में कई अनियमितताओं का खुलासा हुआ है।

ब्यूरो की ओर से बुधवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मंगलवार को खम्मम जिले के सथुपल्ली नगरपालिका में यह छापेमारी की गयी। अधिकारियों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन, कर संग्रह, लंबित आवेदनों और नगर पालिका कार्यालय के समग्र कामकाज की जांच की।

एसीबी ने राजस्व संग्रह में महत्वपूर्ण विसंगतियों का खुलासा किया। विभिन्न मदों के तहत कुल 22.23 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले केवल 7.99 करोड़ रुपये ही एकत्र किए गए थे, जिससे 14.23 करोड़ रुपये का शेष रह गया। लेआउट नियमितीकरण योजना (एलआरएस) के तहत 16.44 करोड़ रुपये देय थे, जिनमें से केवल 3.36 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे, जिससे 13.08 करोड़ रुपये का शेष रह गया। इसी तरह, संपत्ति कर में 1.02 करोड़ रुपये, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स कर में 8.72 लाख रुपये और विज्ञापन कर में 3.80 लाख रुपये का संग्रह नहीं हो पाया।

कर्मचारियों के मोबाइल फोन के सत्यापन के दौरान, अधिकारियों को संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का पता चला। बिल कलेक्टर नगुइबंदी नरसिम्हा राव के मोबाइल फोन में सथुपल्ली नगरपालिका के प्रबंधक एम. श्रीनिवास और अन्य के साथ संदिग्ध लेनदेन दिखाई दिए।

एसीबी ने रिकॉर्ड रखरखाव और राजस्व संग्रह प्रथाओं में भी अनियमितताओं की पहचान की है, जिनके लिए विस्तृत जांच की आवश्यकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.